दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 203 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 03 मई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

हैदराबाद योग महोत्सव में 6 हजार लोगों ने किया भुजंगासन, बना एशिया रिकॉर्ड

20 से अधिक देशों की भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों को मिली नई ऊर्जा

समाज जागरण

हैदराबाद मोतियों की नगरी हैदराबाद में आयोजित भव्य योग महोत्सव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों को नई ऊर्जा प्रदान की। मुख्य आयोजन से 50 दिन पहले आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देश-विदेश से हजारों लोगों ने भाग लेकर योग के प्रति अपनी आस्था और समर्पण का परिचय दिया। यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बना, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का भी प्रभावशाली प्रदर्शन साबित हुआ।

हैदराबाद स्थित कान्हा शांति वनम में आयोजित इस योग महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण 6,000 से अधिक लोगों द्वारा एक साथ भुजंगासन करना रहा। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से इस योगासन का अभ्यास कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया। यह उपलब्धि एक साथ योगासन करने वाले सबसे बड़े समूहों में शामिल हो गई है। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर योगमय वातावरण में डूबा नजर आया और प्रतिभागियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इस योग महोत्सव में भारत के अलावा कजाकिस्तान, बुल्गारिया, क्यूबा, नामीबिया, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित 20 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। विदेशी प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। विशेषज्ञों का मानना है कि योग अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरी दुनिया में स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो आज पूरी मानवता को स्वस्थ जीवन की दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक समाज की आवश्यकता है, जिसमें योग की अहम भूमिका होगी। उन्होंने यह भी कहा कि हैदराबाद को तकनीक और आईटी के साथ-साथ योग एवं समग्र स्वास्थ्य के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग आज वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने 'योग 365' अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य लोगों को प्रतिदिन योग अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि 21 जून तक चलने वाले 100 दिवसीय निःशुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

मंत्री ने घोषणा की कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों के तहत अगला योग महोत्सव मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर खजुराहो में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खजुराहो भारत की सांस्कृतिक धरोहर और स्वास्थ्य परंपराओं का अद्भुत संगम है, जहां योग महोत्सव का आयोजन विशेष महत्व रखेगा।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास ने कहा कि योग महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देशभर में स्वास्थ्य, एकता और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने वाला अभियान है। वहीं हार्टफुलनेस संस्था के अध्यक्ष कमलेश डी पटेल (दाजी) ने ध्यान सत्र का संचालन करते हुए मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन पर जोर दिया।

कार्यक्रम में सांसद डीके अरुणा, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। योग महोत्सव ने यह संदेश दिया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है, जिसे आज पूरी दुनिया अपना रही है।

मौसम का बड़ा अलर्टः दिल्ली से बिहार-बंगाल तक तेज आंधी और भारी बारिश की चेतावनी

60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं, कई राज्यों में ओलावृष्टि के आसार

समाज जागरण

भीषण गर्मी और लू से परेशान लोगों को जल्द राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों में मौसम में बड़े बदलाव की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और विभिन्न साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम के प्रभाव से रविवार 3 मई से अगले दो दिनों तक उत्तर भारत, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

अमेरिका-ईरान तनाव फिर बढ़ा, ट्रंप ने ईरान के प्रस्ताव को बताया असंतोषजनक

समाज जागरण

वॉशिंगटन अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच एक बार फिर शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगा है। ईरान द्वारा युद्ध समाप्ति की दिशा में नया प्रस्ताव भेजे जाने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे असंतोषजनक बताते हुए सख्त प्रतिक्रिया दी है। दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर तनाव लगातार गहराता जा रहा है।

7 करोड़ के लोन वाली जमीन की फर्जी बिक्री ! किशनगंज जूट मिल घोटाले में बड़ा खुलासा

किशनगंज जूट मिल जमीन घोटालाः भू-माफियाओं का कब्जा, फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों की संपत्ति की अवैध बिक्री का खुलासा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज, 02 मई वीरेंद्र चौहान। जिले में एक बार फिर जमीन घोटाले का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर की बहुमूल्य औद्योगिक संपत्ति–किशनगंज जूट मिल की जमीन–इन दिनों कथित रूप से भू-माफियाओं और कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध कब्जा, फर्जी खरीद-बिक्री और संदिग्ध दाखिल-खारिज को लेकर सुर्खियों में है।

घोटाले की पूरी कहानी क्या है?

यह पूरा मामला किशनगंज थाना क्षेत्र के हल्का टेउसा, मौजा सिमलबाड़ी (थाना संख्या-25) से जुड़ा हुआ है। यहां खाता संख्या 104, 126, 22 तथा खेसरा संख्या 889, 890 सहित कई भूखंडों को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, यह जमीन मूल रूप से 'किशनगंज जूट मिल प्राइवेट लिमिटेड' के नाम दर्ज थी, जिसके निदेशक कोलकाता निवासी गौरव बजाज बताए जा रहे हैं।

जूट मिल जमीन पर कैसे हुआ अवैध कब्जा

विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे प्रकरण में एक सुनियोजित साजिश के तहत पहले जूट मिल के पुराने ढांचों को ध्वस्त कराया गया, ताकि जमीन को 'खाली' दिखाकर उस पर कब्जा करना आसान हो सके। इसके बाद कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन को अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर दर्ज करा दिया गया। पर्यटकों के घूमने-फिरने की जगहें

अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि वाद संख्या 3939/2023-24 के तहत अंचल अधिकारी द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में जमाबंदी परिवर्तन (दाखिल-खारिज) का आदेश पारित किया गया। इस आदेश की वैधता अब सवालों के घेरे में है और इसे पूरे घोटाले की अहम कड़ी माना जा रहा है।

7 करोड़ के लोन और फर्जी दस्तावेज का मामला

मामले में एक और बड़ा खुलासा यह है कि उक्त जमीन पर पहले से ही लगभग 7 करोड़ रुपये का ऋण लिया गया था। इसके बावजूद उद्योग विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) लिए बिना ही इस औद्योगिक भूमि का व्यावसायिक और निजी उपयोग के लिए सौदा कर दिया गया, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पूरे मामले में भू-माफियाओं के साथ-साथ कुछ प्रभावशाली सफेदपोश और प्रशासनिक तंत्र से जुड़े लोग भी शामिल हैं। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला केवल जमीन घोटाले तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी संपत्ति की खुली लूट का बड़ा उदाहरण बन सकता है।

घोटाले के उजागर होने के बाद इलाके में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने मांग की है कि इस प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषियों की संपत्तियों की जांच हो तथा शामिल सभी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

प्रशासन की जांच और आगे की कार्रवाई

इस संबंध में जिला पदाधिकारी विशाल राज ने कहा है कि मामला उनके संज्ञान में है और सभी पहलुओं की गहन जांच कराई जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस बहुचर्चित घोटाले की तह तक पहुंच पाएगा? क्या करोड़ों की सरकारी जमीन भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त हो पाएगी, या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा? किशनगंज की जनता अब जवाब के साथ ठोस कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रही है।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026: मतगणना के लिए ईसीआई ने बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था

समाज जागरण

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। आयोग ने मतगणना के दौरान विशेष सतर्कता बरतते हुए 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों तथा 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती की घोषणा की है।

ईसीआई द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों को उन 165 विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। ये अधिकारी मुख्य मतगणना पर्यवेक्षकों की सहायता करेंगे और मतगणना प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित करेंगे, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

अब आपदा से पहले मोबाइल पर मिलेगा अलर्ट

समाज जागरण

देश में आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार को एक नई राष्ट्रव्यापी मोबाइल-आधारित आपदा चेतावनी प्रणाली का शुभारंभ करेंगे। इस प्रणाली का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों तक त्वरित और प्रभावी चेतावनी पहुंचाना है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था में हुए बड़े बदलाव से 67 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को मिला फायदा

- प्रदेश में 43 लाख से ज्यादा 1 किलोवाट घरेलू कनेक्शन के उपभोक्ता
- 2 किलोवाट घरेलू कनेक्शन के 24 लाख उपभोक्तओं को भी मिली राहत

समाज जागरण

लखनऊ 2 मईः योगी सरकार ने बीते दिनों बिजली उपभोक्ताओं, खासकर लोवर और मध्यम वर्ग के परिवारों को बड़ी राहत देते हुए स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था में अहम बदलाव किए थे। योगी सरकार ने 1 किलोवाट तक के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं का बैलेंस समाप्त होने के बाद भी उनकी बिजली आपूर्ति 30 दिनों तक जारी रखने का फैसला लिया था। सरकार के इस फैसले से कम लोड वाले करीब 67 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिली है। इसमें 43 लाख से ज्यादा 1 किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा राहत मिली है।

1 किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

दरअसल प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू होने के बाद सभी उपभोक्ताओं को केवल 3 दिन का ही समय मिलता था, जिसके बाद बिजली स्वतः कट जाती थी। इससे खासकर 1 और 2 किलोवाट के घरेलू उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही थी। इसी को देखते हुए योगी सरकार ने बीते दिनों 1 किलोवाट और 2 किलोवाट वाले घरेलू उपभोक्तओं को राहत देने का फैसला लिया था। सरकार के फैसले के बाद अब 1 किलोवाट तक के कनेक्शन वाले घरेलू उपभोक्ताओं का बैलेंस खत्म होने के बाद भी उनकी बिजली तुरंत नहीं कटेगी।

30 दिन तक नहीं कटेगी बिजली

नए प्रावधान के तहत ऐसे उपभोक्ताओं को 30 दिनों की अतिरिक्त मोहलत दी जाएगी। इस अवधि के दौरान घरेलू उपभोक्ता अपना बैलेंस रिचार्ज कर सकते हैं और बिजली आपूर्ति जारी रहेगी। हालांकि अगर उपभोक्ता 30 दिनों के भीतर भी अपना बैलेंस ठीक नहीं करते हैं, तो इसके बाद बिजली आपूर्ति स्वतः बंद कर दी जाएगी। इसी तरह 1 किलोवाट से अधिक और 2 किलोवाट तक के घरेलू उपभोक्ताओं को भी इमरजेंसी क्रेडिट की सुविधा दी गई है। ऐसे उपभोक्ताओं को कम से कम 3 दिन या 200 रुपए तक के नेगेटिव बैलेंस (जो बाद में हो) तक बिजली मिलती रहेगी।

2 किलोवॉट तक के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 रुपए तक निगेटिव बैलेंस पर भी कनेक्शन चालू

उदाहरण के तौर पर अगर बैलेंस खत्म होने के 3 दिन बाद तक उपभोक्ता का बैलेंस माइनस 100 रुपए है, तो बिजली जारी रहेगी। लेकिन जैसे ही बैलेंस माइनस 200 रुपए तक पहुंच जाएगा और रिचार्ज नहीं कराया गया, तो ऐसा कनेक्शन स्वतः कट जाएगा। योगी सरकार के इस फैसले से प्रदेश के करीब 67 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिली है। विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अभी तक लगभग 83 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। जिसमें 43 लाख 17 हजार के लगभग 1 किलोवाट घरेलू कनेक्शन के उपभोक्ता हैं और 24 लाख 51 हजार के लगभग 2 किलोवॉट घरेलू कनेक्शन के बिजली उपभोक्ता हैं।

इस्तेमाल की गई बिजली का बिल अगले रिचार्ज में होगा समायोजित

नई व्यवस्था के तहत इमरजेंसी क्रेडिट अवधि के दौरान उपभोग की गई बिजली की राशि अगले रिचार्ज से स्वतः कट जाएगी। ऐसे में उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे UPPCL Smart ऐप के माध्यम से अपना मौजूदा बैलेंस और अनुमानित खपत देखते हुए समय पर रिचार्ज कराएं। साथ ही सरकार ने उपभोक्ता सुविधा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए एक और अहम प्रावधान किया है। अब किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पहले 5 अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे। ताकि उन्हें समय रहते रिचार्ज करने का अवसर मिल सके। इस तरह उपभोक्ताओं को समय-समय पर लो बैलेंस की सूचना दी जाती रहेगी।

रविवार, दूसरे शनिवार और छुट्टियों में नहीं कटेगी बिजली

नई व्यवस्था में कुछ विशेष समय भी निर्धारित किए गए हैं, जिनमें बिजली नहीं काटी जाएगी। शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक बिजली नहीं काटी जाएगी। इसके अलावा रविवार, दूसरे शनिवार और सभी सार्वजनिक अवकाश पर बिजली सप्लाई जारी रहेगी। भले ही बैलेंस समाप्त या नेगेटिव ही क्यों न हो। हालांकि इस दौरान इस्तेमाल की गई बिजली का भुगतान अगले रिचार्ज में स्वतः कट जाएगा। गौरतलब है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रणाली है, जो मोबाइल के प्रीपेड सिस्टम की तरह काम करती है पहले रिचार्ज करें, फिर उपयोग करें।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष पत्रकारिता की वैश्विक चुनौतिया

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस हर वर्ष 3 मई को मनाया जाता है और यह दिन लोकतंत्र की उस मूल भावना को उजागर करता है, जिसमें नागरिकों को स्वतंत्र रूप से जानकारी प्राप्त करने और अपनी बात रखने का अधिकार होता है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित यह दिवस 1991 के विंडहोक घोषणा पत्र से प्रेरित है, जिसने स्वतंत्र और बहुलतावादी मीडिया की आवश्यकता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया।

आज जब हम 2026 के वैश्विक परिदृश्य पर दृष्टि डालते हैं, तो प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक और डरावनी प्रतीत होती है। वैश्विक सूचकांक के आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि दुनिया के 180 देशों में से आधे से अधिक देशों में प्रेस की स्थिति या तो बहुत कठिन है या फिर बेहद गंभीर श्रेणी में जा चुकी है। यह जानकर हृदय कांप उठता है कि विश्व की 1 प्रतिशत से भी कम आबादी आज उन क्षेत्रों में निवास कर रही है जहाँ प्रेस को वास्तव में स्वतंत्र और सुरक्षित माना जा सकता है। पिछले 25 वर्षों का इतिहास गवाह है कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर दबाव निरंतर बढ़ा है और पत्रकारों के काम करने की गुंजाइश संकुचित हुई है। पत्रकारिता आज एक ऐसा पेशा बन गया है जहाँ सच बोलने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। वर्ष 2025 के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में 129 पत्रकारों और मीडिया कर्मियों की निर्मम हत्या कर दी गई, जो अब तक का सबसे बड़ा और विचलित करने वाला आंकड़ा है। यह संख्या केवल एक डेटा नहीं है, बल्कि उन आवाजों की खामोशी है जो समाज की विसंगतियों पर प्रहार कर रही थीं। सन 2000 से लेकर अब तक लगभग 1795 पत्रकारों ने अपने कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्यौछावर किए हैं, जो इस पेशे के बढ़ते जोखिमों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है।

हिंसा के साथ-साथ कानूनी उत्पीड़न भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मार्ग में एक बड़ी बाधा बनकर उभरा है। 2026 के आंकड़ों के अनुसार विश्व भर की जेलों में लगभग 330 पत्रकार बंद हैं, जिनमें से 61 प्रतिशत पत्रकारों पर राष्ट्रविरोधी होने या देश की सुरक्षा को खतरे में डालने जैसे संगीन आरोप मढ़े गए हैं। विडंबना यह है कि जिन कानूनों का निर्माण राष्ट्र की सुरक्षा के लिए किया गया था, उनका उपयोग अक्सर उन लोगों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है जो सत्ता की खामियों को उजागर करने का साहस करते हैं। पत्रकारिता को अपराध की तरह देखे जाने की यह प्रवृत्ति किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है। इससे भी अधिक चिंता का विषय वह न्यायहीनता है जो पत्रकारों के खिलाफ होने वाले अपराधों में व्याप्त है। एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार पत्रकारों की हत्या के लगभग 86 प्रतिशत मामलों में अपराधियों को कभी सजा नहीं मिलती। यह न्याय की विफलता न केवल अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है बल्कि क्षेत्र में कार्यरत अन्य पत्रकारों के मन में भी भय का संचार करती है। जब सच के पहरेदारों को लगने लगता है कि उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है और उनके हत्यारे खुलेआम घूम सकते हैं, तो वे आत्म-सेंसरशिप का रास्ता चुनने को मजबूर हो जाते हैं, जो अंततः लोकतंत्र की मृत्यु की शुरूआत होती है।

प्रेस की स्वतंत्रता पर केवल भौतिक हमला ही एकमात्र खतरा नहीं है, बल्कि आज के दौर में इसके स्वरूप बदल गए हैं। कई देशों में मानहानि और आतंकवाद विरोधी कानूनों का दुरुपयोग एक सुनियोजित हथियार की तरह किया जा रहा है। इसके साथ ही आर्थिक दबावों के जरिए मीडिया संस्थानों की रीढ़ तोड़ने का प्रयास किया जाता है। विज्ञापन और वित्तीय संसाधनों के वितरण में पक्षपात करके उन संस्थानों को पुरस्कृत किया जाता है जो सत्ता के सुर में सुर मिलाते हैं, जबकि आलोचनात्मक रुख अपनाने वाले संस्थानों को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया जाता है। इस बदलती दुनिया में डिजिटल युग ने जहाँ सूचना के प्रसार को पंख दिए हैं, वहीं पत्रकारों के लिए नई और जटिल चुनौतियां भी पैदा की हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से दुष्प्रचार और गलत जानकारियों का जाल इतनी तेजी से फैलता है कि तथ्य और झूठ के बीच का अंतर मिटने लगता है। इसके साथ ही ऑनलाइन ट्रोलिंग, साइबर हमले और अवैध डिजिटल निगरानी ने पत्रकारों के निजी और पेशेवर जीवन को असुरक्षित बना दिया है। विशेष रूप से महिला पत्रकारों को ऑनलाइन माध्यमों पर जिस तरह के अपमान और धमकियों का सामना करना पड़ता है, वह अत्यंत निंदनीय है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू पर्यावरण से जुड़ी रिपोर्टिंग का है, जो आज के समय में सबसे जोखिम भरे क्षेत्रों में से एक बन चुका है। पिछले 15 वर्षों में पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से जुड़ी खबरें कवर करने वाले कम से कम 749 पत्रकारों पर जानलेवा हमले हुए हैं। 2019 से 2023 के बीच इस तरह के हमलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो यह दशार्ता है कि जब पत्रकार भू-माफियाओं, अवैध खनन और कॉर्पोरेट जगत के भ्रष्टाचार पर कलम चलाते हैं, तो उन्हें कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यूनेस्को और द गार्जियन जैसी संस्थाओं की रिपोर्टें इस भयावह वास्तविकता की पुष्टि करती हैं। यह तथ्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में उस सच को सुनने के लिए तैयार हैं जो हमारे अस्तित्व और प्रकृति की रक्षा से जुड़ा है। प्रेस की स्वतंत्रता का मुद्दा केवल मीडिया घरानों या पत्रकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है। एक स्वतंत्र मीडिया भ्रष्टाचार की परतों को खोलता है, सरकारी नीतियों की निष्पक्ष समीक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि जनता को सही और सटीक जानकारी मिले ताकि वे एक जागरूक नागरिक के रूप में अपने निर्णय ले सकें। इसके विपरीत जब मीडिया को सरकारी या कॉर्पोरेट नियंत्रण में ले लिया जाता है, तो जनता तक केवल वही सूचनाएं पहुँचती हैं जो एक खास एजेंडे को पुष्ट करती हैं। इससे समाज में भ्रम और अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है।

वाशिंगटन पोस्ट और स्टेटिस्टा जैसे मंचों से प्राप्त डेटा यह संकेत देता है कि प्रेस की आजादी में गिरावट का प्रभाव केवल कुछ विशिष्ट देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है। भारत सहित दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों में भी प्रेस स्वतंत्रता के सूचकांक में गिरावट देखी गई है। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि लोकतांत्रिक संस्थानों के भीतर असहमति के स्वरों के प्रति सहिष्णुता कम होती जा रही है। प्रेस की स्वतंत्रता दरअसल लोकतंत्र का वह दर्पण है जिसमें समाज अपनी असलियत देखता है। यदि इस दर्पण पर धूल जमा दी जाए या इसे धुंधला कर दिया जाए, तो समाज अपनी कमजोरियों को कभी सुधार नहीं पाएगा। अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम उन साहसी पत्रकारों को श्रद्धांजलि दें जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान देकर सच की मशाल को जलाए रखा। यह दिन सरकारों के लिए भी एक चेतावनी है कि वे प्रेस की आजादी के प्रति अपनी संवैधानिक और नैतिक प्रतिबद्धताओं को फिर से परिभाषित करें। यह आवश्यक है कि ऐसी नीतियां बनाई जाएं जो पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और न्याय प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जाए कि पत्रकारों के खिलाफ अपराध करने वाला कोई भी व्यक्ति कानून की पकड़ से बाहर न रहे।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना किसी एक समूह का दायित्व नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि यदि आज हम पत्रकारों की आवाज दबाने वाली शक्तियों के खिलाफ खड़े नहीं होंगे, तो भविष्य में हमारी अपनी आवाज भी छीन ली जाएगी। लोकतंत्र की जीवंतता के लिए यह अनिवार्य है कि प्रेस बिना किसी डर या प्रलोभन के अपना कार्य कर सके। जब तक दुनिया में एक भी पत्रकार को सच बोलने के लिए जेल भेजा जाएगा या उसकी हत्या की जाएगी, तब तक हमारा लोकतंत्र अधूरा रहेगा। प्रेस की आजादी की मशाल को प्रज्वलित रखना ही इस दिवस की सार्थकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक ऐसे समाज में सांस ले सकें जहाँ सूचना पर किसी का एकाधिकार न हो और सच बोलने का साहस करने वालों को सम्मान मिले, न कि सजा।

महेन्द्र तिवारी

अगले साल मार्च में पता चलेगा यूपी में 'हम कितने हैं'

उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में 2011 की जनगणना के बाद कितनी वृद्धि हुई है, इसका सटीक आंकड़ा जानने के लिए 16वीं जनगणना 22 मई 2026 से शुरू हो रही है। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में मकानों की संख्या, उनकी स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं का डेटा एकत्र किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में वास्तविक जनसंख्या की गणना होगी। लाखों कर्मियों को इस कार्य के लिए तैनात किया गया है और पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संचालित होगी। अंतिम आंकड़े 1 मार्च 2027 को घोषित हो जाएंगे। यह जनगणना न केवल आबादी का सही आंकड़ा देगी, बल्कि राज्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीतियों को आकार देने में भी मदद करेगी। ऐसा लग रहा है कि जनगणना के आंकड़े आने के आसपास ही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के भी नतीजे आएंगे, क्योंकि मोदी का कार्यकाल अगले साल मार्च में पूरा हो रहा है।खैर, उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, जहां 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 19.98 करोड़ लोग रहते थे। उसके बाद 15 वर्षों में आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। अनुमानों के अनुसार, वर्तमान आबादी 24 करोड़ से अधिक हो चुकी है, लेकिन सटीक संख्या जानने के लिए ही यह नई जनगणना आवश्यक है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने इसकी तैयारियां लंबे समय से की हैं। महामारी और अन्य चुनौतियों के बावजूद प्रक्रिया को समय पर शुरू करने का निर्णय सराहनीय है। पहले चरण में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के घरों का सर्वे होगा, जिसमें बिजली, पानी, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली जाएगी। इससे राज्य के विकास के स्तर का पता चलेगा और कमजोर क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा।

दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार और प्रवास जैसे विवरण दर्ज किए जाएंगे। डिजिटल माध्यम से यह कार्य तेज और त्रुटिरहित होगा। कर्मियों को हैंडहेल्ड डिवाइस दिए जाएंगे, जिनमें जीपीएस की मदद से स्थान का पता चलेगा। इससे डुप्लिकेट एंट्री या गलतियां कम होंगी। लाखों कर्मचारियों की तैनाती से ग्रामीण इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में यह चुनौतीपूर्ण है, जहां पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध क्षेत्रों में अलग-अलग जनघनत्व है। जनगणना के आंकड़े संसद सीटों के पुनर्वितरण, विधानसभा क्षेत्रों के सीमांकन और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान में उपयोगी साबित होंगे।इस जनगणना का महत्व कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सबसे पहले, 2011 के बाद जन्म दर, मृत्यु दर और प्रवास पैटर्न में बदलाव आया है। युवा आबादी बढ़ी है, लेकिन बेरोजगारी और शिक्षा के स्तर पर सवाल उठे हैं। जनगणना से पता चलेगा कि कितने बच्चे स्कूल जा रहे हैं, महिलाओं की भागीदारी कितनी है और बुजुर्गों की संख्या क्या है। दूसरा, कोविड महामारी ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी उजागर की, अब आंकड़ों से अस्पतालों और डॉक्टरों की आवश्यकता का आकलन होगा। तीसरा, जलवायु परिवर्तन और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आबादी का घनत्व जानना जरूरी है। उदाहरण के लिए, गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में आबादी अधिक है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कम। इन आंकड़ों से सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और आवास योजनाएं बेहतर होंगी।

राज्य सरकार ने इसकी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रशिक्षण शिविर लगाए गए, सॉफ्टवेयर विकसित किए गए और जागरूकता अभियान चलाए गए। ग्रामीणों को बताया गया कि सर्वे में कोई व्यक्तिगत खतरा नहीं है और जानकारी गोपनीय रहेगी। डिजिटल प्रक्रिया से पारदर्शिता बढ़ेगी, क्योंकि डेटा रीयल टाइम में अपलोड होगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वय समिति बनाई है, जिसमें सभी राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक ध्यान मिलेगा, क्योंकि यहां की आबादी पूरे देश की लगभग 17 प्रतिशत है। 1 मार्च 2027 तक अंतिम आंकड़े आने पर नीति-निमार्ताओं को नई दिशा मिलेगी।जनगणना के सामाजिक प्रभाव भी गहरे होंगे। पिछली गणना में अनुसूचित जाति-जनजाति की आबादी का सटीक आंकड़ा मिला था, जिससे आरक्षण नीतियां मजबूत हुईं। अब भी अल्पसंख्यक समुदायों, प्रवासी मजदूरों और शहरी झुग्गीवासियों पर फोकस होगा। महिलाओं की साक्षरता दर में सुधार हुआ है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कमी है। आंकड़ों से बाल विवाह, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति स्पष्ट होगी। इसके अलावा, आर्थिक विश्लेषण के लिए रोजगार के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं। उत्तर प्रदेश में कृषि पर निर्भरता अधिक है, लेकिन उद्योग और सेवा क्षेत्र बढ़ रहे हैं। जनगणना बताएगी कि कितने लोग खेती छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

राजनीतिक दृष्टि से यह जनगणना दिलचस्प होगी। आबादी के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटें पुनर्गठित होंगी। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें प्रभावित हो सकती हैं। क्षेत्रीय असंतुलन दूर करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल में विकास पर जोर बढ़ेगा। विपक्षी दल भी आंकड़ों का उपयोग अपनी मांगों के लिए करेंगे। सरकार को सतर्क रहना होगा कि प्रक्रिया निष्पक्ष रहे। पिछली जनगणनाओं में कुछ क्षेत्रों में विवाद हुए थे, लेकिन डिजिटल सिस्टम से यह समस्या कम होगी। चुनौतियां भी कम नहीं हैं। गर्मी के मौसम में सर्वे करना कठिन होगा, इसलिए कर्मियों को विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। कुछ इलाकों में सुरक्षा की समस्या है, वहां पुलिस सहायता ली जाएगी। डिजिटल साक्षरता की कमी से ग्रामीणों को समझाना पड़ेगा। फिर भी, सरकार का दावा है कि 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित होगा। वैज्ञानिक तरीके से सैंपल सर्वे भी किए जाएंगे, ताकि अनुमान सटीक रहें। यह जनगणना उत्तर प्रदेश के भविष्य को आकार देगी। 2011 के बाद आबादी में अनुमानित 4 करोड़ की वृद्धि हुई है, लेकिन सटीक संख्या से योजनाएं प्रभावी होंगी। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत और मनरेगा जैसे कार्यक्रमों के लाभार्थी तय होंगे। शिक्षा के लिए स्कूल, स्वास्थ्य के लिए अस्पताल बनेंगे। युवाओं के लिए कौशल विकास पर फोकस बढ़ेगा। कुल मिलाकर, यह प्रक्रिया राज्य को मजबूत बनाएगी। 22 मई से शुरू हो रही इस जनगणना में सभी नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। सटीक जानकारी देने से देश का विकास तेज होगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में आबादी प्रबंधन चुनौती है, लेकिन अवसर भी। अंतिम आंकड़े 1 मार्च 2027 को आने पर नई शुरूआत होगी। यह न केवल संख्या गिनती है, बल्कि लोगों की जरूरतों को समझने का माध्यम है। राज्य सरकार की यह पहल स्वागतयोग्य है।

अजय कुमार

आनंद और अवसाद और सुख और पीड़ा, जीवन के अलग-अलग सोपान।

सुख और दुख दो ऐसे सोपान हैं जिन पर चलकर ही मनुष्य अपनी संपूर्णता को समझ पाता है

जीवन कभी एक सीधी रेखा की तरह नहीं चलता, उसमें उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख, आशा-निराशा, संभावनाएं और आशंकाएं निरंतर एक-दूसरे में गुंथी रहती हैं। जैसे प्रकृति में दिन और रात का क्रम है, जैसे ऋतुएं बदलती हैं, वैसे ही मनुष्य के भीतर भी भावनाओं का आवागमन होता रहता है। यदि केवल आनंद ही होता तो उसकी पहचान भी संभव नहीं होती और यदि केवल अवसाद ही होता तो जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता, इसलिए इन दोनों का सह-अस्तित्व ही जीवन को अर्थ देता है।

गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में कहा कि जीवन दुःखों से भरा है, परंतु उससे मुक्ति का मार्ग भी संभव है। यह दृष्टिकोण हमें यह समझाता है कि अवसाद स्थायी सत्य नहीं बल्कि एक परिवर्तनशील अवस्था है जिसे समझकर पार किया जा सकता है, इसी तरह स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध आह्वान ‟उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए" जीवन के संघर्षों के बीच आशा की ज्योति बनकर मार्ग दिखाता है, जब मनुष्य अवसाद में डूबता है तब उसे लगता है कि सब कुछ समाप्त हो गया है, परंतु यही वह क्षण होता है जब भीतर छिपी शक्ति जागृत हो सकती है, इतिहास इस बात का साक्षी है कि महान व्यक्तित्वों ने गहरे अवसाद और संघर्षों को पार करके ही ऊंचाइयों को छुआ है, अब्राहम लिंकन का जीवन इसका सशक्त उदाहरण है, उन्होंने अनेक बार असफलताओं का सामना किया, चुनावों में हार का सामना किया, व्यक्तिगत जीवन में गहन पीड़ा झेली, फिर भी उन्होंने अपने संकल्प को नहीं छोड़ा और अंततः वे अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह हमें सिखाता है कि अवसाद अंत नहीं बल्कि एक नई शुरूआत का द्वार भी हो सकता है।

इसी प्रकार महात्मा गांधी ने कहा था कि मनुष्य अपने विचारों से निर्मित प्राणी है, वह जैसा सोचता है वैसा बन जाता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि आनंद और अवसाद दोनों का मूल हमारे भीतर है, परिस्थितियां बाहरी होती हैं परंतु उनका प्रभाव हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करता है, यदि हम सकारात्मक दृष्टि बनाए रखें तो कठिन परिस्थितियों में भी आशा की किरण दिखाई देती है। जीवन में सुख के क्षण हमें ऊर्जा और उत्साह देते हैं जबकि दुःख के क्षण हमें धैर्य, सहनशीलता और गहराई प्रदान करते हैं, यदि केवल आनंद ही हो तो मनुष्य सतही बन सकता है और यदि केवल अवसाद ही हो तो वह टूट सकता है, परंतु इन दोनों के संतुलन से ही वह परिपक्व और संवेदनशील बनता है। आधुनिक समय में अवसाद एक गंभीर सामाजिक और मानसिक समस्या के रूप में उभर रहा है, तेज प्रतिस्पर्धा, अकेलापन, सामाजिक अपेक्षाएं और असफलता का भय मनुष्य को भीतर से कमजोर कर रहा है, ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि अवसाद कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक संकेत है कि हमें अपने भीतर झांकने और स्वयं को समझने की आवश्यकता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर की पंक्ति यदि तुम रोओगे क्योंकि सूर्य अस्त हो गया है, तो तुम तारों को नहीं देख पाओगे। जीवन के गहन सत्य को उद्घाटित करती है कि हर अंत के भीतर एक नई शुरूआत छिपी होती है, आनंद और अवसाद दोनों ही हमारे शिक्षक हैं, आनंद हमें कृतज्ञता और संतोष सिखाता है जबकि अवसाद हमें आत्ममंथन और आत्मबोध की ओर ले जाता है, जब मनुष्य अपने दुःख को समझता है तो वह दूसरों के दुःख को भी अनुभव करने लगता है और यहीं से करुणा, संवेदनशीलता और मानवता का विकास होता है, इसलिए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि अवसाद भी जीवन का एक आवश्यक अध्याय है, यह हमें भीतर से मजबूत बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा है, जीवन की यात्रा में अनेक मोड़ आते हैं, कभी सफलता मिलती है तो कभी असफलता, कभी संबंधों में मधुरता होती है तो कभी कटुता, कभी आशाएं पंख फैलाती हैं तो कभी आशंकाएं मन को घेर लेती हैं, परंतु इन सबके बीच यदि हम संतुलन बनाए रखें, धैर्य और विश्वास को थामे रखें और यह समझें कि हर स्थिति अस्थायी है तो हम जीवन को अधिक सहजता और संतुलन के साथ जी सकते हैं।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि सपने वो नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते है। यह कथन आशा और संभावनाओं की शक्ति को दशार्ता है, जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, यदि हमारे भीतर एक लक्ष्य और एक विश्वास जीवित है तो हम हर अवसाद को पार कर सकते हैं, अंततः जीवन एक निरंतर बहती हुई धारा है जिसमें आनंद और अवसाद दोनों ही लहरों की तरह आते-जाते रहते हैं, हमें इन लहरों से डरना नहीं बल्कि इनके साथ संतुलन बनाकर चलना सीखना है, अपने भीतर आशा का दीप जलाए रखना है और यह विश्वास बनाए रखना है कि हर अंधेरी रात के बाद एक उजली सुबह अवश्य आती है, यही विश्वास जीवन को सार्थक, सुंदर और पूर्ण बनाता

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक,स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

महाराज छत्रसाल बुंदेला का संघर्ष सत्ता के लिए नहीं, आत्मसम्मान और स्वराज के लिए

भारत के इतिहास में वीरता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम की जब भी चर्चा होती है, तो बुंदेलखंड के महान योद्धा महाराजा छत्रसाल बुंदेला का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। 4 मई को उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें स्मरण करना न केवल उनके पराक्रम को नमन करना है, बल्कि उस स्वतंत्रता चेतना को भी याद करना है, जिसने मुगलकालीन दमन के विरुद्ध जन-जन में आत्मविश्वास जगाया।

महाराजा छत्रसाल का जन्म 4 मई 1649 को बुंदेलखंड क्षेत्र में हुआ था। उनके पिता चंपतराय बुंदेला स्वयं एक पराक्रमी योद्धा थे, जिन्होंने मुगलों के विरुद्ध संघर्ष किया। बाल्यकाल से ही छत्रसाल ने युद्ध कौशल, शौर्य और स्वाधीनता की भावना अपने पिता से ही सीखी। कठिन परिस्थितियों में पले-बढ़े छत्रसाल ने अपने जीवन का उद्देश्य अन्याय के विरुद्ध संघर्ष को बना लिया।

युवावस्था में छत्रसाल ने दक्षिण भारत जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज से भेंट की। शिवाजी महाराज के स्वराज और गुरिल्ला युद्ध नीति से वे अत्यंत प्रभावित हुए। कहा जाता है कि शिवाजी ने उन्हें बुंदेलखंड लौटकर वहां स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। यही प्रेरणा आगे चलकर उनके जीवन का आधार बनी।

छत्रसाल बुंदेला ने मुगलों के विरुद्ध सशक्त संघर्ष छेड़ा और धीरे-धीरे बुंदेलखंड के विशाल क्षेत्र पर अपना अधिकार स्थापित किया। उन्होंने न केवल युद्ध में विजय प्राप्त की, बल्कि एक सुदृढ़ और सुव्यवस्थित राज्य की नींव भी रखी। उनका शासन न्यायप्रिय, धर्मनिरपेक्ष और जनकल्याणकारी था।

महाराजा छत्रसाल ने मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में कई युद्ध लड़े। उन्होंने मुगल सेना के विरुद्ध गुरिल्ला पद्धति अपनाई और अनेक बार उन्हें पराजित किया। उनका संघर्ष केवल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और स्वराज के लिए था।

जीवन के अंतिम चरण में जब मुगल सेनापति मोहम्मद खान बंगश ने उन पर आक्रमण किया, तब छत्रसाल ने मराठा पेशवा बाजीराव प्रथम से सहायता मांगी। बाजीराव ने समय पर पहुंचकर बंगश को पराजित किया और छत्रसाल को पुनः उनका राज्य दिलाया। इस सहयोग के प्रतीक स्वरूप छत्रसाल ने अपने राज्य का एक भाग बाजीराव को सौंप दिया। महाराजा छत्रसाल केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और कला के संरक्षक भी थे। उन्होंने अनेक मंदिरों, तालाबों और धर्मस्थलों का निर्माण कराया। उनका दरबार विद्वानों और कवियों का केंद्र था। प्रसिद्ध कवि कवि भूषण ने उनकी वीरता का गुणगान किया है।

छत्रसाल का जीवन त्याग, पराक्रम और न्याय का अद्भुत संगम था। वे प्रजा के प्रति अत्यंत संवेदनशील और न्यायप्रिय शासक थे। उन्होंने हमेशा धर्म और मानवता को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

महाराजा छत्रसाल का निधन 1731 में हुआ, लेकिन उनकी वीरगाथाएं आज भी बुंदेलखंड की धरती पर गूंजती हैं। उनके द्वारा स्थापित राज्य और उनकी नीतियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनीं।

महाराजा छत्रसाल बुंदेला भारतीय इतिहास के उन महान नायकों में से हैं, जिन्होंने अपने बल, बुद्धि और साहस से स्वराज की स्थापना की। उनकी जयंती पर हमें उनके आदर्शों,स्वाभिमान, न्याय और राष्ट्रप्रेम–को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।

"जो झुका नहीं, जो रुका नहीं, वही छत्रसाल कहलाया, बुंदेलों की आन-बान का है जिसने परचम लहराया।।"

सुरेश सिंह बैस"शाश्वत"

माँ...एक अनंत अहसाँस...!

माँ की गोद में सोया था एक 'नन्हा-सा' सपना,
सीने से लगाए उसे थामे थी देख रहीं तड़पना।
आँखों में था डर, पर बाँहों में था बहुत साहस,
यूं ममता की छाया में थम गया करके आहत।

वो क्षण खूब भारी, समय भी जैसे 'ठहर' गया,
माँ का आँचल बन कफन, दर्द में निखर गया।
खुद को भुलाके भी उसने बच्चे को थामे रखा,
यूं मौत के साए में प्यार का दीया जलाएँ रखा।

क्रूज के आगे 'निःशब्द' धरा, गगन भी रो पड़ा,
जैसे ममता का सागर उस दिन लहू संग पड़ा।
पर हार नहीं मानी उस माँ ने अंतिम पल तक,
अपने लाल को सहेजा है उसने हलचल तक।

माँ... सिर्फ शब्द नहीं, एक अनंत 'अहसाँस' है,
तेरे त्याग के आगे हर रिश्ता कितना उदास है।
तू ढाल है, तू शक्ति है, तू ही जीवन की हैं रीत,
तेरे चरणों में झुकता है हर युग, करता हैं प्रीत।
संदर्भ - जबलपुर, बरगी डैम से निकले माँ-बेटे के शव

संजय एम तराणेकर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

09 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत, तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

वादों के अधिकतम निस्तारण हेतु अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण संवाददाता

गौतमबुद्धनगर, 02 मई 2026 जनपद गौतमबुद्धनगर में आगामी 09 मई 2026 को जनपद मुख्यालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिनियम, वैवाहिक वाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, दीवानी वाद, ई-चालान एवं एमवी एक्ट, आर्बिट्रेशन मामले, लघु शमनीय अपराध, धारा 138 एनआई एक्ट, विद्युत अधिनियम, भू-राजस्व, सेवा एवं पेंशन, श्रम मामलों समेत विभिन्न प्रकार के वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शनिवार को माननीय जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में न्यायालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद न्यायाधीश ने कहा कि आम नागरिकों को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभागों से संबंधित वादों का पूर्व चिन्हांकन कर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जा सके।

उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडेय को निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित विभागों में लंबित मामलों की अग्रिम पहचान कर त्वरित निस्तारण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। साथ ही श्रम विभाग, समाज कल्याण विभाग, मनोरंजन कर, वन विभाग, शिक्षा विभाग, जीएसटी विभाग, जिला पूर्ति विभाग, परिवहन विभाग, प्रोबेशन विभाग एवं बाट-माप विभाग सहित अन्य विभागों को भी व्यापक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

माननीय न्यायाधीश ने अधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अधिकाधिक वादकारी इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान करा सकें। उन्होंने आमजन से अपील की कि संबंधित मामलों के निस्तारण हेतु पक्षकार अपने संबंधित न्यायालय से संपर्क स्थापित करें।

अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ई-मेलdlsa.gbnnoida@gmail.com तथा मोबाइल नंबर 9716535451 एवं 7678643985 पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक में अपर जिला जज द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) तथा नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत सोम प्रभा मिश्रा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडेय, एसीएमओ टीकम सिंह, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार सहित पुलिस एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

डीएम ने जेवर तहसील में सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

समाज जागरण संवाददाता

गौतमबुद्धनगर, 02 मई 2026 जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी एवं सदर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से आयोजित समाधान दिवस में कुल 200 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 09 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर ने तहसील जेवर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

तहसील जेवर में कुल 90 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि शासन जनता की समस्याओं के प्रति गंभीर एवं संवेदनशील है, इसलिए प्रत्येक शिकायत का समाधान पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्वयं मौके पर जाकर जांच करने और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी रजनीकांत मित्तल, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश तथा तहसीलदार जेवर ओमप्रकाश पासवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वहीं तहसील दादरी में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 104 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 06 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 शिकायत का मौके पर ही समाधान कराया गया।

नोएडा मीडिया क्लब की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा, शोकसभा आयोजित

दिवंगत आत्माओं को दी गई श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन रखा गया

समाज जाागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 02 मई 2026 नोएडा मीडिया क्लब में शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की। बैठक में मीडिया क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान क्लब से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए।

बैठक में सदस्यों ने मीडिया क्लब की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने, पत्रकारों की समस्याओं के समाधान तथा संगठन को मजबूत करने को लेकर अपने विचार साझा किए। पदाधिकारियों ने सभी सुझावों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बैठक के उपरांत मीडिया क्लब परिसर में शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान क्लब के महासचिव जयप्रकाश सिंह की बड़ी बहन विधा देवी के असामयिक निधन तथा मीडिया क्लब के सक्रिय सदस्य पंकज करन के बीमारी के चलते हुए निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।

उपस्थित सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने दिवंगतों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस्कॉन नोएडा में पहली बार होगा 'ब्रज रस भजन क्लबिंग' का भव्य आयोजन

भक्ति, संगीत और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम बनेगा कार्यक्रम

समाज जाागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 02 मई 2026 इस्कॉन नोएडा आगामी रविवार 10 मई 2026 को पहली बार ह्लब्रज रस भजन क्लबिंगह्ल नामक भव्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। यह कार्यक्रम सेक्टर स्थित इस्कॉन नोएडा मंदिर के पूर्णतः वातानुकूलित ऑडिटोरियम में शाम 4:30 बजे से आयोजित होगा, जिसमें लगभग 800 से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से युवा पीढ़ी को भक्ति एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर भजन क्लबिंग तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस्कॉन नोएडा ने अपने आयोजन को ब्रज रस की थीम से जोड़कर वृंदावन की दिव्य अनुभूति लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धालु नोएडा में बैठकर ही ब्रज धाम के रस, लीलाओं और भक्ति का अनुभव कर सकेंगे। कार्यक्रम में वृंदावन धाम की महिमा, गौड़ीय वैष्णव आचार्यों की शिक्षाएं तथा चैतन्य महाप्रभु की गौरवगाथा को प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही हरि भजन एवं हरि कीर्तन के वास्तविक स्वरूप से भी लोगों को अवगत कराया जाएगा।

इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद जी के विचारों का उल्लेख करते हुए आयोजकों ने बताया कि वे कहा करते थे कि ह्लभजन का वास्तविक अर्थ हरि का कीर्तन है ह्ल लगभग 60 वर्ष पूर्व अमेरिका पहुंचकर उन्होंने हरि भजन के माध्यम से लोगों को भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ा, जिसके परिणामस्वरूप आज दुनिया भर में इस्कॉन के 800 से अधिक मंदिर संचालित हो रहे हैं।

आयोजकों का कहना है कि वर्तमान समय में समाज का हर वर्ग, चाहे वह युवा हो, नेता, अभिनेता या खिलाड़ी, मानसिक शांति और आध्यात्मिक मार्गदर्शन की तलाश में है। ब्रज रस भजन क्लबिंग इसी दिशा में एक छोटा लेकिन सार्थक प्रयास है, जिसके माध्यम से लोगों को भक्ति से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मकता और शांति लाने का प्रयास किया जाएगा।

रबूपुरा क्षेत्र में विद्युत चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

संयुक्त टीम ने पांच परिसरों में पकड़ी बिजली चोरी, 18.28 किलोवाट अवैध लोड मिला

समाज जाागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 02 मई 2026 उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर के हाई लॉस फीडरों पर विद्युत चोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत रबूपुरा क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई करते हुए पांच मामलों में बिजली चोरी पकड़ी गई।

सहायक अभियंता (वितरण) अजय कुमार यादव के नेतृत्व में वितरण टीम तथा प्रवर्तन दल के अवर अभियंता सुशील कुमार एवं सब-इंस्पेक्टर मनोज कुमार की संयुक्त टीम ने ग्राम नगला झानू, रबूपुरा में प्रातःकाल औचक चेकिंग अभियान चलाया। जांच के दौरान पांच परिसरों में अवैध रूप से बिजली का उपभोग करते हुए पाया गया।

विद्युत चोरी के आरोप में जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें फखरुद्दीन पुत्र सुभान खान (5.255 किलोवाट), रुकमुद्दीन पुत्र अब्दुल सलाम (2 किलोवाट), आसिफ पुत्र हारून (2 किलोवाट), आरिफ पुत्र अमीन खान (2 किलोवाट) तथा इस्माइल पुत्र कय्यूम (7.026 किलोवाट) शामिल हैं। जांच में कुल 18.28 किलोवाट का अवैध विद्युत भार पाया गया।

विद्युत विभाग द्वारा सभी आरोपियों के विरुद्ध भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत एंटी पावर थेफ्ट थाना, सेक्टर-63 नोएडा में अभियोग पंजीकृत कराने की कार्रवाई की जा रही है।

विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाई लॉस वाले क्षेत्रों में बिजली चोरी रोकने के लिए इस प्रकार के औचक चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन लेकर मीटर के माध्यम से ही विद्युत का उपयोग करें।

सदरपुर में गोपाल नमो सेवा केंद्र ने लगाया 29वां निःशुल्क शिविर

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने वितरित किए आयुष्मान एवं ई-श्रम कार्ड

समाज जाागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 02 मई 2026नोएडा सेक्टर-45 स्थित नया बारात घर, सदरपुर में गोपाल नमो सेवा केंद्र द्वारा 29वें निःशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 55 लोगों ने सहभागिता की, जिनमें से 40 लोग विभिन्न योजनाओं के लिए पात्र पाए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने 30 पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही निःशुल्क आयुष्मान कार्ड एवं ई-श्रम कार्ड वितरित किए। कार्ड प्राप्त कर ग्रामीणों और लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी उपस्थित लोगों को दी।

उन्होंने लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा योजना, गरीब कल्याण अंत्योदय राशन योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम श्रम योगी मानधन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कल्याण योजना, पीएम टीबी उन्मूलन अभियान, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना तथा शादी अनुदान जैसी योजनाओं के बारे में जागरूक किया।

गोपाल नमो सेवा केंद्र के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य गरीब, शोषित, वंचित एवं पिछड़े वर्ग के ऐसे लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जो सही जानकारी और मार्गदर्शन के अभाव में योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही सेक्टर-65 स्थित कैंप कार्यालय पर भी विभिन्न सरकारी योजनाओं के निःशुल्क शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में जिला आयुष्मान कार्यक्रम समन्वयक अजय वर्मा, भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दिनेश चौहान, मंडल अध्यक्ष सुरेश चौहान, पूर्व प्रधान भूलेराम चंदेल, कोटेदार थान सिंह, पुष्कल गुप्ता, गोपाल गुप्ता, सुनील चंदेल सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेवर विधायक ने मुख्यमंत्री से पहली उड़ान में किसानों को सम्मानित करने की मांग की

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना में किसानों के योगदान को बताया ऐतिहासिक

समाज जाागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 02 मई 2026 जेवर विधानसभा क्षेत्र के विधायक धीरेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की

पहली उड़ान के अवसर पर क्षेत्र के किसानों को विशेष रूप से सम्मानित करने का आग्रह किया है।

विधायक ने अपने पत्र में कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक आधारभूत परियोजना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के विकास का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने में जेवर क्षेत्र के किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिन्होंने अपनी पीढ़ियों से जुड़ी भूमि राष्ट्रहित में समर्पित कर विकास की नई इबारत लिखी है।

धीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि एयरपोर्ट से संचालित होने वाली पहली उड़ान में उन किसानों को विशेष रूप से आमंत्रित कर यात्रा का अवसर दिया जाए, जिन्होंने अपनी भूमि इस परियोजना के लिए दी है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि लखनऊ पहुंचने पर मुख्यमंत्री स्वयं इन किसानों से संवाद कर उनका सम्मान करें।

विधायक ने कहा कि यह पहल किसानों के योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ प्रदेश में विकास के प्रति विश्वास और सहभागिता की भावना को भी मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि इससे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की भावना को और अधिक बल मिलेगा।

विधायक ने मुख्यमंत्री से इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार कर किसानों को ऐतिहासिक अवसर प्रदान करने की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक में कई बड़े फैसलों पर लगी मुहर

6048 करोड़ का बजट पास, जल शुल्क वृद्धि पर रोक, ईवी बस सेवा व नई सड़कों को मंजूरी

समाज जाागरण संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 02 मई 2026 ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक शनिवार को कई महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6048 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे और नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने वाली नई सड़क परियोजनाओं, ईवी बस सेवा, फ्लैट आवंटियों के लिए राहत, जल शुल्क में वृद्धि रोकने तथा बहुमंजिला इमारतों में आग से सुरक्षा के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म खरीदने जैसे कई अहम फैसले लिए गए।

बैठक की अध्यक्षता नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार ने की। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार वर्चुअल माध्यम से जुड़े, जबकि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

6048 करोड़ रुपये का बजट पास

प्राधिकरण बोर्ड ने वर्ष 2026-27 के लिए 6048 करोड़ रुपये की आय और समान राशि के व्यय का बजट पारित किया। इसमें जमीन अधिग्रहण पर लगभग 1150 करोड़ रुपये तथा निर्माण एवं विकास कार्यों पर 2176 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य तय किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्रामीण विकास, फुटओवर ब्रिज, एसटीपी, विद्युत सबस्टेशन, वेंडर मार्केट, बस शेल्टर और गंगाजल परियोजनाओं पर विशेष फोकस रहेगा।

जल शुल्क नहीं बढ़ेगा, ओटीएस योजना लागू

प्राधिकरण बोर्ड ने वर्ष 2026-27 में जल शुल्क में 10 प्रतिशत वृद्धि न करने का फैसला लिया। वर्ष 2013-14 के बाद पहली बार ऐसा निर्णय लिया गया है। साथ ही पानी के बकाएदारों के लिए तीन माह की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू की गई है। 30 जून तक भुगतान करने पर ब्याज में 40 प्रतिशत, 31 जुलाई तक 30 प्रतिशत और 31 अगस्त तक 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे तक बनेगा नया मार्ग

ग्रेटर नोएडा की 105 मीटर रोड को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए लगभग 15 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके अलावा लॉजिस्टिक हब और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के समानांतर छह लेन एलिवेटेड रोड भी बनाई जाएगी, जिससे उद्योगों का माल आसानी से नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंच सकेगा।

फ्लैट आवंटियों को बड़ी राहत

ईडब्ल्यूएस से लेकर 135 वर्गमीटर तक के बहुमंजिला फ्लैट आवंटियों के लिए ओटीएस योजना को मंजूरी दी गई। इसके तहत प्रीमियम एवं लीज डीड विलंब शुल्क पर ब्याज में 80 प्रतिशत तक की राहत दी जाएगी।

परिसंपत्तियों की दरों में मामूली वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सभी प्रकार की संपत्तियों की आवंटन दरों में 3.58 प्रतिशत की मामूली वृद्धि की गई है। यह वृद्धि कॉस्ट इंफ्लेशन इंडेक्स के आधार पर की गई है।

परी चौक को जाम मुक्त बनाने की पहल

परी चौक, नॉलेज पार्क एवं आसपास के क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम की समस्या दूर करने के लिए आईआईटी दिल्ली से विस्तृत योजना तैयार कराई जाएगी। संस्था डिजाइन, मॉनिटरिंग एवं आरएफपी तैयार करने का कार्य करेगी।

ईकोटेक-10 में बनेगा 220 केवी बिजलीघर

औद्योगिक इकाइयों को बेहतर बिजली आपूर्ति देने के लिए सेक्टर ईकोटेक-10 में 220 केवी सबस्टेशन स्थापित करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए लगभग 8945 वर्गमीटर भूमि आरक्षित की गई है।

आग से सुरक्षा के लिए 100 करोड़ मंजूर

बहुमंजिला इमारतों में आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए 102 मीटर ऊंचाई वाले दो हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म खरीदने को मंजूरी दी गई। इस पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ग्रेटर नोएडा में चलेंगी 15 ईवी बसें

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए चार रूटों पर 15 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का निर्णय लिया गया। इन बसों का संचालन यूपी रोडवेज करेगा और छह माह तक का खर्च प्राधिकरण वहन करेगा। बसें जेवर एयरपोर्ट तक संचालित होंगी।

लिगेसी प्रोजेक्ट नीति से खरीदारों को राहत

अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों पर लागू नीति के तहत अब तक 40,570 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है। कुल 73 परियोजनाओं के खरीदारों को इसका लाभ मिला है।

टेकजोन में बनेगा मेघालय भवन

प्राधिकरण बोर्ड ने सेक्टर टेकजोन में मेघालय सरकार को 8000 वर्गमीटर भूमि आवंटित करने की मंजूरी दी। यहां मेघालय भवन का निर्माण किया जाएगा।

केपी-5 में बनेगा 350 बेड का ईएसआई अस्पताल

नॉलेज पार्क-5 में कर्मचारी राज्य बीमा निगम को 29300 वर्गमीटर भूमि आवंटित की गई है, जहां 350 बेड का आधुनिक ईएसआई अस्पताल बनाया जाएगा। इससे कर्मचारियों एवं श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

टीएमयू की कॉन्फ्रेंस में नौ देशों के 135 रिसर्च पेपर्स प्रजेंट

समाज जाागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन की मॉडर्न ट्रेंड्स इन कम्प्यूटर्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस- आईसीएमसीई 2026 के समापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स- आईओटी, वीएलएसआई डिजाइन, सिग्नल एवम् इमेज प्रोसेसिंग, एम्बेडेड सिस्टम, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार नेटवर्क एवम् दीगर उभरती प्रौद्योगिकियों सरीखे विषयों पर मंथन भारत के संग-संग ग्रीस, स्पेन, जर्मनी, यूके, यूएई, सउदी अरब, जॉर्डन, इजिप्ट सरीखे देशों के इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर विशेषज्ञों ने तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन की ओर से हुई मॉडर्न ट्रेंड्स इन कम्प्यूटर्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस- आईसीएमसीई 2026

में ब्लेंडेड 135 रिसर्च पेपर्स प्रस्तुत किए। कॉन्फ्रेंस में इन विद्वानों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स- आईओटी, वीएलएसआई डिजाइन, सिग्नल एवं इमेज प्रोसेसिंग, एम्बेडेड सिस्टम, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार नेटवर्क एवं अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों सरीखे विषयों पर गहनता से अपना व्यापक नजरिया रखा। एक दर्जन से अधिक टेक्निकल सत्रों में ग्राफिक ऐरा यूनिवर्सिटी, देहरादून से डॉ. अंकित विश्नोई, जेएसएस एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नोएडा के प्रो. लवकुश शर्मा, पदमावत सिंघानिया यूनिवर्सिटी, उदयपुर के डॉ. ब्रजेश कुमार शर्मा, एकेजी इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद के डॉ. आशीष दीक्षित, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, नोएडा की डॉ. शिप्रा शुक्ला, जीसीईटी, ग्रेटर नोएडा की डॉ. शिल्पी पाटिल के अलावा डॉ. शालिनी अग्रवाल, डॉ. अर्निका, डॉ. अवधेश कुमार गुप्ता, डॉ. प्रमोद कुमार सागर आदि बतौर सेशन चेयर शामिल हुए। वेलेडिक्ट्री सत्र में रिसर्च पेपर्स प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सीओई के डीन प्रो. आरके द्विवेदी ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

बबराला मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, मारपीट का वीडियो वायरल

दोनों पक्षों से सौलह नामजद तो 12 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

समाज जागरण

बबराला। थाना क्षेत्र के गांव केवलपुर तिपेड़ा में मामूली विवाद के बाद हुए हिंसक संघर्ष का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला करते और पथराव करते नजर आ रहे हैं, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरूआत एक युवक के पुत्र को मोटरसाइकिल से चोट लगने के बाद हुई थी। इस बात को लेकर दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच कहासुनी हुई, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए हिंसक संघर्ष में बदल गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के पुरुष आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चले तथा ईंट-पत्थर बरसाए गए।

घटना के दौरान गांव में अफरा-तफरी मच गई और भयभीत ग्रामीण अपने-अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। इसी बीच किसी ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

सूचना मिलने पर डायल 112 की पीआरवी टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद उपनिरीक्षक राकेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए शांति व्यवस्था बहाल की। इस मामले में दोनों पक्षों के 15 नामजद समेत कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

समाधान दिवस में हुई मात्र 15 शिकायतें दर्ज एक का निस्तारण

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना । तहसील समाधान दिवस में भूमि विवाद संबंधी समाधान की मांग समेत कुल 15 शिकायतें दर्ज हुई। जिनमें से एक ही शिकायतक का मौके पर निस्तारण किया जा सका।

शनिवार को एसडीएम विजय शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में आजाद कॉलोनी लाइन पार, नेजोवाली गावडी की दर्जनों विद्युत उपभोक्ता महिलाएं एसडीएम कोर्ट कंपाउंड में एकत्र हुई जहां उन्होंने हस्ताक्षर युक्त एक शिकायती पत्र तहसील समाधान दिवस में एसडीएम की अनुपस्थिति में सीओ वी नायब नगीना को सोपा, 8सके अतिरिक्त शेष सभी शिकायतें भूमि विवाद को निपटाने की मांग संबंधी रही जिनमें कई शिकायतों में लेखपाल व कानूनगो की लापरवाही खुलकर सामने आई। तहसील समाधान दिवस में कुल 15 शिकायतें ही दर्ज हो सकी जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण किया जा सका ,शेष सभी पैंडिंग शिकायतें समय से गुणवत्तापूर्व निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को भेज दी गई , इस अवसर पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार, नायब तहसीलदार नगीना अजब सिंह, बीडीओ ज्योति चौधरी व तहसील स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित सर्किल क्षेत्र के सभी थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटरों की ओवरबिलिंग व बिजली काट देने से त्रस्त महिलाएं पहुंची समाधान दिवस

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नगीना। प्रीपेड स्मार्ट मीटरों की ओवरबिलिंग व बैलेंस माइनस होते ही बिजली सप्लाई काट देने से त्रस्त आजाद कॉलोनी की महिलाओं ने शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंच कर गुहार लगाई। महिलाओं ने प्रीपेड स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड में बदलने की मांग की है।

एसडीएम कंपाउंड स्थित सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में आजाद कॉलोनी की महिलाओं ने पहुंच कर सीओ राजेश सिंह को बताया कि उन्होंने 30 अप्रैल को बिजली के दफ्तर जाकर एक्स ईएन से भी अपनी सम।द्धस्या बताकर प्रीपेड स्मार्ट मीटरों को बदल कर पोस्टपेड स्मार्ट मीटरों को लगाने की गुहार लगाई थी और एसडीएम को भी ज्ञापन दिया था लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।सीओ राजेश व नायब तहसीलदार अजब सिंह ने वहां मौजूद विद्युत विभाग के एसडीओ रामकेश सिंह को समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए।एसडीओ ने बताया कि यह अधीक्षण अभियंता के स्तर का मामला है।ओवरबिलिंग व बिजली काट देने की समस्या पर आक्रोश जताते हुए कहा कि इस भीषण गर्मी में बिजली कट जाने से बीमार व्यक्तियों,वृद्धों व बच्चों को बहुत परेशानी हो रही है।आजाद कॉलोनी की इन महिलाओं में पूनम, सोना,गुड्डी, आशा, लक्ष्मी, गीता, बेबी, बबली, ओमवती, बीना, दीपा, सोनी, सावित्री, लक्ष्मी, बबीता, गीता, राखी, रीना, शन्नो समेत दो दर्जन से अधिक महिलाएं शामिल रही।

वार्षिकोत्सव मे हुआ विद्यार्थियों के परिश्रम का सम्मान।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। प्राथमिक विद्यालय कोटकी टूंडला पर वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बहुत ही धूमधाम से किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत बीईओ सुश्री ज्योति पाठक , एसआरजी डॉ जया शर्मा ,एआरपी डॉ जितेन्द्र दुबे के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया । उपस्थित मंचासीन गणमान्य लोगो का पटका पहना कर व पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गयी। बीईओ ज्योति पाठक द्वारा नवीन नामांकन पर जोर देते हुए माताओं को प्रेरित करते हुए कहा गया कि शिक्षा सभी के लिए बहुत जरूरी है अतः सभी मातायें अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें। एसआरजी जया शर्मा ने महिलाओ की महत्ता, शिक्षा का जीवन में प्रभाव, शारदा कार्यक्रम व बाल वाटिका के सफल क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के दौरान प्रथम ,द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले, ईको क्लब प्रतिभागी, सर्वाधिक दैनिक छात्र उपस्थिति व निपुण छात्रों को पुरूस्कार वितरित कर हौसला अफजाई की गयी। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान कर सभी के लिये स्वल्पाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एआरपी श्रीमती शिखा सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती रोमा सागर, अखिलेश सारस्वत, श्रीमती प्रीति सोलंकी, श्रीमती लक्ष्मी यादव,श्रीमती मंजू देवी, श्रीमती पूनम बघेल, आंगनबाडी कार्यकत्री, ईसीसीई एजूकेटर, प्रशिक्षु सहित सम्माननीय अभिभावक गण व समस्त छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर विरोध में महिलाओं ने कोटला चुंगी पर लगाया जाम: फिरोजाबाद में बिल वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन, किन्नर भी शामिल

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। स्मार्ट बिजली मीटरों के विरोध में शनिवार को मोहल्ला संतोष नगर की महिलाओं ने कोटला चुंगी चौराहे पर जाम लगा दिया। फ्लाईओवर के नीचे हुए इस प्रदर्शन के कारण यातायात बाधित हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप था कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उनका कहना था कि पुराने मीटरों की तुलना में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए अधिक परेशानी का कारण बन रहे हैं। महिलाओं ने नए स्मार्ट मीटर हटाने और पुराने मीटर फिर से लगाने की मांग की।

महिलाओं ने सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। इस कारण कोटला चुंगी चौराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को आवागमन में परेशानी हुई। प्रदर्शन के दौरान किन्नर समुदाय के लोग भी महिलाओं के समर्थन में शामिल हो गए। उन्होंने सरकार से स्मार्ट मीटर योजना वापस लेने की अपील की। किन्नरों का कहना था कि स्मार्ट मीटर से जनता परेशान है और बिजली बिलों को लेकर शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।

सूचना मिलने पर थाना उत्तर प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कोटला रोड चौकी प्रभारी अनुज कुमार तिवारी और महिला पुलिसकर्मी भी वहां मौजूद रहे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और यातायात व्यवस्था बहाल करने में जुट गई।

मोहित यादव फिर बने मानवाधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष

समाज जागरण

मानवाधिकार सुरक्षा एवं संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन ने जनपद संभल में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए मोहित यादव को पुनः जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंप दी है। यह निर्णय संस्था की बैठक और समिति की संस्तुति के आधार पर लिया गया।

संस्था के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में मोहित यादव की पुनर्नियुक्ति की पुष्टि की गई है। संगठन ने उनसे अपेक्षा जताई है कि वह समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाते हुए संस्था के नियमों, उद्देश्यों और मूल्यों का पालन करेंगे तथा मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।

पुनः जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर मोहित यादव ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन के लिए कार्य करेंगे और जनपद में लोगों के अधिकारों की आवाज बुलंद करने का काम करेंगे।

वहीं, संगठन के स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की। उन्होंने उम्मीद जताई कि मोहित यादव के नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी और सामाजिक कार्यों को गति मिलेगी।

किरतपुर के युवक की कश्मीर में निर्मम हत्या-पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा शव-मचा कोहराम

समाज जागरण अजमल अंसारी

जनपद बिजनौर किरतपुर।नगर के एक युवक की कश्मीर में हत्या कर दी गई। गुरुवार दोपहर उसका शव कश्मीर के पम्पारा क्षेत्र के एक पार्क में मिलने से सनसनी फैल गई। पोस्टमार्टम के बाद युवक के शव को उसके निवास स्थान पर लाया गया यह देख परिजनों में चीख पुकार मच गई,और मोहल्ले में मातम परस गया।

नगर के मोहल्ला अफगानान निवासी 35 वर्ष इमरान पुत्र स्वर्गीय मुख्तार कश्मीर में रहकर फर्नीचर का काम करता था। बताया जा रहा है कि वह करीब 12 दिन से पहले ही अपने घर से कश्मीर गया था। और वहां अपने फूफेरे भाई अमीर हसन के साथ एक कमरे में रह रहा था।

परिजनों के अनुसार बुधवार रात करीब 11:00 बजे इमरान ने अपने भाई से पंत चौक तक टहलने की बात कही और कमरे से निकल गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। गुरुवार दोपहर कश्मीर के पम्पारा क्षेत्र के एक पार्क में उसका शव पड़ा मिला।

इमरान की जेब में एक डायरी मिली जिस पर लिखे नंबर से उसकी शिनाख्त हुई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इमरान की हत्या किसी भारी वस्तु से चेहरे पर वार कर की गई। घटना की सूचना पर पहुंची कश्मीर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इमरान का शव पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद शुक्रवार को उसके घर पहुंचा तो स्वजनों में चीख पुकार मच गई और पूरे मोहल्ले में मातम परस गया। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद सैकड़ो लोगों की मौजूदगी में इमरान को नम आंखों से उनके बिरादरी के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए खाक कर दिया गया।

चेयरमैन अब्दुल मन्नान, सपा नेता शाहिद अली खां,साईम राजा, विधायक प्रतिनिधि पुरुषोत्तम कुमार, असपा नेता मुदस्सिर जमा खां, अशरफ जमील एंड., सभासद नफीस अहमद, मोहम्मद इस्लाम पूर्व सभासद नसीम अर्शी सहित जनाजे में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और परिवार को सांत्वना दी।

तकनीकी खराबी के कारण वंदे भारत ट्रेन आधा घंटा नगीना रुकी रही

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नगीना । सहारनपुर से गोमती नगर लखनऊ जाने वाली सुपर फास्ट एक्सप्रेस वंदेभारत ट्रेन के इंजन में तकनीकी खराबी आने से नगीना रेलवे स्टेशन पर आधा घंटा खड़ी रही।

शनिवार को सहारनपुर से डाउन एक्सप्रेस संख्या 26503 अपने निर्धारित समय सुबह 5 बजकर 5 मिनट पर लखनऊ के लिए चली जब ट्रेन नगीना रेलवे स्टेशन की बीच लाइन पर सुबह लगभग 6-50 बजे पहुंची तो अचानक उसके इंजन में टेक्निकल गड़बड़ी के चलते ट्रेन वहीं रूक गई। वंदे भारत सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में तैनात टेक्निकल स्टाफ ने इंजन में हुई टेक्निकल गड़बड़ी को लगभग 30 मिनट तक कड़ी मशकत के बाद ट्रेन के इंजन में आई गड़बड़ी को सही किया जा सका, जिसके बाद ट्रेन 7:20 पर नगीना रेलवे स्टेशन से लखनऊ की ओर रवाना हो गई। रेलवे सूत्रों से जानकारी करने से पता चला वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सहारनपुर से रोजाना सुबह 5- बजकर 5 मिनट पर चलकर गोमती नगर लखनऊ दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर पहुंचती है।

वंदे भारत सुपरफास्ट ट्रेन के इंजन में अचानक आई खराबी से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जब ट्रेन ठीक होने के उपरांत नगीना से चलने पर यात्राओं ने राहत की सांस ली ओर अपने गंतव्य को रवाना हुए।

कपड़े की दुकान में भीषण आग, ऊपर फंसे 7 लोगों को फायर टीम ने सुरक्षित निकाला।

कोटला रोड नगला करन सिंह की घटना, घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू, टला बड़ा हादसा।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना उत्तर क्षेत्र स्थित कोटला रोड के नगला करन सिंह में देर रात अज्ञात कारणों से कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में लगी, जिसके ऊपर फर्स्ट फ्लोर पर कमलेश भदोरिया पुत्र कालीचरण के परिवार के लोग रह रहे थे। आग की लपटें तेज होने के कारण ऊपर मौजूद सात लोग फंस गए, जिससे इलाके में अफरा तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

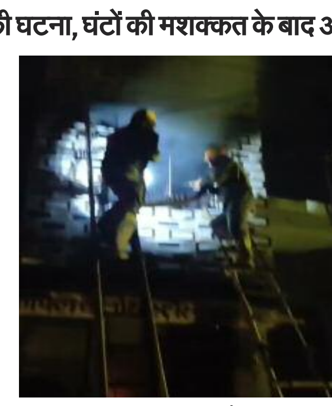

फायरफाइटर्स ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए सीढ़ियों के माध्यम से फंसे सभी सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया अग्निशमन अधिकारी सत्येंद्र पांडे के अनुसार, सूचना मिलते ही फायर स्टेशन से तत्काल एक यूनिट रवाना की गई। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर कपड़े की दुकान थी, जबकि ऊपर लोग निवास कर रहे थे। फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया गया और आसपास की दुकानों तक आग फैलने से रोक लिया गया।

कड़ी मशक्कत के बाद आग पूरी तरह बुझा दी गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

एम डी जैन इंटर कॉलेज में ब्राण्ड एम्बेसडर ने दिलाई विद्यार्थियों को सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग न करने की शपथ

समाज जागरण

सिरसागंज। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय श्री एम डी जैन इंटर कॉलेज सिरसागंज में नगर पालिका परिषद, सिरसागंज के अंतर्गत नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रंजना गुरुदत्त सिंह के निर्देशन एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन के संयोजन में नगर पालिका परिषद, सिरसागंज के स्वच्छ भारत अभियान के ब्राण्ड एम्बेसडर अश्वनी कुमार जैन ने विद्यार्थियों को सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई।

अश्वनी कुमार जैन ने विद्यार्थियों को शपथ ग्रहण कराते हुए बताया कि हम सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे और अन्य व्यक्तियों को भी प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित करेंगे।उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक वह प्लास्टिक का सामान होता है, जो फेंकने से पहले या पुनर्चक्रण करने से पहले सिर्फ एक बार ही प्रयोग में लाया जाता है। प्रदूषण को बढ़ाने में सिंगल यूज प्लास्टिक का सबसे अधिक योगदान है क्योंकि इनका पुनर्चक्रण नहीं किया जा सकता है। यह प्लास्टिक न तो अपघटित होता है और न ही इसे जलाया जा सकता है। इनके टुकड़े पर्यावरण में जहरीले रसायन छोड़ते हैं,जो कि मनुष्यों एवं जानवरों के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत अभियान में अधिक से अधिक जनमानस को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कु अतिमा, प्रियंका, खुशी, आशिका, सुमिति, गुंजन, अंजली, प्रवीन कुमार, अशरफ, गुफरान, अयान, कार्तिक शर्मा, अनिरुद्ध, गिर्राज, राम गोपाल, गौरव, प्रियांशु, हार्दिक, नीलेश आदि विद्यार्थियों ने संकल्प लिया।

संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

समाज जागरण

चंदौसी। तहसील चन्दौसी में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील चन्दौसी परिसर

में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को सुना गया। प्राप्त जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं विधिसम्मत निस्तारण सुनिश्चित किए जाने हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान सीओ चन्दौसी दीपक कुमार आदि पुलिस व प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान मो० अजमाईन ने पंचायत में एंटी लार्वा स्प्रे कराया

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर किरतपुर शनिवार को ग्राम पंचायत चांडक तुर्क व राजस्व गांव चांडक जट, हादीपुर सदरूद्दीन, भगवानपुर मे गांव मे मच्छरो से होने वाली बीमारी को रोकने के लिए ग्राम प्रधान मौ.अजमाईन द्वारा एंटी लार्वा

(स्प्रे) कराया गया। जिससे गांव वाले बीमारी से दुर रहे और स्वच्छ रहे। ग्राम प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत मे समय समय पर स्प्रे वे फॉगिंग होती रहती हैं।जिससे गांव वाले स्वच्छ रहे। गांव वाले एंटी लार्वा स्प्रे को होता देख प्रश्न हुए और ग्राम प्रधान की प्रशंसा की। ग्राम प्रधान ने कहा कि गांव वालो का यह प्यार मोहब्बत देख कर बहुत अच्छा लगा। ग्राम प्रधान मौ. अजमाईन, पंचायत सचिव राजन सिंह, मोहसिन ठेकेदार, मौ.दानिश, पंचायत सहायक गर्वित राजपुत, सुनील कुमार, आजाद भाई आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। हिन्दू ब्लड बैंक चैरेटेबिल सोसायटी बिजनौर द्वारा डा एस पी गर्ग की स्मृति में एक रक्तदान शिविर का आयोजन डा दुष्यंत सैनी भारतीय रेडक्रास सोसायटी जनपद बिजनौर द्वारा बिजनौर ब्लड बैंक पर किया गया

शिविर का शुभारंभ एडीएम प्रशासन अशिंका दिक्षित द्वारा किया गया। यह रक्तदान शिविर डा गर्ग की स्मृति में प्रत्येक वर्ष लगाया जाता है।रक्तदान शिविर में 57 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान के उपरांत समस्त रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र भी दिया गया।

रक्तदान करने वालों में चेयरमैन टीकम सिंह सेंगर, रीतेश भटनागर, मोहित गुप्ता, आकाश कुमार, मोहित गुप्ता आदि शामिल रहे। इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के मिडिया प्रभारी योगेन्द्र पाल सिंह योगी, डायरेक्टर डा सुबोध चन्द्र शर्मा, रोबिन सिंह, किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष दिगम्बर सिंह आदि उपस्थित रहे।

सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी ने की शहर की समस्याओं पर चर्चा, संबंधित विभाग को कराएंगे अवगत

समाज जागरण

नोएडा। सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नोएडा प्राधिकरण एवं विद्युत विभाग से जुड़ी

शहर की समस्याए प्रमुख विषय रही।

सोसाइटी के अध्यक्ष राधा कृष्ण गर्ग ने बताया कि आज की बैठक में हमने शहर की समस्याओं पर चर्चा की जैसे पानी की समस्या, कुड़ा निस्तारण की समस्या, सड़कों पर घूमने वाली गायों की समस्या, सीवेज की समस्या के साथ साथ विद्युत विभाग के स्मार्ट मीटर की समस्या पर चर्चा की गई। आज सर्व सहमति से प्रस्ताव पारित हुआ हैं कि बहुत जल्द नोएडा प्राधिकरण और बिजली विभाग के अधिकारियों को इन समस्याओं से अवगत कराने के लिए पत्र सौंपा जाएगा और समाधान कराया जाएगा।

आज की इस बैठक में मुख्य संयोजक लवकेश गोयल, महासचिव अजय गुप्ता, सचिव सुधीर पोरवाल, डॉ प्रकाश जैन, मनोज गोयल, रमेश सिंघल, अवनीश भारद्वाज, सत्यम शर्मा, आर.के. सिंगला, चार्टर्ड अकाउंटेंट आसाराम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता, पीयूष मोहन आदि लोग उपस्थित रहे।

मई की गर्मी को लेकर घबराने की जरूरत नहीं : डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आम जनता से अपील की है कि मई माह में संभावित गर्मी और लू की स्थिति को लेकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मौसम पूर्वानुमान को सही तरीके से समझकर तथा साधारण सावधानियों का पालन करके किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सकता है।

अपने कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान और लू की स्थिति बन सकती है, लेकिन यह स्थिति पूरे देश में समान नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी सलाह और पूर्वानुमानों का पालन करने से हालात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। आईएमडी के नवीनतम मासिक पूर्वानुमान का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत, उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, जबकि देश के बड़े हिस्से में तापमान सामान्य या उससे कम रह सकता है। कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई गई है।

उन्होंने बताया कि हिमालय की तलहटी, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में सामान्य से 2 से 4 दिन अधिक लू चलने की संभावना है।

टीचर्स अवॉर्ड सेरेमनी में शिक्षकों को उत्कृष्ट सहयोग और योगदान के लिए सम्मानित

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) लायंस ओलंपियाड संस्था की ओर से सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित टीचर्स अवॉर्ड सेरेमनी में शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट सहयोग और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।
मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने कहा कि लायंस ओलंपियाड संस्था द्वारा शिक्षकों को सम्मानित करना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण से विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि मां के बाद शिक्षक ही ऐसे मार्गदर्शक होते हैं, जो अपने निस्वार्थ समर्पण और सहयोग से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करते हैं। इस प्रकार के सम्मान शिक्षकों को और अधिक प्रेरित करते हैं, जिससे वे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रति स्पर्धात्मक भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। कार्यक्रम में लायंस ओलंपियाड प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले शिक्षकों अरविंद चौधरी, आरिफ हुसैन, अभिषेक वर्मा, ललित, पंकज गोयल, अनुपम मित्तल, मनीष मित्तल, निकिता जैन, रिया मित्तल, संचिता, रजनी पाल, ऋषिका चौहान, प्रिया सिंघल, आयुषी सिंघल, कविता संगल, हिमांशी सैनी, नेहा कंबोज एवं ऋतिक आदि को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या उजमा जैदी मौजूद रही।

राशन कार्ड कार्यों मे लापरवाही का आरोप एडीएम.से शिकायत

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जिला पूर्ति कार्यालय में राशन कार्ड संबंधी कार्यों में लापरवाही और अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए सभासद निशीकांत संगल एवं अनिल उपाध्याय ने एडीएम को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। दिए गए पत्र में आरोप लगाया गया कि राशन कार्ड में नया यूनिट जोड़ने के लिए आवेदन करने के बाद भी जिला पूर्ति कार्यालय में समय पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। आवेदन कभी केवाईसी के नाम पर तो कभी पुराने आवेदन का हवाला देकर निरस्त कर दिए जाते हैं, जिससे आम लोगों को लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़
रहे हैं।शिकायतकताओं का कहना है कि संबंधित इंस्पेक्टर द्वारा अक्सर यह कहकर पल्ला झाड़ लिया जाता है कि आवेदन उनके लॉगिन पर नहीं आया है, जबकि जिला पूर्ति कार्यालय में जानकारी लेने पर आवेदन का कोई रिकॉर्ड नहीं मिलने की बात कही जाती है। इसी प्रकार नए पात्र गृहस्थी राशन कार्ड बनाने में भी लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया गया है। नियमानुसार 72 घंटे बाद आवेदन डीएसओ लॉगिन से इंस्पेक्टर लॉगिन पर पहुंच जाना चाहिए, ताकि जांच कर आगे की कार्रवाई की जा सके, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। आरोप है कि बिना जांच किए ही वेबसाइट से पंजीकरण की पावती हटा दी जाती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर जनहित में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है।

व्यापार मंडल की रोडवेज डिपो एवं आधुनिक बस अड्डे के निर्माण की मांग

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की बैठक में शहर में रोडवेज डिपो एवं आधुनिक बस अड्डे के निर्माण की मांग उठाई गई। शनिवार को बैठक संगठन के सुभाष चौक स्थित प्रांतीय मुख्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने कहा कि शामली में वर्षों से रोडवेज डिपो और आधुनिक बस अड्डे का मामला लंबित पड़ा हुआ है। व्यापारियों ने निर्णय लिया कि संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही डीएम आलोक यादव से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा और रोडवेज डिपो तथा आधुनिक बस अड्डे के निर्माण की मांग करेगा। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल पिछले छह से सात वर्षों से इस मुद्दे को लगातार उठाता आ रहा है। पूर्व में रोडवेज विभाग द्वारा गांव खेड़ी बैरागी में रोडवेज डिपो के लिए भूमि खरीदी गई थी, लेकिन बाईपास निर्माण में कुछ हिस्सा आने के कारण वहां निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। उन्होंने मांग की कि उपलब्ध भूमि पर ही रोडवेज डिपो का निर्माण कराया जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अजंता चौक और विजय चौक के बीच स्थित निजी बस अड्डे की भूमि, जो नगर पालिका परिषद की बताई गई है, आधुनिक रोडवेज बस अड्डे के लिए उपयुक्त स्थान है। यहां बस अड्डा बनने से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शहर में लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी। बैठक में सुभाष चंद्र धीमान, नरेंद्र अग्रवाल, अमित गर्ग, महेश धीमान, अनुज गोयल एवं शिवांक गर्ग मौजूद रहे।

हमला करने और धमकी देने में मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। फावड़े से हमला करने और धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मोहल्ला आलकलां निवासी शमशाद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि मोहल्ले का ही अरशद कथित रूप से नशे का कारोबार करता है, जिसके चलते वह उनसे रंजिश रखता है। आरोप है कि अरशद पूर्व में भी उसके भाई आरिफ के साथ गाली-गलौज और मारपीट कर चुका है। 30 अप्रैल दोपहर करीब एक बजे आरिफ घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान अरशद बाइक से वहां पहुंचा और पास में पड़ा फावड़ा उठाकर आरिफ पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। जान बचाने के लिए वह घर के अंदर भाग गया, लेकिन आरोपी जबरन घर में घुस आया और गाली-गलौज की। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

समाज जागरण

कैराना। एक युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया। नगर निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन कंडेला स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करती है। उसी फैक्ट्री में चंदपुर जोगियान जनपद बरेली निवासी सत्येंद्र भी कार्यरत है। आरोप है कि गुरुवार रात करीब 11 बजे सत्येंद्र उनके घर के बाहर आया और उसकी बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। घर में रखे करीब 10 हजार रुपये नकद तथा सोने-चांदी के जेवर भी अपने साथ ले गए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पिकअप से टक्कर मारने में रिपोर्ट दर्ज

समाज जागरण

कैराना। पिकअप की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मोहल्ला आलखुर्द निवासी नईम ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 27 अप्रैल की सुबह करीब पांच बजे उसका भाई अनीस रेत की बुग्गी खरीदने के लिए खुरगान चौराहे की ओर पैदल जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही पिकअप गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले शामली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ के अस्पताल रेफर कर दिया गया। आरोप है कि पिकअप चालक इमरान निवासी गांव भूरा ने पहले इलाज का खर्च उठाने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में मुकर गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

31 शिकायतों में चार का मौके पर निस्तारण

समाज जागरण

कैराना। संपूर्ण समाधान दिवस में 31 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शनिवार को तहसील में संपूर्ण समाधान

दिवस की अध्यक्षता सीडीओ विनय कुमार तिवारी ने की। इस दौरान जल निकासी, तालाबों की साफ-सफाई, चकरोड से अवैध कब्जे हटवाने, नया राशन कार्ड बनवाने सहित नगरपालिका, विकासखंड, विद्युत विभाग व पुलिस विभाग से संबंधित 31 शिकायतें सामने आईं। अधिकारियों ने चार शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया, जबकि शेष शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम शिवाजी यादव, तहसीलदार अर्जुन चौहान आदि मौजूद रहे।

दुकान से चोरी में आरोपी किया गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। दुकान के गल्ले से नकदी चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। गांव झाड़खेड़ी निवासी विकास ने मुकदमा दर्ज कराया था कि तितरवाड़ा चुंगी पर उसकी सेनेटरी हार्डवेयर की दुकान है। वह दुकान बंद कर पानीपत चला गया था और वापस लौटा, तो देखा कि दुकान के गल्ले से एक लाख रुपये चोरी कर लिए गए। शनिवार को पुलिस ने बताया कि उक्त घटना में विशाल निवासी मोहल्ला नौकुआं रोड घेर बुखारी थाना कोतवाली शामली को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से चुराई गई नकदी में से 6120 रुपये बरामद हुए हैं। आरोपी का चालान कर दिया है।

अवैध कब्जा कर अन्नपूर्णा भवन निर्माण कार्य प्रभावित किए जाने का आरोप

समाज जागरण

शामली। ग्राम सिक्का के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की नवीन परती भूमि पर अवैध कब्जा कर अन्नपूर्णा भवन निर्माण कार्य प्रभावित किए जाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।शिकायती पत्र में बताया कि ग्राम पंचायत सिक्का की नवीन परती भूमि पर ग्राम पंचायत द्वारा अन्नपूर्णा भवन निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि भवन को भूमि के बीच में बनाया जा रहा है, जबकि एक ओर अवैध कब्जे को छोड़ दिया गया है। आरोप है कि विनोद पुत्र केहर सिंह ने सरकारी भूमि पर अवैध रूप से दरवाजा लगा रखा है, जिसे हटाने के संबंध में लेखपाल अपनी रिपोर्ट में उल्लेख कर चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोप लगाया गया कि संबंधित लेखपाल, ग्राम प्रधान और जेई की मिलीभगत से करीब 300 मीटर भूमि पर अवैध कब्जा बरकरार रखा जा रहा है। इस संबंध में पूर्व में भी कई बार ऑफलाइन और आईजीआरएस के माध्यम से शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं और घटिया सामग्री लगाने का आरोप

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) गांव खेड़ीकरमू स्थित नई बस्ती झांसी की रानी वाली गली में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं और घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने एडीएम को शिकायती पत्र देकर जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को ग्रामीणों द्वारा दिए गए पत्र में बताया गया कि गली में बनाई जा रही सड़क में पुरानी ईंटों का खंडजा बिछाया जा रहा है तथा मिट्टी भी कम मात्रा में डाली जा रही है। आरोप है कि इससे सड़क का संतुलन बिगड़ गया है और सड़क ऊंची-नीची बन रही है, जिससे बरसात के दौरान पानी भरने की आशंका बनी रहेगी। निमार्णाधीन नाली भी सही तरीके से नहीं बनाई जा रही है तथा उसमें पर्याप्त मात्रा में मसाला नहीं लगाया जा रहा। उनका कहना है कि सड़क और नाली का निर्माण समतल तरीके से किया जाना चाहिए ताकि बारिश का पानी आसानी से निकल सके।
ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सड़क निर्माण के कारण बस्ती का कुछ हिस्सा नीचे रह गया है, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने मांग की कि गली तक सड़क का निर्माण कराया जाए और निर्माण कार्य में मानक के अनुसार पूरा निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने के निर्देश दिए जाएं। शिकायती पत्र पर इसराइल, विनोद, सुधीर, कपिल, मुस्तकीम, मुनव्वर, सलमान, महताब, इमरान, अखतर, अंकित आदि मौजूद रहे।

पुलिस पर अवैध रूप से हिरासत में रखने और लाखों रुपए वसूलने का आरोप

समाज जागरण शामली।

कस्बा बनत निवासी कंवरपाल ने थाना आदर्श मंडी पुलिस पर उसके पुत्र को अवैध रूप से हिरासत में रखने और दो लाख रुपये लेने का आरोप लगाते हुए एडीएम को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि उसका पुत्र दीपक 23 अप्रैल 2026 को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आरटीओ कार्यालय जा रहा था। आरोप है कि तहसील के पास थाना आदर्श मंडी पुलिस ने उसे रोककर हिरासत में ले लिया और थाने ले गई। वहां युवक, उसकी गाड़ी और मोबाइल की जांच की गई, लेकिन कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। इसके बावजूद पूरे दिन उसे थाने में बैठाए रखा गया। आरोप है कि रात के समय पुलिसकर्मी युवक को थाने के पीछे से जंगल के रास्ते पर ले गए, जहां कुछ पुलिस अधिकारी पहले से मौजूद थे। युवक पर एक पैकेट अपने कब्जे में लेने और उसे किसी अन्य युवक द्वारा दिए जाने की बात कबूल करने का दबाव बनाया गया। विरोध करने पर पुलिसकर्मियों द्वारा जबरदस्ती करने और पैकेट को उसकी गाड़ी में रखने का आरोप लगाया गया है। युवक को बाद में दोबारा थाने लाकर बंद कर दिया गया तथा परिजनों को इसकी कोई सूचना नहीं दी गई। आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने युवक को छोड़ने के बदले दो लाख रुपये की मांग की और पैसे न देने पर जेल भेजने की धमकी दी। आरोप है कि परिजनों ने इधर-उधर से पैसे की व्यवस्था कर पुलिस को दो लाख रुपये दिए, जिसके बाद युवक को छोड़ा गया। पीडित ने जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, डीएम ने दिए निस्तारण के आदेश

समाज जागरण

शामली।(फुरकानजंग)जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया
गया। अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं
गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील ऊन में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता डीएम आलोक यादव ने की। इस दौरान राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, विद्युत एवं भूमि संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का मौके पर निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भूमि संबंधी मामलों में संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने एक नई पहल करते हुए स्वास्थ्य, पूर्ति, विद्युत एवं समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों को निर्देश दिए कि वे संपूर्ण समाधान दिवस में ऐसे कर्मचारियों या ऑपरेटरों को साथ लेकर आएं जिन्हें विभागीय जानकारी हो, ताकि फरियादियों की समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर हो सके और उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान अनुपस्थित रहने पर मत्स्य विभाग के अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश भी दिए गए। तहसील ऊन में कुल 28 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर एसपी एनपी सिंह, एसडीएम ऊन विनय प्रताप सिंह भदौरिया, सीएमओ डॉ अनिल कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए प्रेमचंद मौजूद रहे। वहीं तहसील शामली में एडीएम सत्येन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां कुल 40 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम शामली निधि भारद्वाज और तहसीलदार मनोज कुमार उपस्थित रहे। उधर तहसील कैराना में सीडीओ विनय कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से चार का मौके पर निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम कैराना शिवाजी यादव मौजूद रहे।

दिगम्बर महासमिति आदिनाथ इकाई द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

समाज जागरण

शामली। दिगम्बर महासमिति आदिनाथ इकाई द्वारा आयोजित प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर में प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से विभिन्न रोगों के उपचार की जानकारी दी गई। प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ सतीश अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति आधारित चिकित्सा पद्धति भारतीय प्राचीन ज्ञान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो बिना दुष्प्रभाव के स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि शिविर में मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर जैसी विधियों के माध्यम से उपचार किया जाएगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की। यह शिविर प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को प्रातः 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक दिगम्बर जैन धर्मशाला में आयोजित किया जाएगा।शिविर में पुरुष वर्ग के लिए डॉ सुमित कुमार तथा महिला वर्ग के लिए डॉ मंजू रानी द्वारा चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में संरक्षक मोहित जैन वीरेन्द्र जैन, सुशीला जैन, सुदेश जैन, अरविंद जैन, तरुण जैन, अलका जैन, राहुल जैन, राजीव जैन मौजूद रहे।

लघु उद्योग भारती मंडल के अध्यक्ष ने की भाजपा के मंत्रियों से मुलाकात

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष अंकित गोयल ने लखनऊ में लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान से शिष्टाचार मुलाकात कर शामली जनपद से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की। लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री से हुई मुलाकात के दौरान अंकित गोयल ने बताया कि पिछले वर्ष सहारनपुर तिराहे से कैराना बाईपास तक लगभग छह किलोमीटर सड़क निर्माण का प्रस्ताव विभाग द्वारा स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 22.50 करोड़ रुपये है। प्रस्ताव में हॉटमिक्स सड़क निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और बीच में डिवाइडर निर्माण शामिल है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव सभी विभागीय स्वीकृतियों के साथ शासन की वित्त समिति से भी पास हो चुका है, लेकिन अब तक इसके लिए धनराशि जारी नहीं हो सकी है।इस पर मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने आश्वासन दिया कि अगले सप्ताह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रस्तावित लोक निर्माण विभाग की बैठक में इस सड़क परियोजना का मुद्दा उठाया जाएगा और इसे जल्द स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसके बाद अंकित गोयल ने एमएसएमई मंत्री राकेश सचान से मुलाकात कर बताया कि शामली इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट फंड के अंतर्गत 5 करोड़ 1 लाख 90 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत होने के बावजूद अभी तक जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य शुरू कराने के लिए इस धनराशि का शीघ्र जारी होना आवश्यक है। इस पर मंत्री राकेश सचान ने भरोसा दिलाया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा।

--ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई,दो गिरफ्तार

-- 110 ग्राम स्मैक और 500 ग्राम चरस के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार , एनडीपीएस में भेजा जेल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने शनिवार सुबह ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए दो महिलाओं को भारी मात्रा में मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। वहीं, अन्य तस्करों की तलाश में भी पुलिस जुटी हुई है।नगर और क्षेत्र में लगातार बढ़ रही मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर पुलिस सतर्क है। नशे की चपेट में आकर युवा वर्ग अपराध की ओर बढ़ रहा है और चोरी सहित अन्य घटनाओं को अंजाम दे रहा है। नशे की रोकथाम के लिए डीआईजी सहारनपुर के निर्देशन में ऑपरेशन सवेरा : नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार और उप निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सलेमपुर मार्ग से बानो पुत्री रईस को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 110 ग्राम स्मैक बरामद हुई।दूसरी ओर पुलिस ने मोहल्ला खेल में छापेमारी कर रेशमा नाम की महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर उसके पास से 500 ग्राम चरस बरामद की गई। रेशमा नाम की महिला पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी में जेल जा चुकी है। बरामद मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी कीमत पर मादक पदार्थों की बिक्री नहीं होने दी जाएगी। तस्करी में संलिप्त हर महिला और पुरुष के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा।

--गोली मारकर युवक की हत्या, हादसा दशार्ने की रची गई साजिश

--पीएम रिपोर्ट में खुला राज, चौकी के सामने एंबुलेंस में शव को लेकर पहुंचे परिजन व ग्रामीणों का हंगामा

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर गांव खंद्रावली के निकट बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को सड़क हादसा साबित करने की कोशिश की गई, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में गोली लगने की पुष्टि होने पर मामले का खुलासा हो गया। घटना से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शनिवार सुबह चौकी के सामने एंबुलेंस में शव लेकर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। बाद में पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर हंगामा कर लोगों को शांत किया। पुलिस ने हत्या आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।थाना क्षेत्र के गांव खंद्रावली निवासी 24 वर्षीय आशु पुत्र रविंदर शामली के एक निजी अस्पताल में कार्यरत था। शुक्रवार शाम ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था। बताया गया कि गांव के निकट चौकी से कुछ दूरी पहले ही अज्ञात बदमाशों ने उसे गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।
सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। शुरूआती तौर पर मामला सड़क दुर्घटना का माना गया। पुलिस ने भी युवक को हादसे में घायल समझते हुए शव कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक के सिर में गोली लगने की पुष्टि होने पर परिजनों में आक्रोश फैल गया।
शनिवार सुबह सैकड़ों ग्रामीणों के साथ परिजन हाईवे स्थित चौकी के सामने पहुंचे और एंबुलेंस में शव को लेकर पहुंचते ही हंगामा शुरू कर दिया। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन कार्रवाई होने तक जाम लागाने की जिद्द पर अड़ गए। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, सीओ हेमंत कुमार और थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर घटना की जानकारी ली।इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। काफी समझाने-बुझाने और जल्द खुलासे के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। हत्याकांड के खुलासे के लिए पांच टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।परिजनों ने गमगीन माहौल मे दांह संस्कार कर दिया और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

विद्यार्थियों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली का किया भ्रमण

समाज जागरण बागपत।
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वाधान में जिला विज्ञान क्लब के अंतर्गत करीब लगभग 7 विद्यालयों के 100 छात्र-छात्राओं ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली का भ्रमण किया। सभी छात्र-छात्राओं ने आईआईटी दिल्ली की ऑडिटोरियम में सेमिनार में भागीदारी की तथा वहां पर अलग-अलग विभागों की प्रोफेसर शिक्षकों से बात की । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली का लक्ष्य अत्यधिक अनुसंधान के माध्यम से नवीन ज्ञान के सृजन एवं डॉक्टरेट कार्यक्रमों द्वारा शैक्षिक उन्नयन को प्रोत्साहित करना है। आईआईटी दिल्ली उद्योग और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण बौद्धिक एवं तकनीकी संसाधन के रूप में अपनी भूमिका निभाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। संस्थान के बुनियादी मूल्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा तथा अनुसंधान में उत्कृष्ट शैक्षणिक सत्य निष्ठा एवं उत्तरदायित्व , विविधता के प्रति सम्मान तथा उद्यमशीलता की मुक्त एवं निर्वात भावना पर आधारित है। आईआईटी, दिल्ली के दौरे से छात्र-छात्राओं ने उच्च स्तरीय वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान विश्व

स्तरीय शैक्षिक वातावरण और लक्ष्य केंद्र जीवन शैली के बारे में सीखा। उन्होंने परिसर में बौद्धिक और नवीन विचारों के महत्व को समझा। यह अनुभव छात्र -छात्राओं
को इंजीनियरिंग के व्यावहारिक ज्ञान के प्रति प्रेरित करने और उन्हें कठिन चुनौतियों के लिए तैयार करने में सहायक रहा। यह दौरा छात्र-छात्राओं के लिए एक ज्ञानवर्धक और और प्रेरक अनुभव रहा, जिससे उन्हें तकनीकी क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। जिला विज्ञान क्लब की जिला संबंध में डॉक्टर प्रीति शर्मा ने सभी छात्राओं को आईआईटी दिल्ली के भ्रमण के दौरान अपने करियर में इंजीनियरिंग विषय तथा अन्य तकनीकी विषय को सम्मिलित करने के विषय के बारे में समझाया तथा उन्होंने बताया कि बड़े-बड़े संस्थानों के दौरे से बच्चों के अंदर एक अपने करियर के प्रति जागरूकता पैदा होती है। वैज्ञानिक भ्रमण के दौरान छवि श्रीवास्तव, आलोक, जवाहर नवोदय विद्यालय, फुलेरा, बागपत, अमजद खान, मुस्लिम इंटर कॉलेज, असारा, आरती खन्ना, श्री कृष्ण
इंटर कॉलेज, बालैनी, निषात खानम, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, जोहरी, बागपत,अमित कुमार, रोहित सिमरन, राखी सभी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न, 16-17 मई को होगा जिला प्रशिक्षण वर्ग

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी बोले:प्रशिक्षण से बढ़ती है कार्यकर्ताओं की वैचारिक दृढ़ता;जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा,1 2 मंडलों के बाद अब जिला स्तर पर होगा प्रशिक्षण

समाज जागरण
बागपत। भाजपा कार्यालय पर शनिवार को जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 16 और 17 मई को प्रस्तावित जिला प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा तैयार की गई और विस्तृत चर्चा के बाद योजना बनाई गई। शनिवार को बागपत भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी और प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी डॉ. चन्द्रमोहन मौजूद रहे। मुख्य अतिथि मानसिंह गोस्वामी ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका

विकास' के साथ 'सबकी सुरक्षा और सबकी अपेक्षा' के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है, जिससे जनता का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की बैठक और कार्यक्रमों में भाजपा का कार्यकर्ता कुछ सीखकर जाता है। भाजपा का कोई कार्यकर्ता पूर्व नहीं होता, पार्टी कहीं न कहीं दायित्व देती रहती है। मंडल प्रशिक्षण वर्ग के बाद अब जिला प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होगा। उन्होंने सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं से उत्साह के साथ सम्मिलित होने का आह्वान किया। प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी डॉ. चन्द्रमोहन ने कहा कि जिला प्रशिक्षण वर्ग सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही सफल होगा। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। प्रशिक्षण से वैचारिक, संगठनात्मक कौशल और बौद्धिक शक्ति बढ़ती है।जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने बताया कि पिछले महीने सभी 12 मंडलों का प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। अब 16 और 17 मई को जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह से कार्य कताओं ने मंडल प्रशिक्षण वर्ग में भाग लिया, उसी उत्साह से जिला प्रशिक्षण वर्ग में भी भाग लें। नीरज शर्मा ने कहा कि उन्हें जिलाध्यक्ष बने मात्र 2 महीने हुए हैं और इन 2 महीनों में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम 2 बार हुए। कार्यकताओं की मेहनत से पहले महीने में 91.7% और दूसरे महीने में 98.4% बूथों पर मन की बात कार्यक्रम सुना गया। उन्होंने सभी कार्यकताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला महामंत्री व प्रशिक्षण वर्ग की जिला संयोजिका सरिता चौधरी ने किया। इस दौरान गन्ना समिति चेयरमैन प्रदीप ठाकुर, पूर्व नपाध्यक्ष डॉ. अमित राणा, जिला महामंत्री अमित चौधरी, देवेन्द्र प्रमुख, अजय शर्मा, विधायक प्रतिनिधि गौरव यादव, नगर अध्यक्ष संदीप वशिष्ठ, जिला पदाधिकारी, जिला

कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष व वर्ग संचालन समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट छात्राएं सम्मानित

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रोड सेफ्टी क्लब की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. बृजभूषण ने प्रथम, द्वितीय व

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को ट्रॉफी प्रदान की। वहीं नुक्कड़ नाटक व घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने वाली छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने कहा कि देश में तेजी से एक्सप्रेसवे और सड़कें विकसित हो रही हैं, लेकिन बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने छात्राओं से सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन रोड सेफ्टी क्लब के संयोजक डॉ. श्याम बाबू ने किया।इस मौके पर छात्राएं एवं विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

भीषण गर्मी से बचाव के लिए डॉ. राजीव गुप्ता ने जारी किया संदेश

मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज प्राचार्य बोले- दोपहर 12 से 4 बजे तक घर से न निकलें, बच्चों-बुजुर्गों का रखें खास ख्याल

समाज जागरण
बागपत। मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वालीखेड़ा के प्राचार्य व भारतीय वैश्य परिवार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिक्षाविद् डॉ. राजीव गुप्ता पुट्ठी ने तेज गर्मी व लू के प्रकोप को देखते हुए देशवासियों को बचाव का संदेश दिया है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि गर्मी अपने चरम पर है और तेज धूप व लू स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है। दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से

बाहर न निकलें। बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को टोपी, गमछा या छाते से ढककर रखें। उन्होंने पर्याप्त पानी, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी पीने और हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने की सलाह दी। डॉ. गुप्ता ने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें क्योंकि वे गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी या अत्यधिक कमजोरी होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। उन्होंने छोटे बच्चों और वृद्धों को गर्मी से बचाने की अपील की।

बिजली घर पर स्मार्ट मीटर को लेकर महिलाओं का हंगामा, धरना जारी

बिल ज्यादा आने व अवैध वसूली का आरोप, जेई बोले- स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया रुकी

समाज जागरण

चांदीनगर। रटौल में स्मार्ट मीटर से परेशान वार्ड नंबर 9 की महिलाओं ने बुधवार को रटौल बिजली घर पर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। महिलाओं ने स्मार्ट मीटर हटवाने की मांग करते हुए कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती, धरना जारी रहेगा। महिलाओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद तीन से चार हजार रुपये तक के बिल आ रहे हैं, जिन्हें भरना मुश्किल है। महिला रूबीना ने बताया कि बिल जमा करने के बाद भी कनेक्शन काट दिया जाता है। अन्य महिलाओं ने आरोप लगाया कि चेकिंग के नाम पर बिजली विभाग की टीम घर पहुंचकर फर्जी मुकदमे दर्ज कराती है और अवैध वसूली करती है। प्रदर्शन करने वालों में फरजाना,

नईम, रुकसाना, सितारा, राजवीरी, अफरोज, शन्नो, सबनम, गीता, शबनम आदि शामिल रहीं। वहीं रटौल बिजली घर पर तैनात जेई संदीप यादव ने बताया कि सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी गई है। स्मार्ट मीटर को लेकर जांच चल रही है और आगे सरकार के आदेश पर ही कार्य किया जाएगा।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

समाज जागरण
मृतक आशु पांच भाई-बहनों में शामिल था। उसकी एक बहन की शादी हो चुकी है, जबकि छोटा भाई पिंकू दिव्यांग बताया गया है।
पिता रविंदर पीडब्ल्यूडी विभाग में कार्यरत हैं। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस की मौजूदगी में गांव के श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कराया गया।

हर पहलू पर जांच में जुटी पुलिस

समाज जागरण
ग्रामीणों के अनुसार आशु का किसी से कोई विवाद या रंजिश नहीं थी। युवक का व्यवहार सामान्य और मिलनसार बताया जा रहा है। ऐसे में हत्या की वजह को लेकर कई तरह की चचाएं बनी हुई हैं। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच करते हुए हत्याकांड के खुलासे में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मृतक के दोस्तों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई है।

विश्व शांति के लिए अभिमन्यु गुप्ता के आवास पर यज्ञ, ओमपाल आर्य बोले- यज्ञ संसार का सर्वश्रेष्ठ कार्य

शादी की 51वीं वर्षगांठ पर हुआ आयोजन, पूज्य माता रुक्मिणी देवी ने दिया आशीर्वाद

समाज जागरण

बागपत। सुप्रसिद्ध समाज सेवी अभिमन्यु गुप्ता एवं संतोष गुप्ता की शादी की 51वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर शनिवार को उनके आवास पर विश्व शांति के लिए यज्ञ का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान ओमपाल आर्य ने कहा कि यज्ञ संसार का सर्वश्रेष्ठ कार्य है। यज्ञ से प्राणी मात्र का कल्याण होता है, प्राण वायु मिलती है और जीवन

निरोगी रहता है। इस अवसर पर पूज्य माता रुक्मिणी देवी ने सभी को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में संजय जिंदल, सुदेश जिंदल, विभोर जिंदल, प्रीति जिंदल, डॉ. मयंक गोयल, डॉ. रामलाल, सुरेश जिंदल, सतीश आर्य, गौरव आर्य, पंकज गुप्ता, दीपक गोयल, रुद्र जिंदल आदि ने भाग लेकर यज्ञ में आहुतियां डालीं।

किसान पंजीकरण शिविर का आयोजन, बड़ी संख्या में पहुंचे किसान

सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए डिजिटल पंजीकरण, किसानों ने सराहा

समाज जागरण
चांदीनगर। नगर पंचायत रटौल में मंगलवार को किसानों की सुविधा के लिए विशेष किसान पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों का डेटा डिजिटल रूप से दर्ज किया। पंजीकरण के दौरान भू-अभिलेख, आधार कार्ड और बैंक विवरण लिए गए। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि व अन्य सब्सिडी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने तकनीकी दिक्कतों के कारण रुके पंजीकरण का मौके पर ही निस्तारण

किया। नगर पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान सरकारी लाभ से वंचित रह जाते हैं। इसी को दूर करने के लिए कैंप लगाया गया ताकि कोई पात्र किसान छूटे नहीं। शिविर में सुबह से ही किसानों की लंबी कतारें लगीं। स्थानीय किसानों ने गांव के पास ही सुविधा मिलने पर समय व धन की बचत बताते हुए पहल की सराहना की। प्रशासन ने आगे भी ऐसे शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर चेयरमैन हाजी मुंतजिर, महबूब, मनसूर, नदीम, आस मोहम्मद, मोंटी आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्रेन में चढ़ते समय फिसला यात्री, ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर घायल

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)
कस्बे के रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने पुलिस की मदद से घायल को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हरिद्वार से दिल्ली की ओर जा रही ट्रेन रेलवे स्टेशन पर रुकी हुई थी। इसी दौरान एक यात्री ट्रेन से उतरकर स्टेशन पर कुछ सामान लेने चला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तभी ट्रेन चल पड़ी। यात्री ने जल्दबाजी में ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पैर फिसलने से वह ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद स्टेशन पर मौजूद कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार घायल व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। तलाशी के दौरान उसके पास से हरिद्वार से उदयपुर सिटी तक का रेलवे टिकट बरामद हुआ है। जीआरपी पुलिस को सूचना देकर घायल की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।सरकारी चिकित्सक डॉ. जितेश कुमार ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है तथा मामले की सूचना जीआरपी को दे दी गई है।

टिकरी गांव की बेटी कशिश राठी का पीएचडी में चयन, बिना कोचिंग UGC-NET JRF भी किया पास

किसान परिवार की बेटी ने बढ़ाया जिले का मान, सीसीएसयू मेरठ में राजनीति विज्ञान से करेंगी शोध

समाज जागरण
बागपत। जनपद के टिकरी गांव की बेटी कशिश राठी ने शैक्षणिक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के राजनीति विज्ञान विभाग में पीएचडी के लिए हुआ है। कशिश ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा व साक्षात्कार सफलतापूर्वक पास किया। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2025 में आयोजित यूजीसी

नेट-जेआरएफ परीक्षा बिना किसी कोचिंग के घर पर पढ़ाई कर उत्तीर्ण की। कशिश ने सफलता का श्रेय गुरुजनों व परिजनों को दिया। उन्होंने बताया कि वे किसान परिवार से हैं। पिता मोहन राठी, माता ईशा राठी, दादा रामपाल सिंह, सावन तोमर व राजीव का निरंतर मार्गदर्शन मिला। उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने मिठाई बांटकर हर्ष जताया। कशिश राठी का कहना है कि यह उनकी शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत है। वे शोध के क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज व देश के लिए सार्थक योगदान देना चाहती हैं।

स्वच्छ भारत मिशन की खुली पोल गंगेरू में लगे गंदगी के ढेर

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग) विकास खंड क्षेत्र के गांव गंगेरू में गंदगी के ढेर लगे हुए, गाव के मुख्य मार्गों, सार्वजनिक शौचालयों और सरकारी हैंडपंपों के आसपास लगे कूड़े के ढेरों से उठ रही दुर्गंध के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने साफ-सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए जल्द समाधान की मांग की है।क्षेत्र के गांव गंगेरू में साफ-सफाई व्यवस्था बदहाल होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। गांव के मुख्य मार्गों के किनारे, सार्वजनिक शौचालय के सामने तथा सरकारी हैंडपंपों के आसपास कूड़ा-कचरे के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं। इससे उठने वाली दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले लोगों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी जताई है। गांव के ही सैयद मोहम्मद आलम ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार स्वच्छता को लेकर लगातार अभियान चला रही हैं, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत स्वच्छ और सुंदर देश बने और स्वच्छ भारत मिशन अभियान भी चला रखा है लेकिन गांव में साफ-सफाई की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार लोगों की लापरवाही और निगरानी के अभाव में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ग्रामीण मोहम्मद शाहिद ने प्रशासन से संबंधित स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने और कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि जागरूकता और सख्ती से ही गांव को स्वच्छ रखा जा सकता है।

RKTC उड़ा रहा श्रम कानूनों की धज्जियां, SECL बना मूक दर्शक

श्रम कानून बनाम जमीनी हकीकत

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा शहडोल
सोहागपुर क्षेत्र की अमलाई ओपन कास्ट माइंस इन दिनों एक ऐसे विवाद के केंद्र में है, जो केवल एक ठेका कंपनी या एक खदान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि देश में लागू श्रम कानूनों की प्रभावशीलता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए श्रम सुधारों के तहत बनाए गए Code on Wages, 2019,, Industrial Relations Code, Occupational Safety Code और Social Security Code का उद्देश्य मजदूरों को आर्थिक, सामाजिक और कार्यस्थल सुरक्षा प्रदान करना है, लेकिन अमलाई ओसीएम की स्थिति इन कानूनों की जमीनी सच्चाई को एकदम उलट कर सामने रखती है। यहाँ आरोप है कि ठेका कंपनी RKTC खुलेआम इन नियमों की अनदेखी कर रही है और प्रबंधन की चुप्पी इस स्थिति को और गंभीर बना रही है। सूत्रों के अनुसार, RKTC ने खदान का ठेका लगभग 21 प्रतिशत कम दर पर लिया और अब उसी अंतर की भरपाई मजदूरों की मजदूरी में कटौती करके की जा रही है। यदि यह तथ्य सही है, तो यह सीधे-सीधे वेतन संहिता के उस मूल सिद्धांत का उल्लंघन है जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि किसी भी श्रमिक को निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम भुगतान नहीं किया जा सकता। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें न तो निर्धारित दर से वेतन मिल रहा है और न ही समय पर भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनके दैनिक जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। HPC के नाम पर भेदभाव का आरोप इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू HPC पेमेंट को लेकर सामने आया है। श्रम कानूनों में HPC यानी High Power Committee का कोई वैधानिक वेतन ढांचा नहीं है, लेकिन अमलाई क्षेत्र में यह शब्द एक अलग ही अर्थ ले चुका है। आरोप है कि कंपनी के कुछ चहेते कर्मचारियों को "HPC रेट के नाम पर अधिक भुगतान किया जा रहा है, जबकि बाकी मजदूरों को सामान्य मजदूरी तक सीमित रखा गया है। यह स्थिति समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत के विपरीत है, जो Code on Wages, 2019 का एक महत्वपूर्ण आधार है। स्थानीय श्रमिकों का कहना है कि जिनके पास तकनीकी योग्यता है, जिनका बीटीसी या पीएमई जैसे प्रमाणन है, उन्हें भी साधारण मजदूरी दी जा रही है, जबकि कुछ विशेष लोगों को न केवल बेहतर भुगतान मिल रहा है बल्कि उन्हें कार्यस्थल पर विशेष सुविधाएँ भी दी जा रही हैं। यदि यह आरोप सही साबित होते हैं, तो यह न केवल श्रम कानूनों का उल्लंघन है बल्कि कार्यस्थल पर भेदभाव का भी स्पष्ट उदाहरण है। यूनियनों पर दबाव और कानूनी सवाल कोयला क्षेत्र में ट्रेड यूनियनों की भूमिका हमेशा से मजदूरों के अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण रही है, लेकिन अमलाई ओसीएम में स्थिति इसके उलट दिखाई देती है। आरोप है कि RKTC प्रबंधन ने मजदूर यूनियनों की आवाज दबाने के लिए कानूनी दबाव का सहारा लिया है। हाल ही में जब एक यूनियन ने मजदूरों की मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, तो उसके कई सदस्यों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। इस घटना ने न केवल मजदूरों में भय का माहौल पैदा किया, बल्कि औद्योगिक संबंधों की उस भावना को भी कमजोर किया, जिसे Industrial Relations Code, 2020 के माध्यम से मजबूत करने का प्रयास किया गया है। मजदूरों का कहना है कि यदि यूनियन ही अपनी बात नहीं रख पाएगी, तो उनके अधिकारों की रक्षा कौन करेगा। यह स्थिति औद्योगिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकती है, जहाँ श्रमिक अपनी समस्याओं को कानूनी और शांतिपूर्ण तरीके से उठाने में भी असमर्थ हो जाएँ। प्रबंधन की भूमिका और जवाबदेही पर सवाल इस पूरे मामले में सबसे बड़ा प्रश्न South Eastern Coalfields Limited के प्रबंधन की भूमिका को लेकर उठ रहा है। आरोप है कि क्षेत्रीय अधिकारी इस पूरे घटनाक्रम से अवगत होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। यदि ठेका कंपनी द्वारा श्रम कानूनों का उल्लंघन किया जा रहा है, तो यह प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वह तत्काल हस्तक्षेप करे और नियमों का पालन सुनिश्चित कराए। मजदूरों के अनुसार, न तो उन्हें नियमित पे-स्लिप दी जा रही है, न ही पीएफ या ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाएँ मिल रही हैं, और भुगतान में भी अनियमितता बनी हुई है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बिना इन सभी प्रावधानों के पालन के ठेका कंपनी के बिल और एलपीसी कैसे पास हो रहे हैं। क्या यह केवल प्रशासनिक लापरवाही है या फिर इसके पीछे कोई और कारण है, यह जांच का विषय बनता जा रहा है। अमलाई ओसीएम का यह मामला केवल एक खदान या एक कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है जिसमें कानून और उसका पालन दो अलग-अलग वास्तविकताएँ बन जाते हैं। यदि श्रम कानून केवल कागजों तक सीमित रह जाएँ और जमीनी स्तर पर उनका पालन न हो, तो उनका उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। आज जरूरत इस बात की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि हर मजदूर को उसका अधिकार मिले। क्योंकि जब तक मजदूर सुरक्षित और संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक किसी भी उद्योग की प्रगति अधूरी ही रहेगी।

खुशियों की दास्तां

सफलता की कहानी: आत्मनिर्भरता की ओर सुनीता सिंह के बढ़ते कदम

समाज जागरण

उमरिया। जिले के करकेली विकासखंड के ग्राम कौड़िया की निवासी सुनीता सिंह आज ग्रामीण महिलाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी हैं। मात्र 8वीं तक शिक्षित सुनीता, जो कभी घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, आज एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। सुनीता बताती है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। उनकी व्यक्तिगत मासिक आय मात्र 3,000 रुपये थी, जबकि पूरे परिवार की आय लगभग 8,000 रुपये तक सीमित थी। ऐसे में परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ था।
सुनीता के जीवन में बदलाव की शुरूआत 1 जून 2018 को हुई, जब उन्होंने श्री गणेश स्व-सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की। उनकी मेहनत, लगन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें समूह की सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। समूह के माध्यम से उन्हें राशि 5,000 रुपये , राशि 40,000 रुपये,राशि 80,000 रुपये का वित्तीय सहयोग मिला। प्राप्त आर्थिक सहायता का सही उपयोग करते हुए सुनीता ने अपने गांव में एक किराना दुकान की शुरूआत की। उनकी मेहनत और समर्पण ने इस छोटे से व्यवसाय को सफलता की राह पर आगे बढ़ाया और यही उनकी आय का मुख्य स्रोत बन गया। आज सुनीता व्यक्तिगत आयरू 3,000 रुपये से बढ़कर 9,000 रुपये प्रतिमाह कमा रही है वही पारिवारिक आय 8,000 रुपये से बढ़कर 16,000 रुपये प्रतिमाह हो गई है। सुनीता सिंह आज आजीविका ग्राम संगठन और प्रगति संकुल स्तरीय संघ के माध्यम से अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, अवसर और मेहनत से कोई भी व्यक्ति अपनी जिंदगी बदल सकता है। उन्होने प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

राष्ट्रीय राज मार्ग 709 ई पर किया पौधा रोपण, दिया जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया ने अपने 68 वें जन्म दिवस सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति एवं सदाचार शिक्षा समिति के बैनर के नीचे जारी जल एवं पर्यावरण संरक्षण साक्षरता अभियान के तहत जन्मोत्सव पौधारोपण के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने संदेश दिया है कि हमें अपना जन्म उत्सव प्रकृति के साथ जुड़कर मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सादगीमयी जीवन के लिए इस प्रकार के कार्य होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए पौधारोपण और जल का संरक्षण बहुत जरूरी है। जितने अधिक पौधा लगाएँगे उतना ही हमारा वातावरण सही होगा और जितना अधिक जल का संरक्षण करेंगे तो जल की किल्लत नहीं चलेगी। उन्होंने वन महोत्सव के तहत 68 पौधे लगाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि समिति के मार्गदर्शन में गर्मी के इन तीन माह में जल एवं पर्यावरण संरक्षण साक्षरता अभियान लगातार जारी है , ईसी अभियान के तहत पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया ने भिवानी के हनुमान ढाणी चौक सर्कुलर रोड एन एच 709 ई मार्ग के फुटपाथ पर पौधारोपण कर पर्यावरण एवं जल संरक्षण का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपना जन्म उत्सव या मांगलिक कार्यक्रम पौधारोपण के साथ करना चाहिए। कहा कि गर्मी के दिनों में अधिक पौधों का रोपण न करें, जून , जुलाई ,अगस्त व सितंबर में वन महोत्सव के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण करें। हाल ही में गर्मी को देखते हुए हमें किसी मांगलिक कार्यक्रम में पर अधिक पौधारोपण नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस रहेगा। उसे दिन अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आगाज किया जाएगा और उसके बाद वन महोत्सव कार्यक्रम रहेगा। जिसके तहत वन विभाग सहित अनेक सामाजिक संगठन , ग्राम पंचायत , शिक्षा विभाग लाखों पौधों का रोपण करते हैं, तो इस अभियान के तहत हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। वही साथ में उन्होंने भारत सरकार के हिट एंड रन सड़क सुरक्षा अभियान के तहत संदेश देते हुए कहा कि हाल ही में हीट वेव चली हुई हैं, जिससे अधिक गर्मी है, जिसके चलते वाहन चालक हर प्रकार का ध्यान रखे हैं। गाड़ी में हवा संतुलित रखें, शराब पीकर गाड़ी ना चलाएं, अधिक गर्मी हो तो घर पर ही रहे , जरूरी हो तो अपना वाहन सड़क पर दौड़ाएं, पूरे कपड़े पहने और पानी का अधिक सेवन करते रहे। इस अवसर पर राजकुमार शर्मा , पंकज लोहिया , हर घर हरियाली थीम 2026 की ब्रांड एंबेसडर आरोही भारद्वाज, मनस्वी लोहिया, आन्या लोहिया , शुभम शर्मा, भीम कुमार, गंगाराम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भिवानी के रक्तवीरों ने बचाई जान

दुर्लभ 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' बेंगलुरु से नोएडा पहुंचाकर मरीज को मिला नया जीवन

समाज जागरण, जिला संवाददाता (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 02 मई 2026 नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प को साकार करते हुए भिवानी के शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा और समाजसेविका अंकिता राजपूत की टीम ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। टीम ने अलीगढ़ निवासी एक गंभीर मरीज के लिए दुनिया के सबसे दुर्लभ रक्त समूह बॉम्बे ब्लड ग्रुप (एचएच/ओएच फेनोटाइप) की व्यवस्था कर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार यह दुर्लभ रक्त समूह औसतन 40 लाख लोगों में से केवल एक व्यक्ति में पाया जाता है। भारत में भी इस ब्लड ग्रुप के मात्र 350 से 400 डोनर ही उपलब्ध हैं, जिसके चलते आपातकालीन स्थिति में रक्त की व्यवस्था करना बेहद कठिन माना जाता है।

29 अप्रैल को मामला सामने आने के बाद राजेश डुडेजा और अंकिता राजपूत ने तुरंत प्रयास शुरू किए। टीम ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक के ब्लड बैंकों एवं डोनर्स से लगातार संपर्क साधा। कई दिनों की मेहनत के बाद बेंगलुरु में इस दुर्लभ रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।

मुंबई निवासी विनय शेट्टी और दीपक सेठी के सहयोग से बेंगलुरु के ब्लड बैंक से दो यूनिट बॉम्बे ब्लड ग्रुप रक्त आरक्षित कराया गया। इसके बाद 1 मई को विशेष कोल्ड बॉक्स के माध्यम से रक्त को सुरक्षित तरीके से कूरियर द्वारा ग्रेटर नोएडा स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान राजेश डुडेजा लगातार निगरानी करते रहे ताकि रक्त समय पर और सुरक्षित मरीज तक पहुंच सके।

रक्त चढ़ाने के बाद मरीज की स्थिति में सुधार हुआ है और चिकित्सकों ने उसे खतरे से बाहर बताया है। मरीज के परिजनों ने पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही उनके प्रियजन को नया जीवन मिला है।

उल्लेखनीय है कि शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा अब तक 100 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं और देशभर में उनका एक व्यापक नेटवर्क है। उनके और अंकिता राजपूत के समन्वय एवं तत्परता से यह कठिन कार्य संभव हो पाया, जिसकी क्षेत्रभर में सराहना की जा रही है।

वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज सेवकों का सम्मान समारोह 5 मई को बहल में

सम्मान समारोह के मुख्यातिथि बहल के पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल होंगे

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 2 मई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के समाज सेवा प्रभाग व ब्रह्माकुमारीज बहल द्वारा आगामी 5 मई को वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज सेवकों का सम्मान समारोह रखा गया है।

बहल केंद्र संचालिका राजयोगिनी बी के शकुंतला।

बहल केंद्र संचालिका राजयोगिनी बी के शकुंतला ने यह जानकारी देते हुवे बताया कि बहल कि ब्रह्मादत्त धर्मशाला मे होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सरपंच गजानन्द अग्रवाल होंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरक वक्ता ई वी गिरीश होंगे। साथ ही समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बी के वीरेंद्र भाई और समाज सेवा प्रभाग के हरियाणा प्रदेश संयोजक बी के सुनील मास्टर कार्यक्रम का संचालन करेंगे। कार्यक्रम मे बहल और आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या मे समाज सेवक और वरिष्ठ नागरिक भाग लेंगे।

जानलेवा टक्कर मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन और आरोपी गिरफ्तार

बाढड़ा केस में अब तक पांच आरोपी पकड़े गए, जमीन विवाद को लेकर हुआ था हमला

समाज जागरण, जिला संवाददाता

भिवानीबाढ़डा क्षेत्र में युवक की मोटरसाइकिल को जानबूझकर गाड़ी से टक्कर मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अब तक इस मामले में कुल पांच आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि 4 मार्च को थाना बाढड़ा पुलिस को जेवली रोड पर थार गाड़ी द्वारा मोटरसाइकिल को टक्कर मारने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही एएसआई सुरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की गई। शिकायतकर्ता मंजीत निवासी बाढड़ा ने पुलिस को बताया कि वह शाम करीब 4:30 बजे खेत से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान स्विफ्ट गाड़ी चालक मनोज ने उसे धमकी दी। कुछ दूरी आगे बढ़ने पर अनुज द्वारा चलाई जा रही थार गाड़ी ने गलत दिशा से आकर उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।

पीड़ित के अनुसार टक्कर के बाद स्विफ्ट गाड़ी में सवार मनोज और अन्य युवक डंडे लेकर उसकी ओर दौड़े। जान बचाने के लिए वह भागकर एक घर में घुस गया। मंजीत ने बताया कि आरोपियों के साथ उसका पुराना जमीन विवाद चल रहा है।

पुलिस ने मामले में पहले ही अनुज निवासी बाढड़ा तथा राजेश गुर्जर निवासी ढाणी तिलोड़ी को गिरफ्तार कर लिया था। आगे की कार्रवाई करते हुए एएसआई प्रदीप की टीम ने दिनेश निवासी आदलपुर (जिला महेंद्रगढ़), आनंद निवासी महेंद्रगढ़ तथा हरीश निवासी बसई (जिला महेंद्रगढ़) को भी गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

सफाई कर्मचारियों के धरने के समर्थन में पहुंचे:- महेश आजाद मंडल अध्यक्ष

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) नगरपालिका कालांवाली के प्रांगण में सफाई कर्मचारीयों ने अपनी मांगो व सचिव के द्वारा दुर्व्यवहार को लेकर धरना

लगाया गया। शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई हैं। जगह-जगह पर गंदगी, कूड़े के ढेर लगे हुए हैं'' भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश आजाद, भाजपा युवा नेता संतोक सिंह, वीर सिंह सफाई कर्मचारियों के धरना स्थल पर पहूंच कर समर्थक किया' मंडल अध्यक्ष महेश आजाद ने प्रशासन से मांग की कि प्रशासन के अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों की वाजीव एवं उचित मांगों को मानकर धरना समाप्त करवाया जाऐ' इसी मौके पर अन्य शहरवासी मौजूद रहे'

पुलिस को ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क के खिलाफ बड़े ऑपरेशन में बड़ी कामयाबी मिली

2.011 किलो हैरोइन और 50 हजार रुपये की ड्रग मनी के साथ 2 लोग गिरफ्तार डॉ. प्रज्ञा जैन एस एस पी

(पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब

जैतो, 2 मई : पंजाब को ड्रग-फ्री राज्य बनाने के लिए चल रहे कैंपेन वॉर ऑन ड्रग्स के तहत, डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस पंजाब गौरव यादव के नेतृत्व में फरीदकोट पुलिस ने ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क के खिलाफ एक प्लान्ड ऑपरेशन में बड़ी कामयाबी हासिल की है और 02 लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 2.011 किलो हैरोइन बरामद की है। यह जानकारी फरीदकोट की एसएसपी डॉ. प्रज्ञा जैन ने दी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान विशाल उर्फ घोघा और रमन के रूप में हुई है, जो दोनों फिरोजपुर जिले के बॉर्डर रोड आवा बस्ती के रहने वाले हैं। ड्रग्स की रिकवरी के अलावा, पुलिस टीमों ने मौके से 50,000 रुपए की ड्रग मनी भी जब्त की और उनकी स्प्लैटर मोटरसाइकिल भी जब्त की, जिसका इस्तेमाल वे ड्रग्स की तस्करी के लिए कर रहे थे। एस एस पी डॉ. प्रज्ञा जैन ने कहा कि यह बड़ी कामयाबी सही प्लानिंग, इंटेलिजेंस पर आधारित कार्रवाई, पूरी निगरानी और लगातार निगरानी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि शुरूआती जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी हेरोइन की यह खेप आगे सप्लाई करने वाला था, उनकी गिरफ्तारी से एक बड़े ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ हुआ है। ररढ फरीदकोट ने कहा कि इस मामले में आरोपियों के पिछले और अगले लिंक का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है। ऑपरेशन की जानकारी देते हुए, फरीदकोट के एसपी (इन्वेस्टिगेशन) श्री जोगेश्वर सिंह गोराया ने कहा कि 01 मई की शाम को, असिस्टेंट थानेदार दर्शन सिंह, इंचार्ज सीआईए स्टाफ जैतो अपनी टीम के साथ ढिलवा कला में मौजूद थे, जब 02 लोग नेशनल हाईवे-54 के किनारे बस स्टैंड की बेंच पर बैठे थे। पुलिस टीम को देखकर, उन्होंने मोटरसाइकिल स्टार्ट करना शुरू कर दिया, जिसे बिना किसी शक के रोका गया। डीएसपी (इन्वेस्टिगेशन) अवतार सिंह राजपाल की देखरेख में की गई तलाशी के दौरान, 2.011 किलो हेरोइन और ड्रग मनी बरामद हुई, जिसके कारण दोनों लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा, शुरूआती पूछताछ में पता चला कि हेरोइन की जब्त की गई खेप आरोपियों को उनके पिछले सप्लायर से मिली थी, जिसे वे आगे सप्लाई करने के इरादे से ले जा रहे थे। SP फरीदकोट श्री जोगेश्वर सिंह गोराया ने आगे बताया कि जब आरोपियों का क्रिमिनल रिकॉर्ड चेक किया गया तो पता चला कि गिरफ्तार किए गए लोगों का पुराना रिकॉर्ड भी क्रिमिनल है, दोनों आरोपी मार्च-2026 में ही जेल से बाहर आए थे। आरोपी रमन के खिलाफ ड्रग तस्करी के 04 केस और आरोपी विशाल उर्फ घोघा के खिलाफ 01 केस दर्ज हैं। इसके अलावा, गिरफ्तार आरोपियों को माननीय कोर्ट में पेश करके रिमांड पर लिया गया है ताकि आरोपियों के पिछले और पिछले लिंक का पता लगाया जा सके। इस संबंध में सदर कोटकपूरा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(C) और 27(A) के तहत एफआईआर नंबर 105 तारीख 01.05.2026 के तहत केस दर्ज किया गया है। ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी के अलावा, फरीदकोट पुलिस उनके पीछे के नेटवर्क की भी गहराई से जांच कर रही है। उनसे अपील है कि अगर उन्हें ड्रग तस्करी के बारे में कोई जानकारी मिले तो फरीदकोट पुलिस को बताएं, ताकि ड्रग्स को खत्म किया जा सके।

नौसेना प्रमुख का म्यांमार की यात्रा

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी 2 से 5 मई 2026 तक म्यांमार की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

इस यात्रा के दौरान, नौसेना प्रमुख म्यांमार सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, म्यांमार के रक्षा मंत्री जनरल यू हटुन आंग और म्यांमार नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल हेटिन विन के साथ-साथ म्यांमार सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन वाताओं से चल रहे द्विपक्षीय समुद्री सहयोग की समीक्षा करने, परिचालन स्तर पर संबंधों को मजबूत करने और दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग के नए रास्ते तलाशने का अवसर मिलेगा।

इस यात्रा में म्यांमार नौसेना के केंद्रीय नौसेना कमान, नौसेना प्रशिक्षण कमान और प्रथम बेड़े में कार्यक्रम और म्यांमार सशस्त्र बलों के शहीद नायकों के युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करना शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में रक्षा सहयोग से संबंधित कई विषयों पर चर्चा होगी, जिनमें समुद्री सुरक्षा, क्षमता विकास, क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भारतीय नौसेना रक्षा सहयोग बैठकों, स्टाफ वाताओं, प्रशिक्षण आदान-प्रदान और भारत-म्यांमार नौसेना अभ्यास (आईएमएनईएक्स), भारत-म्यांमार समन्वित गश्त (आईएमसीओआर), बंदरगाह के दौरों और जल सर्वेक्षणों सहित परिचालन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से म्यांमार नौसेना के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहती है। इसके अतिरिक्त, दोनों नौसेनाएं नियमित रूप से प्रशिक्षण आदान-प्रदान को आगे बढ़ाती हैं, बहुपक्षीय मंचों में भाग लेती हैं और क्षमता विकास की दिशा में सहयोग करती हैं। म्यांमार ने भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित हालिया सभी कार्यक्रमों में भाग लिया है, जैसे कि हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी, मिलन, अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा, गोवा समुद्री सम्मेलन/संगोष्ठी, आईओएस सागर और एडमिरल कप।

नौसेना प्रमुख की यह यात्रा भारत-म्यांमार के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि करती है। यह मित्रता आपसी सम्मान, विश्वास और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं।

लोहारू क्षेत्र की गौशालाओं को मिलेगा आर्थिक सहयोग : गजानंद अग्रवाल

3 मई को बहल में चेक वितरण समारोह, जेपी दलाल व कंवर सिंह यादव करेंगे वितरण

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 2 मई । लोहारू क्षेत्र की गौशालाओं के लिए राहत भरी खबर है। रविवार, 3 मई को बहल कस्बे में गौशालाओं को सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान राशि के चेक वितरित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम झुंपा रोड स्थित ओम रिसॉर्ट में आयोजित होगा।

श्री अलख गौशाला के प्रधान व पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल।

यह जानकारी देते हुए श्री अलख गौशाला के प्रधान व पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मंत्री जेपी दलाल तथा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे और विभिन्न गौशालाओं को चेक वितरित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान दोनों नेता भाजपा कार्यकताओं की बैठक भी लेंगे, जिसमें संगठन की मजबूती को लेकर दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। आयोजन में क्षेत्र की अनेक गौशालाओं के प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने किया एनआईपीईआर मोहाली का दौरा, औषधीय रसीले पौधों के उद्यान का उद्घाटन

केंद्रीय रसायन और उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर), मोहाली का दौरा किया। इस दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने एनआईपीईआर औषधीय रसीले पौधों के उद्यान का उद्घाटन किया। श्री नड्डा ने संस्थान के रणनीतिक दृष्टिकोण, अनुसंधान प्राथमिकताओं और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की समीक्षा की। एनआईपीईआर मोहाली के निदेशक प्रोफेसर दुलल पांडा द्वारा दिए गए व्यापक प्रस्तुतिकरण में प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों और अनुसंधान एवं उद्योग संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए रोडमैप पर प्रकाश डाला गया। संस्थान ने अपने उत्कृष्टता केंद्रों का प्रदर्शन किया, जिनमें जैव-औषधीय पदार्थों और उभरते चिकित्सीय क्षेत्रों में उन्नत कार्य, साथ ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण में चल रही पहलें शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए, श्री नड्डा ने भारत सरकार की इस प्रतिबद्धता पर जोर दिया कि वह देश को बायोफार्मास्यूटिकल क्षेत्र में हुई प्रगति में सबसे आगे रखेगी- विशेष रूप से एपीआई, प्रमुख शुरूआती सामग्री, सिंथेसिस इंटरमीडिएट्स और बायोलॉजिक्स के क्षेत्र में। उन्होंने अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया, और इस क्षेत्र में नवाचार तथा कार्यान्वयन को गति देने के लिए निरंतर नीतिगत सहयोग और वित्तपोषण का आश्वासन दिया। उन्होंने राष्ट्रीय विकास में योगदान देने वाले कुशल, उद्योग-योग्य पेशेवरों को तैयार करने में संस्थान की भूमिका की भी सराहना की।

फार्मास्युटिकल्स विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी ने संकाय सदस्यों और छात्रों से बातचीत की और उद्योग सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावहारिक अनुसंधान परिणामों को बढ़ाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए पुरस्कार प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया और संकाय सदस्यों को बाहरी अनुदान प्राप्त करने और उद्योग-प्रायोजित अनुसंधान बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देने का सुझाव दिया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रभाव को बढ़ाने के लिए केवल कागजी पेटेंट से हटकर वास्तविक दुनिया में व्यावहारिक उपयोग और व्यावसायीकरण की ओर बढ़ने के महत्व पर भी बल दिया। संस्थान के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए, प्रोफेसर दुलल पांडा ने शोध उत्कृष्टता पर इसके जोर और प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के बढ़ते नेटवर्क की पुष्टि की। उन्होंने सेल और जीन थेरेपी, बायोसिमिलर, चिकित्सा उपकरण, एआई-संचालित फामाकोइन्फॉर्मेटिक्स और उन्नत दवा वितरण प्रणालियों में अत्याधुनिक कार्यों के माध्यम से सरकार के बायोफार्मा शक्ति मिशन को आगे बढ़ाने में संस्थान की सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया। बायोफार्मास्यूटिकल्स और रेगुलेटरी अफेयर्स में नए मास्टर कार्यक्रमों की शुरूआत को भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

इस यात्रा के बाद कन्वेंशन सेंटर के प्रवेश द्वार पर एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जहाँ केंद्रीय मंत्री ने व्यावहारिक अनुसंधान परिणामों को प्रदर्शित करने वाले पोस्टर और प्रोटोटाइप की समीक्षा की।

ग्रेट निकोबार परियोजना: अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (सवाल-जवाब)

ग्रेट निकोबार परियोजना अंडमान सागर में भारत की मौजूदगी को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है। इसका उद्देश्य बंदरगाह-आधारित विकास को संतुलित पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के साथ आगे बढ़ाना है। स्वदेशी समुदायों की सुरक्षा इसकी योजना का केंद्र है। यह परियोजना रणनीतिक, आर्थिक और पारिस्थितिक प्राथमिकताओं को जोड़ती है, ताकि टिकाऊ, समावेशी और राष्ट्रीय हितों के अनुरूप विकास हो।

नीचे दिए गए सवाल-जवाब परियोजना के प्रमुख पहलुओं की समझ प्रदान करते हैं:

1. क्या ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक स्पष्ट रणनीतिक और राष्ट्रीय उद्देश्य की पूर्ति करती है?

ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना रणनीतिक, रक्षा और राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है, जिसे गहन जांच और विचार-विमर्श के बाद शुरू किया गया है। यह परियोजना राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है। परियोजना अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की मौजूदगी को मजबूत करेगी, समुद्री और रक्षा क्षमताओं को विकसित करेगी तथा द्वीप को वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के साथ जोड़ेगी। यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल भी स्थापित करेगी, जिसे बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के प्रतिस्पर्धी बंदरगाहों की तुलना में विशिष्ट लाभ प्राप्त होगा, जो भारत को एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

2. क्या परियोजना में विकास उद्देश्यों के साथ-साथ मजबूत पर्यावरणीय सुरक्षा उपाय शामिल हैं?

परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की व्यापक रूप से पहचान कर मूल्यांकन किया गया है और एक मजबूत 'पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन' (ईआईए) प्रक्रिया और एक विस्तृत 'पर्यावरण प्रबंधन योजना' (ईएमपी) के माध्यम से उन्हें प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा रहा है।

यह मूल्यांकन ईआईए अधिसूचना, 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना, 2019 के अनुसार किया गया है। माननीय एनजीटी के 3 अप्रैल, 2023 के आदेश, जिसमें एनजीटी ने यह माना है कि "इस परियोजना का महत्व न केवल द्वीप और उसके आस-पास के रणनीतिक महत्व वाले क्षेत्रों के आर्थिक विकास से है बल्कि यह रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बहुत मायने रखता है। यहां तक कि अपीलकताओं ने भी इन पहलुओं पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। हालाँकि ट्रिब्यूनल का विचार-विमर्श केवल रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री तक ही सीमित है, फिर भी हमने (बिना किसी टिप्पणी के) मीडिया रिपोर्टों पर भी गौर किया है, जिनमें यह बताया गया है कि यह क्षेत्र चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के अंतर्गत आता है, जिसका मुकाबला भारतीय अधिकारी भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत करने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), और सलीम अली पक्षी विज्ञान और प्राकृतिक इतिहास केंद्र (एसएसीओएन) जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ-साथ आईआईटी, एनआईओटी, एनसीसीआर और एनआईओ जैसे प्रमुख तकनीकी निकाय शामिल रहे। इस दौरान वैज्ञानिक रूप से कठोर और बहु-विषयक मूल्यांकन सुनिश्चित किया गया। हिंद महासागर, भारत और चीन के रणनीतिक हितों के एक प्रमुख मिलन-बिंदु के रूप में उभरा है। इसके अलावा म्यांमार के शिकारियों द्वारा अंडमान के पर्यावरणीय समुद्री संसाधनों के बड़े पैमाने पर शिकार किया जा रहा है जिसके लिए कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अवैध शिकार की इन गतिविधियों में मूँगों को नष्ट करना, शार्क मछलियों को मारना और कीमती मछलियों को पकड़कर ले जाना शामिल है। यह परियोजना द्वीप में बुनियादी ढाँचे की कमी को दूर करने में मदद करेगी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देगी, जिससे ट्रांसशिपमेंट कार्गो (माल के हस्तांतरण) पर होने वाली भारी राशि की बचत होगी। ग्रेट निकोबार में मजबूत और स्थायी रक्षा उपस्थिति की उपलब्धता भारत को समुद्री मार्गों की प्रभावी निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम बनाती है तथा हिंद महासागर में विदेशी शक्तियों की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने में मदद करती है।

उपरोक्त विवरण से पता चलता है कि, ग्रेट निकोबार परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय महत्व की है। यह आर्थिक विकास, अवसंरचना निर्माण और रोजगार सृजन के उद्देश्यों को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ जोड़ती है। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक और विकासात्मक हितों को मजबूती मिलती है।

3. क्या इस परियोजना में द्वीप के वनों और वृक्षों के आवरण को पर्याप्त रूप से संरक्षित और क्षतिपूर्ति दी जाएगी?

इस परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की पूरी तरह से पहचान की गई है। एक मजबूत 'पर्यावरणीय प्रभाव आकलन' (ईआईए) प्रक्रिया तथा एक विस्तृत 'पर्यावरण प्रबंधन योजना' (ईएमपी) के जरिए उनका प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा रहा है। यह मूल्यांकन ईआईए अधिसूचना, 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना,2019 के अनुसार किया गया था। इसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई), भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), और सलीम अली पक्षी विज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केंद्र (एसएसीओएन) जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ-साथ आईटीटी, एनआईओटी, एनसीसीआर और एनआईओ जैसे प्रमुख तकनीकी निकाय शामिल थे। इसने वैज्ञानिक रूप से सख्त और बहु-विषयक मूल्यांकन सुनिश्चित किया।

उनके निष्कर्षों के आधार पर, पर्यावरणीय मंजूरी में कड़े शमन और संरक्षण उपायों को शामिल किया गया है। इनमें जैव विविधता संरक्षण योजनाएं, कोरल संरक्षण और स्थानांतरण, वन्यजीव प्रबंधन रणनीतियां तथा दीर्घकालिक पारिस्थितिक निगरानी शामिल हैं। पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) को पर्याप्त वित्तीय आवंटन और संस्थागत निगरानी का समर्थन प्राप्त है। यह निर्माण और संचालन दोनों चरणों के दौरान शमन उपायों के निरंतर क्रियान्वयन का प्रावधान करती है, जिससे पारिस्थितिक प्रभावों को न्यूनतम, निगरानी में और प्रभावी ढंग से जवाबदेह तरीके से प्रबंधित किया जा सके। क्या द्वीप के जंगलों और पेड़ों के आवरण को पर्याप्त रूप से संरक्षित और क्षतिपूर्ति दी जाएगी?

विकास के लिए केवल 166.1 वर्ग किमी क्षेत्र प्रस्तावित है, जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2% है। इसके अतिरिक्त, परियोजना के लिए 130.75 वर्ग किमी वन क्षेत्र को डायवर्ट करने का प्रस्ताव है, जो कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82% है।

डायवर्ट की जाने वाली 130.75 वर्ग किमी वन भूमि में पेड़ों की कुल अनुमानित संख्या 18.65 लाख है। इनमें से, 49.86 वर्ग किमी वन क्षेत्र में अधिकतम 7.11 लाख पेड़ों को काटे जाने का अनुमान है। पेड़ों की कटाई चरणबद्ध तरीके से की जाएगीः चरण क (2025-2035) में 2.79 लाख पेड़, चरण (2036-2041) में 3.41 लाख पेड़ और चरण- (2042-2047) में 0.91 लाख पेड़ काटे जाएंगे। इसके अलावा, ईसी (ईसी) और एफसी (एफसी) की शर्त के अनुसार, 65.99 वर्ग किमी क्षेत्र को बिना किसी पेड़ की कटाई के हरित क्षेत्र के रूप में रखा जाएगा।

वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत 22.05.2019 के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 75% से अधिक वन आवरण वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को प्रतिपूरक वनीकरण (सीए) के लिए गैर-वन भूमि प्रदान करने से छूट दी गई है और ऐसा प्रतिपूरक वनीकरण इसके बजाय उपलब्ध लैंड बैंक वाले अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में किया जा सकता है।

चूंकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 75% से अधिक वन आवरण है, इसलिए प्रतिपूरक वनीकरण (सीए) केंद्र शासित प्रदेश के बाहर प्रस्तावित है।

शहडोल: लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में योग की गूंज, विधायक एवं अतिथियों ने बेटियों को किया सम्मानित।

समाज जागरण

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज जिला मुख्यालय में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक श्रीमती मनीषा सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बेटियों का शारीरिक और मानसिक सशक्तिकरण रहा, जिसके लिए विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया।

योग से व्यक्तित्व विकास का मंत्र :

कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग विशेषज्ञ योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला ने उपस्थित लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को योग का अभ्यास कराया। उन्होंने बच्चों को एकाग्रता बढ़ाने, तनाव मुक्त रहने और आत्मविश्वास जागृत करने के लिए विभिन्न आसन और ध्यान की क्रियाएं सिखाईं। योगाचार्य ने बेटियों से संवाद करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। यदि बेटियां बचपन से ही योग को अपनाती हैं, तो वे भविष्य में हर क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए मानसिक रूप से तैयार होंगी। बेटियां कैसे अपने आप को संस्कारित एवं चरित्रवान बनाए रखते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकती यह योग हमे सिखाता है।

विधायक ने बढ़ाया बेटियों का उत्साह :

विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने सभी लाड़ली लक्ष्मी बेटियों का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना को प्रदेश की बेटियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली योजना बताया। उन्होंने कहा, आज की बेटियां सशक्त हैं और प्रदेश सरकार उनके जन्म से लेकर शिक्षा और करियर तक हर कदम पर साथ खड़ी है। विधायक महोदया ने बेटियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए ऐसी बेटियों को जो राष्ट्रीय स्तर पर खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया उन्हें प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति :

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, आनंद अग्रवाल, संजीता सिंह आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना के लाभों पर प्रकाश डाला गया और बेटियों को समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया गया। अन्त में अतिथियों ने कलेक्ट्रेट परिसर के लाड़ली लक्ष्मी पार्क में पौधा रोपण किया।

ढाढर पट्टी में आज से बहेगी भक्ति रस की पावन गंगा

तिवारी परिवार में साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ, निकली शोभायात्रा

समाज जागरण

उमरिया --- श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ आज से तिवारी परिवार में होने जा रहा है। जिसके लिए आज तिवारी निवास में निर्मित यज्ञ शाला से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो कि ढाढर पट्टी गाँव में स्थित सभी देव स्थलों में जाकर पूजा आराधना कर यज्ञ में पहुँच कर यज्ञ शांति पूर्ण संपन्न कराने की प्रार्थना की गयी। इस शोभायात्रा में व्यास स्वरुप पूज्यपाद कुल

गुरु अवनीश धर व्दिवेदी और परीक्षितस्वरूप पूज्य पाद बापूजी कमला कांत तिवारी एवं माता जी श्रीमती पुष्पा तिवारी ने अपने सिर पर भागवत पुराण लेकर सभी देव स्थलों पर पहुँच कर प्रार्थना करते हुए शोभायात्रा वापस यज्ञ शाला पहुंची। इस शोभायात्रा में तिवारी परिवार के बंधु बांधवो, उनके रिश्तेदारों और इष्ट मित्रों ने बढ चढ़ कर भाग लिया। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड पडा, जिससे शोभायात्रा का उत्साह बहुगुणित हो गया। ढाढर पट्टी में तिवारी परिवार में साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ 02 मई से 10 मई तक अनवरत रूप से चलेगा।

शोभायात्रा के बाद आज श्रीमद भागवत कथा शुरू हुई, जिसमें वेद व्यास स्वरूप गुरु जी ने श्री मद भागवत कथा के माहात्म्य का पाठ करते हुए कहा की यह भागवत की पुण्य दायी कथा कलयुग के दुखो, पापो और तापो से मुक्ति की अमृत धारा है, जिसमें डुबकी लगाकर कलयुग मे मानव भगवद प्राप्ति का सुगम उपाय है। यह भागवत कथा ज्ञान, वैराग्य और भक्ति की कथा है, जो इस पुण्यमयी कथा का श्रवण करता है उसे सहज ही भगवद् की भक्ति ,सुलभ होती हैं साथ ही वैराग्य के माध्यम से भव बंधन से मुक्ति मिलती है।श्रीमद भागवत कथा के प्रथम दिवस पर मुख्य रूप से माहात्म्य, मंगलाचरण, भागवत की महिमा, परीक्षित के जन्म की कथा, कलयुग का प्रवेश, परीक्षित श्राप की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को सारगर्भित भावो को समझाया गया। आज प्रथम दिवस की कथा से श्रद्धालुओं में आनंद भाव की सरिता में डुबकी लगा भाव विभोर हो गयें।

संपत्ति कर प्रक्रिया में दावा-आपत्ति का अवसर देने की मांग नगर-वासियों ने कलेक्टर को सौंपा था आवेदन, अब भी निर्णय का इंतजार

समाज जागरण उमरिया

नगर परिषद मानपुर में संपत्ति कर निर्धारण का मुद्दा अब केवल कर गणना तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह आम नागरिकों की आर्थिक चिंता और प्रशासनिक जवाबदेही का विषय बनता जा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि मानपुर, सेमरा, सिगुड़ी और गोवरदे पूर्व में ग्राम पंचायत क्षेत्र थे, जहां निवासियों पर इस प्रकार का संपत्ति कर लागू नहीं था। बाद में इन सभी ग्राम पंचायतों को मिलाकर 30 सितंबर 2020 को नगर परिषद मानपुर का गठन किया गया और नगर संचालन की जिम्मेदारी प्रशासक के हाथों में रही।

स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्ष 2020 और 2021 वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण और लंबे लॉकडाउन का कठिन दौर था। इस दौरान आम नागरिक आर्थिक रूप से प्रभावित रहे। ऐसे समय में लोगों का सवाल है कि जब नगर परिषद क्षेत्र में लंबे समय तक प्रशासकीय व्यवस्था रही और निर्वाचित परिषद ने जुलाई 2022 में कार्यभार संभाला, तो संपत्ति कर की देनदारी किस अवधि से लागू मानी जाए, इस पर स्पष्टता जरूरी है।

नागरिकों का कहना है कि संपत्ति कर सीधे परिवारों के मासिक बजट और आजीविका से जुड़ा विषय है। ऐसे में कर निर्धारण, प्रभावी तिथि, गणना पद्धति और देय अवधि को लेकर पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। लोगों का तर्क है कि यदि कर वसूली प्रशासक काल से प्रस्तावित है, तो इस अवधि में उपलब्ध कराई गई मूलभूत सुविधाओं, विकास कार्यों और नागरिक सेवाओं की जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए, जिससे आमजन को यह समझ आ सके कि कर निर्धारण का आधार क्या है।

वहीं संपत्ति कर निर्धारण में वर्ग मीटर और वर्ग फीट संबंधी संशोधन के बाद नागरिकों ने पुनः दावा-आपत्ति का अवसर देने की मांग भी उठाई है। नगरवासियों द्वारा इस संबंध में जिले की नवागत कलेक्टर महोदया को आवेदन सौंपकर मांग की गई है कि जनहित में पूरे प्रकरण की समीक्षा की जाए और नागरिकों को अपनी आपत्तियां दर्ज कराने हेतु पर्याप्त समय दिया जाए।

नगरवासियों का मानना है कि कर व्यवस्था तभी सफल हो सकती है जब उसमें पारदर्शिता, स्पष्टता और जनता की सहभागिता सुनिश्चित हो। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और नगर परिषद इस संवेदनशील विषय पर क्या निर्णय लेते हैं '

48 घंटे बाद भी जल व्यवस्था चरमराई, नगर पालिका की लापरवाही पर जनता में उबाल – अध्यक्ष के निर्देश पर टैंकर व नई बोर की व्यवस्था शुरू

समाज जागरण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मंगली बाजार क्षेत्र में बन रही नई पानी टंकी की खुदाई के दौरान टूटी पाइपलाइन के कारण बीते 48 घंटे से अधिक समय से जल व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त बनी हुई है। कई वार्डों में नल जल सप्लाई ठप है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच पानी के लिए हाहाकार की स्थिति बनी हुई है।

घटना के इतने समय बीत जाने के बावजूद मौके पर जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति ने नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राहत कार्य अब भी केवल नल-जल कर्मचारियों—परसराम बघेल, रामप्रसाद राठौर, मशीन ऑपरेटर धर्मदास राठौर एवं सुशील राठौर—के भरोसे चल रहा है।

इसी बीच, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष मुकेश दुबे के निर्देश पर स्थिति को संभालने के प्रयास तेज किए गए हैं। अध्यक्ष एवं सभी वार्डों के जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयास से प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई की जा रही है। साथ ही, हर वार्ड में नई बोर (बोरवेल) की व्यवस्था भी तेजी से की जा रही है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

इसके बावजूद, स्थानीय लोगों और पार्षदों में प्रशासन की लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश बना हुआ है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पाइपलाइन की मरम्मत कर दी जाती तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

जनता ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि जल्द से जल्द स्थायी समाधान कर जल आपूर्ति सुचारू नहीं की गई और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

नगर पालिका परिषद की इस उदासीनता ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करती रहेगी।

कलेक्टर श्री यादव , पुलिस अधीक्षक श्री सोमवंशी के साथ औचक रूप से पहुचे गेहू खरीदी केंद्र

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह जिले के चंपत पिपरिया खरीदीं केंद्र पर उपार्जन में अनियमितताओं पर कलेक्टर श्री यादव ने दोषियों पर एफआईआर के दिए निर्देश किसानों से तुलाई के नाम पर अवैध वसूली, सैंपल के नाम पर गड़बड़ी और तुलाई में अनियमितता कलेक्टर श्री यादव एवं पुलिस अधीक्षक श्री सोमवंशी ने चम्पत-पिपरिया स्थित उर्पाजन केंद्र का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश कलेक्टर प्रताप नारायण यादव एवं पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के साथ आज प्रातः 11.30 बजे समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रहे गेहूँ की जमीनी हकीकत जानने औचक रूप से पिपरिया चम्पत गेहू खरीदी केंद्र पहुचे। उन्होने पुलिस अधीक्षक श्री सोमवंशी के साथ खरीदी केंद्र का बारीकी से जायजा लिया और किसानो को समिति और खरीदी से जुडे कर्मचारियों को अलग कर किसानो से पूरी बात सामने रखने कहा, किसानो नें अपनी आपबीती सुना दी। सुनते ही कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने खाद्य और संबंधित अधिकारियों को दो टूक कहा लापरवाही पर सख्त कार्यवाही होगी। कलेक्टर श्री यादव ने तत्काल ही एसडीएम पथरिया को संबंधितो के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक के साथ तौल प्रक्रिया का अवलोकन किया। किसानों ने बताया कि तुलाई के नाम पर उनसे अवैध रूप से अतिरिक्त पैसे वसूले जा रहे हैं, जबकि शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि किसानों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा सैंपल के नाम पर अधिक मात्रा (3 से 5 किलो तक) अनधिकृत व्यक्ति द्वारा रखी जा रही है। किसानों ने यह भी शिकायत की कि वेयरहाउस संचालक और पल्लेदार मिलकर तौल में हेरफेर कर रहे हैं, निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि किसानों को समय पर पर्चियां नहीं दी जा रही हैं। कंप्यूटर रिकॉर्ड में 24 अप्रैल की पर्ची अभी तक बनाई जा रही थी, जिसे कलेक्टर ने गंभीर लापरवाही बताया।

इन अनियमितताओं पर कलेक्टर श्री यादव ने तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। समिति प्रबंधक की लापरवाही पर भी कार्रवाई की बात कही गई है। कलेक्टर श्री यादव ने कहा किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों को कठोर दंड दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार का भुगतान न करें और समस्याओं की सूचना कंट्रोल रूम में दें। उन्होने आश्वासन दिया है कि उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा और भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

किसानों के हित में कलेक्टर का स्पष्ट संदेश

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने खरीदी केंद्र पर तौल व्यवस्था को लेकर दिए स्पष्ट निर्देश जूट बारदाना 580 ग्राम एवं प्लास्टिक बारदाना 150 ग्राम मानकर ही तौल की जाए। ह्लथोड़ा बहुत अंतर संभव है, लेकिन किसान भाई किसी भी स्थिति में परेशान नहीं होने चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। जूट बोरा में 50.600 व प्लास्टिक बारी में 50.150 किलो ग्राम तुलवाई की जायेगी। अनाधिकृत रूप से सेम्पेल नहीं लिया जायेगा।

सही तौल - किसान का पूरा कलेक्टर ने स्वयं खरीदी केंद्र पहुंचकर गेहूं तौल प्रक्रिया का निरीक्षण किया और निर्देश दिए कि प्रत्येक तौल स्पष्ट, सही माप के साथ एवं लिखित रूप में प्रदर्शित हो, ताकि किसान अपने हक की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें।

किसान की पीड़ा समझना ही सच्ची सेवा है

कलेक्टर ने खरीदी केंद्र पर सख्त संदेश देते हुए कहा कि किसान दिन-रात मेहनत कर अन्न उपजाता है, इसलिए उसकी हर समस्या को गंभीरता से सुनना और समझना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी स्वयं आगे बढ़कर किसान भाइयों से समस्याएं पूछें, ताकि उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके।

किसान और पल्लेदार – दोनों हमारे अपने

कलेक्टर ने खरीदी केंद्र पर किसान के कंधे पर हाथ रखकर आत्मीयता से कहा कि किसान और पल्लेदार दोनों एक ही परिवार का हिस्सा हैं। उन्होंने पल्लेदारों से आग्रह किया कि तौल के लिए किसानों से कोई राशि न लें, क्योंकि निर्धारित नियमों के अनुसार उनका भुगतान समिति द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। किसान भाइयों को भी आश्वस्त किया गया कि उपार्जन केंद्र पर किसी प्रकार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है, तुलाई एवं पल्लेदारी का खर्च समिति वहन करेगी।

सभागार कक्ष में आयोजित हुआ समूर्ण समाधान तहसील दिवस

समाधान तहसील दिवस की अध्यक्षता एसडीएम पवन पटेल द्वारा की गई

एसडीएम पवन पटेल ने सुनी फरियादियों की फरियाद

विवेक कुमार समाज जागरण

सम्पूर्ण समाधान तहसील दिवस में शिकायतकर्ता अपनी शिकायत को लेकर समाधान दिवस पर पहुँचे एसडीएम पवन पटेल ने फरियादियों की समस्या का तत्काली निस्तारण कराने को लेकर संबंधित विभाग को दिशा निर्देश दिए गया

एसडीएम पवन पटेल, एसीपी विकास पांडेय ,तहसीलदार ॠतिराज शुक्ला, नायब मोहनलालगंज गुरुप्रीत सिंह,नायब तहसीलदार गोसाईगंज शौव्या मिश्रा, नायब तहसीलदार वसुंधरा सिंह, नायब तहसीलदार निगोहां गोवर्धन शुक्ला,थाना प्रभारी बृजेश त्रिपाठी ने फरियादियों की फरियाद सुनी

हटा सिविल अस्पताल में हंगामा : डॉक्टर-परिजनों में विवाद, मारपीट के आरोप, दो युवक हिरासत में

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह /हटा। हटा के सिविल अस्पताल में शुक्रवार शाम डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने प्रेमपुरा निवासी दो युवकों बिट्टू ठाकुर और भानु ठाकुर को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया, वहीं डॉक्टर भी शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।

परिजनों का आरोप: पर्चे के लिए अधिक पैसे मांगने पर विवाद

मरीज पक्ष के भानु ठाकुर ने बताया कि उनके भाई अजय ठाकुर को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर वे अस्पताल आए थे, लेकिन ड्यूटी पर डॉक्टर मौजूद नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ओपीडी पर्ची के लिए निर्धारित 20 रुपए की जगह 50 रुपए मांगे जा रहे थे। विरोध करने और वीडियो बनाने पर डॉक्टरों व कर्मचारियों ने उन्हें कमरे में बंद कर मारपीट की।

बिट्टू ठाकुर ने भी आरोप दोहराते हुए कहा कि वे केवल इलाज के लिए आए थे और किसी के साथ अभद्रता नहीं की, लेकिन वीडियो बनाने पर उनके साथ मारपीट की गई।

डॉक्टरों का पक्ष : नशे में थे युवक, की अभद्रता

वहीं, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर चैतन्य साहू ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युवक शराब के नशे में थे और अस्पताल स्टाफ से अभद्र व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मरीज अधिक होने के कारण थोड़ी देर प्रतीक्षा करने को कहा गया, लेकिन दोनों युवक गाली-गलौज और धक्का-मुक्की करने लगे। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को बुलाना पड़ा।

डॉक्टर के अनुसार, अस्पताल स्टाफ ने किसी के साथ मारपीट नहीं की, बल्कि युवकों को समझाने का प्रयास किया गया। साथ ही जिस मरीज को वे लेकर आए थे, उसे भर्ती कर उपचार भी शुरू कर दिया गया है।

पुलिस जांच जारी

पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए हैं और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दमोह में अवैध कच्ची शराब पर बड़ी कार्रवाई

दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार, 20 लीटर महुआ व 25 पाव देशी शराब जब्त

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। दमोह देहात थाना क्षेत्र की जबलपुर नाका पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए शुक्रवार रात दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 20 लीटर महुआ शराब और 25 पाव लाल मसाला शराब जब्त की है।

अभियान के तहत दबिश, तीन प्रकरण दर्ज

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जबलपुर नाका चौकी प्रभारी प्रियंका पटेल और उनकी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(1) के तहत मामला कायम किया गया।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने किशन तलैया निवासी संजना कुचबंदिया,अर्चना कुचबंदिया और बिजोरी निवासी दुर्गेश यादव को गिरफ्तार किया है। सभी के पास से अवैध शराब बरामद हुई है।

आत्महत्या के बाद बढ़ी सख्ती

जानकारी के अनुसार, तीन दिन पूर्व असाटी वार्ड में एक युवक ने कच्ची शराब के नशे में आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद परिजनों ने क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री की शिकायत की थी।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई

मृतक के परिजनों ने किशन तलैया इलाके में बड़े पैमाने पर कच्ची शराब बनाए जाने का आरोप लगाया था। शिकायत मिलते ही पुलिस ने दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भागवत कथा में श्रद्धालुओं ने श्री कृष्ण एवं श्रीराम जन्मोत्सव की कथा सुनी,कथा में धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

हटा/ सुनार नदी के तट पर स्थित सर्व ब्राह्मण धर्मशाला में श्रीमती विमला परसोत्तम पन्या परिवार द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन कथावाचक पं. वीरेन्द्र शास्त्री जी महाराज ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतान के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कथा के दौरान जैसे भगवान का जन्म हुआ तो पूरा कथा स्थल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। लोग झूमने नाचने लगे। भगवान श्रीकृष्ण के वेश में नन्हे बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित नजर आ रहे थे। भगवान के जन्म की खुशी पर महिलाओं ने अपने घरों से लाए गुड़ के लड्डुओं से भगवान को भोग लगाया। उन्होंने बताया कि कैसे भगवान श्रीकृष्ण ने आमोद प्रमोद के साथ कई राक्षसों का संहार किया और लोगों का कल्याण किया।

उन्होंने भगवान कृष्ण की कई लीलाओं का वर्णन किया। पं. वीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में लिखे मंत्र और श्लोक केवल भगवान की आराधना और उनके चरित्र का वर्णन ही नहीं है। श्रीमद्भागवत की कथा में वह सारे तत्व हैं जिनके माध्यम से जीव अपना तो कल्याण कर ही सकता है साथ में अपने से जुड़े हुए लोगों का भी कल्याण करता है। जीवन में व्यक्ति को अवश्य ही भागवत कथा का श्रवण करना चाहिए। बिना आमंत्रण के भी अगर कहीं भागवत कथा हो रही है तो वहां अवश्य जाना चाहि। शास्त्री जी ने संतों के संबंध में कहा है कि संत का परिचय संत का भेष नहीं होता है। उनका तो मुख्य भेष उनका गुण होता है। उन्होंने श्रीकृष्ण एवं श्रीराम से संस्कार की सीख लेने की बात कही। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं जानते थे कि वह परमात्मा हैं। उसके बाद भी वह अपने माता पिता, गुरु के चरणों को प्रणाम करने में कभी संकोच नहीं करते थे। यह सीख भगवान श्रीकृष्ण से सभी को लेनी चाहिए। कथा के दौरान अजब धाम से छोटे सरकार, जी विधायक उमादेवी खटीक, पूर्व विधायक पीएल तंतुवाय, जनपद अध्यक्ष गंगाराम पटेल, निरीक्षक सरोज ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कक्षा 10 की मेधावी बालिकाओं का सम्मान, विधायक उमादेवी खटीक ने बढ़ाया बेटियों का उत्साह

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह जिले के हटा परियोजना अंतर्गत कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर विधायक हटा उमादेवी खटीक ने उपस्थित होकर बेटियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक उमादेवी

खटीक ने लाड़ली प्रमाण पत्र वितरित किए तथा कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने छात्राओं से मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखने का आह्वान किया। इस सम्मान समारोह में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम से छात्राओं में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बेटियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

मजदूर दिवस पर महिला जैन मिलन जिनवाणी शाखा द्वारा निशुल्क प्याऊ का शुभारंभ

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह - मजदूर दिवस के अवसर पर महिला जैन मिलन जिनवाणी शाखा दमोह द्वारा सेवा एवं परोपकार की भावना को साकार करते हुए दमोह फिजियोथैरेपी क्लीनिक के पास भीषण गर्मी के बीच राहगीरों, मजदूरों एवं आमजन को ठंडा जल उपलब्ध

कराने निशुल्क प्याऊ (शीतल जल सेवा) का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर शाखा की अध्यक्ष वीरांगना वंदना जैन, मंत्री वीरांगना प्रिया गंगरा एवं कोषाध्यक्ष शिवांगी जैन सहित शाखा की सभी वीरांगना बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्य में सहयोग किया और जनसेवा के इस पुनीत कार्य को सफल बनाया।

अनपरा तापीय परियोजनाः अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिक सुविधा केंद्र का भव्य उद्घाटन

श्रमिकों के सम्मान में अनपरा परियोजना की अनूठी पहल जब श्रमिक होगा खुशहाल, तभी संस्थान होगा निहाल

ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र अनपरा तापीय परियोजना ने इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस को केवल एक औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने के एक नए अध्याय के रूप में मनाया। परियोजना परिसर में नवनिर्मित श्रमिक सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हुए मुख्य महाप्रबंधक इं. अजय कुमार ने जो शब्द कहे, वे आज हर श्रमिक के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने के लिए पर्याप्त थे।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक ने स्पष्ट किया कि किसी भी संस्थान की असली शक्ति उसकी मशीनें नहीं, बल्कि उसके पीछे काम करने वाले हाथ होते हैं। उन्होंने कहा, श्रमिक हमारे संस्थान की रीढ़ हैं। उनकी सुविधा और स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारा केवल प्रशासनिक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व है। यह सुविधा केंद्र, जो एक पुराने भवन को आधुनिक रूप देकर तैयार किया गया है, अब श्रमिकों के लिए आराम, स्वच्छता और प्राथमिक चिकित्सा का प्रमुख केंद्र बनेगा। प्रबंधन के अनुसार, यह केंद्र मात्र ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं है, बल्कि उन श्रमिकों के कठिन परिश्रम के प्रति संस्थान का एक समर्पित सलाम है। यह पूरी पहल मयूर माहेश्वरी (IAS), प्रबंध निदेशक, उ.नि.लि. के उन निर्देशों का परिणाम है, जिसमें उन्होंने श्रमिक कल्याण को सर्वोपरि रखने की बात कही थी। उनके मार्गदर्शन में यह सुनिश्चित किया गया कि कार्यस्थल पर श्रमिकों को वे बुनियादी सुविधाएं मिलें, जिनके वे हकदार हैं, जैसे विश्राम के लिए आधुनिक व्यवस्था। शुद्ध पेयजल और स्वच्छ शौचालय। मोबाइल चार्जिंग और प्राथमिक उपचार जैसी तात्कालिक सुविधाएं।कार्यक्रम के दौरान एक अत्यंत प्रभावी विचार साझा किया गया कि जब श्रमिक खुशहाल होगा, तभी संस्थान और देश निहाल होगा। यह दर्शन दशार्ता है कि अनपरा प्रबंधन केवल उत्पादन के आंकड़ों पर नहीं, बल्कि मानवीय पूंजी के निवेश पर विश्वास करता है। उद्घाटन समारोह के दौरान परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों का जमावड़ा रहा, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे। महाप्रबंधकगण इं. दूधनाथ यादव (अताप), इं. निखिल चतुवेर्दी (प्रशासन), इं चंद्र प्रकाश (बताप), इं प्रशांत त्रिपाठी (दताप)इं निशीथ शर्मा (जानपद), क अन्य अभियन्तागण मे इं. कर्मेन्द्र सिंह इं. उत्पल शंकर, इं संदीप रजक, इं अच्युतेश कुमार, इं विजय कुमार दिनकर, इं आलोक त्रिपाठी, इं संजय कुमार सिंह, इं कृपा शंकर सचान, इं ,इं महेन्द्र सिंह,इं. कुमार गौरव, इं मनोज प्रसाद, इं पवन तिवारी, इं संजय महतो, इं राम ज्ञान सिंह, इं असुरजीत शर्मा, इं प्रवीण कश्यप, इं विष्णु देव झा के साथ परियोजना के लगभग सभी सम्मानित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे कार्यक्रम के सफल समन्वय और आयोजन में इं. आशुतोष सिंह (अधिशासी अभियन्ता) की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही इनके द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्पगुछ भेंट किया गया तथा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक इं. अजय कुमार ने सभी को मई दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा श्रमिक हमारे संस्थान की रीढ़ हैं। उनकी सुविधा और स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारा नैतिक दायित्व है। यह सुविधा केंद्र मात्र एक भवन नहीं, बल्कि उनके कठिन परिश्रम के प्रति हमारा सम्मान है। भविष्य में भी हम श्रमिकों के कल्याण हेतु ऐसे प्रयासों को निरंतर जारी रखेंगे।

दिव्यांग युवक को नहीं मिल रही सरकारी योजनाओं का लाभ, परिवार परेशान

समाज जागर/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद के नगवां ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत डोरिया से प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां 22 वर्षीय दिव्यांग युवक हिमांचल पुत्र लालता को अब तक सरकारी योजनाओं का कोई लाभ नहीं मिल सका है। जबकि सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। पीड़ित युवक की बहन ने बताया कि उसका भाई जन्म से ही दिव्यांग है और दैनिक जीवन के सामान्य कार्यों के लिए भी दूसरों पर निर्भर है। सामान्य स्थित न होने से पढ़ाई भी नहीं कर रहा, परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद कमजोर है, जिसके चलते उन्हें उम्मीद थी कि सरकार की ओर से मिलने वाली पेंशन, आवास, या अन्य सहायता योजनाओं का लाभ मिलेगा। लेकिन अब तक उन्हें किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। परिजनों का आरोप है कि वे कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों के पास जाकर आवेदन कर चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन देकर वापस लौटा दिया जाता है। कभी दस्तावेजों की कमी बताई जाती है तो कभी प्रक्रिया लंबित होने की बात कहकर टाल दिया जाता है। इससे परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है, बल्कि कई पात्र लाभार्थी सरकारी तंत्र की सुस्ती और लापरवाही के कारण योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों में त्वरित जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और पात्र व्यक्तियों को तत्काल योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और पीड़ित युवक को उसका हक कब तक दिलाया जाता है।

ईदगाह रोड पुलिया पर अंधेरा बना खतरा , हाईमास्ट लाइट न लगने से लोगों में आक्रोश

भ्रष्टाचार का पर्याय बना आदर्श नगर पंचायत चोपन

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। आदर्श नगर पंचायत चोपन क्षेत्र अंतर्गत ईदगाह रोड पुलिया पर पिछले करीब दो वर्षों से फैला अंधेरा अब स्थानीय लोगों के लिए बड़ी समस्या और संभावित हादसों का कारण बनता जा रहा है। नागरिकों का आरोप है कि आंधी-तूफान में गिरी हाईमास्ट लाइट को नगर पंचायत द्वारा हटवा तो दिया गया, लेकिन आज तक उसकी मरम्मत या पुनः स्थापना नहीं कराई गई, जिससे क्षेत्र पूरी तरह अंधेरे में डूबा हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मार्ग एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जो एक कॉलोनी को दूसरी कॉलोनी से जोड़ता है। लोग इसे शॉर्टकट के रूप में भी इस्तेमाल करते हैं। रात के समय यहां घना अंधेरा रहता है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुलिया के पास एक बड़ा नाला भी स्थित है, जिससे दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व यहां सक्रिय रहते हैं, जिससे सुरक्षा का भी खतरा बना रहता है। गौरव नगर और अवकाश नगर के निवासियों ने नगर पंचायत से मांग की है कि जल्द से जल्द हाईमास्ट लाइट की मरम्मत कर उसे पुनः स्थापित किया जाए, ताकि क्षेत्र में रोशनी बहाल हो सके। बता दे कि सोशल मिडिया पर आदर्श नगर पंचायत चोपन में हो रहे विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को लेकर मुहीम छीड़ी हुई है लगातार पोस्ट पर पक्ष और विपक्ष में कमेंट आ रहे है, फिर भी मामला संज्ञान में नहीं लिया जा रहा। इसके साथ ही लोगों ने नगर पंचायत चोपन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नगर में लगे कई हाईमास्ट लाइट सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं और जहां रोशनी होनी चाहिए, वहां पर्याप्त प्रकाश नहीं मिल रहा है।

आरोप है कि विकास कार्यों में ठेकेदारों की मनमानी और कमीशन खोरी के कारण गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे जिलाधिकारी से शिकायत करने को बाध्य होंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी प्राथमिकता देता है और क्षेत्रवासियों को राहत कब तक मिल पाती है।

पटवध जलापूर्ति परियोजना का सदर विधायक ने किया औचक निरीक्षण, कार्य प्रगति पर जताई नाराजगी

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। भाजपा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल-हर घर जल के अंतर्गत पटवध में संचालित जलापूर्ति परियोजना का शनिवार को सदर विधायक भूपेश चौबे ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केंद्र सरकार के नेतृत्व में नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ द्वारा हर घर जल का जो संकल्प लिया गया है, उसे हर हाल में धरातल पर उतारा जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली और पाया कि निर्धारित समय के अनुसार कार्य पूरा नहीं हो रहा है। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी योजना के क्रियान्वयन में बाधा बनता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने कहा कि सरकार की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है– हर गरीब और जरूरतमंद परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य को पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द से जल्द इस योजना का लाभ मिल सके। इस मौके पर विभागीय अधिकारी, कर्मचारी तथा कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विधायक ने स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि जल्द ही जलापूर्ति व्यवस्था सुचारु रूप से शुरू कर दी जाएगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर 100 कर्मियों की टीम ने संभाली कमान

ब्यूरो चीफ, विजय कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं मरम्मत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शिवद्वार मंदिर परिसर और शाहगंज मार्केट क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया, जिससे दोनों स्थानों पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। शिवद्वार मंदिर परिसर में यह अभियान जिलाधिकारी के हालिया निरीक्षण के बाद शुरू किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर और उसके आसपास गंदगी, नालियों की खराब स्थिति तथा सार्वजनिक सुलभ शौचालय की जर्जर व्यवस्था पर गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को तत्काल प्रभाव से सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और शौचालय की मरम्मत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए थे।

इन निर्देशों के अनुपालन में सफाई कर्मियों की टीम ने मंदिर परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाया। अभियान के तहत कूड़ा-करकट हटाया गया, नालियों की साफ-सफाई की गई और पूरे परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। साथ ही सार्वजनिक शौचालय की मरम्मत का कार्य भी तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

दूसरी ओर, शाहगंज मार्केट में भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 100 सफाई कर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान पूरे बाजार क्षेत्र में नालियों की गहन सफाई की गई, सड़कों से कचरा हटाया गया और जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर सफाई कार्यों की मॉनिटरिंग की, जिससे कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा हो सका। यह अभियान भी जिलाधिकारी के निरीक्षण के बाद शुरू किया गया था, जिसमें शाहगंज मार्केट में फैली गंदगी पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। इसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। इस पहल से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है। लोगों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि कहीं लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चोपन के पटवध में नामांकन अभियान तेज , 15 बच्चों का स्कूल में प्रवेश

ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। चोपन ब्लॉक अंतर्गत पटवध की चेरो बस्ती में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष नामांकन अभियान चलाया गया। इस दौरान मोहल्ला भ्रमण कर लगभग 30 परिवारों से संपर्क किया गया और अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में 15 बच्चों का नामांकन कराया गया, जिससे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल देखने को मिला। साथ ही परिवारों को फैमिली आईडी के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और मौके पर ही 3 परिवारों की फैमिली आईडी भी जनरेट की गई। भ्रमण के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी दी गई। अभिभावकों को बताया गया कि बच्चों को विद्यालय में निःशुल्क मध्याह्न भोजन, फल, दूध वितरण की सुविधा मिलती है। इसके अलावा डीबीटी(Direct Benefit Transfer) के माध्यम से 1200 रुपये की सहायता भी प्रदान की जाती है। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल बन सके। इस अभियान में खंड शिक्षा अधिकारी चोपन लोकेश कुमार मिश्रा, प्रधान प्रतिनिधि सूरज कुमार, एआरपी वंश दीप, ज्ञान प्रकाश, प्रशांत कुमार अवस्थी सहित क्षेत्र के शिक्षक, अभिभावक और बच्चे मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे, जिससे हर बच्चे तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

संपूर्ण समाधान दिवस में सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल, अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ, विजय कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। ओबरा तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान सड़क निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर अधिवक्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के समक्ष गंभीर शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान अधिवक्ताओं ने तेलगुड़वा से कोन तथा कोन से विंढमगंज मार्ग के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और मानकों के अनुरूप कार्य कराए जाने की मांग की। ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण के दौरान आवश्यक मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। विशेष रूप से पानी के छिड़काव की व्यवस्था न के बराबर है, जिसके कारण सड़क की सतह ठीक से सघन नहीं हो पा रही और लगातार धूल उड़ रही है। इससे राहगीरों, स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण सांस संबंधी बीमारियों, दमा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने की आशंका भी जताई गई है। इसके अलावा अधिवक्ताओं ने यह भी बताया कि सड़क निर्माण में कई स्थानों पर गड्ढे छोड़े जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। आरसीसी ड्रेन और सड़क के जोड़ भी सही तरीके से नहीं किए गए हैं, जिसके चलते वाहन अनियंत्रित होकर पलट सकते हैं। तेलगुड़वा से कोटा कनहर तक बने मार्ग पर दोपहिया वाहनों के चलने मात्र से ही सड़क पर निशान पड़ने लगे हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि कई स्थानों पर पुरानी सड़क को हटाए बिना ही सोलिंग डाल दी गई है, जो भारी वाहनों के दबाव में जल्द ही क्षतिग्रस्त हो सकती है। अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि आरटीआई के माध्यम से कई बार निर्माण मानकों की जानकारी मांगी गई, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। अधिवक्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए तथा निर्माण से संबंधित सभी तकनीकी मानकों की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराई जाए। साथ ही धूल नियंत्रण के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित करने और आवश्यक होने पर किसानों के सहयोग से भी पानी उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रभास कुमार पांडेय, संपूर्णानंद, विनय कुमार कनौजिया, अजीत कुमार, प्रभाकर दुबे, सुदामा दुबे, राधेश्याम, विकास कुमार, दिवाकर कनौजिया, मुकेश कनौजिया, हरिशंकर यादव, ईश्वर जायसवाल सहित कई अधिवक्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने का आश्वासन दिया है। अब यह देखना होगा कि शिकायतों के आधार पर संबंधित विभाग कितनी जल्द कार्रवाई करता है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है या नहीं।

फल लदा ट्रक व कार टकराया ट्रक पलटा, कार सवार तीन घायल

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरि

डाला/ सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र अंतर्गत रानीताली क्षेत्र में ट्रक की चपेट में आई एक कार और ट्रक दोनो पलट गई जिसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, एक मामूली रूप से चोटिल हो गया। जिन्हें तत्काल टोल प्लाजा एंबुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी चोपन भेजा गया ।

जानकारी के मुताबिक हाथीनाला थाना अंतर्गत वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग स्थित रानीताली क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम को रॉबर्ट्सगंज की तरफ जा रही कार एक फल लदे ट्रक की चपेट में आ जाने से ट्रक और कार पलट गई, जिससे कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ट्रक चालक मामूली रूप से चोटिल हो गया। बताया जा रहा है कि झारखंड प्रांत के डाल्टनगंज निवासीगण कार सवार रॉबर्ट्सगंज की तरफ से एक मांगलिक कार्यक्रम (तिलकोत्सव) में शामिल होने के बाद वापस डाल्टनगंज के लिए जा रहे थे कि रानीताली क्षेत्र मे हाथीनाला की तरफ जा रहे फल लदे ट्रक की चपेट में आ गए जिससे कार पलट गई। कार में सवार रौनक (16), वैभव (18), राजेंद्र निवासीगण डाल्टनगंज झारखंड गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के मालोघाट स्थित टोल प्लाजा की एंबुलेंस से सीएचसी चोपन भेजा गया। सीएचसी चोपन के चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

स्वयं सहायता समूह के नाम पर धोखाधड़ी, बैंक सखी पर 90 हजार रुपये गबन का आरोप

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिरधी से स्वयं सहायता समूह से जुड़ा एक गंभीर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ग्राम निवासी आशा देवी, जो कोमल आजीविका स्वयं सहायता समूह की सखी एवं अध्यक्ष हैं, ने तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर बैंक सखी किरन देवी पर समूह के धन के गबन का आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, किरन देवी, पत्नी संदीप कुमार, इंडियन बैंक शाखा नई बाजार में बैंक सखी के रूप में कार्यरत हैं। आरोप है कि उन्होंने समूह की क्रेडिट लिमिट (CCL) बढ़वाने के नाम पर आशा देवी सहित समूह की अन्य महिलाओं का विश्वास जीता और उनसे आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोहर, रजिस्टर, ट्रांसफर पर्ची तथा सादे विड्रॉल फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा लिए। पीड़िता के अनुसार, किरन देवी ने आश्वासन दिया था कि एक-दो महीने के भीतर समूह की लिमिट तीन लाख रुपये तक बढ़ा दी जाएगी। इसके बाद पासबुक अपडेट कराने के बहाने दस्तावेज अपने पास रख लिए गए। कुछ समय बाद जब पासबुक वापस मिली, तो उसमें केवल फोटो और पता दर्ज था, जबकि लेन-देन का कोई विवरण अंकित नहीं था। मामले का खुलासा तब हुआ जब ब्लॉक स्तर की अधिकारी ममता द्वारा समूह की महिलाओं को अपने-अपने खातों का स्टेटमेंट निकलवाने के निर्देश दिए गए। स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि दिनांक 24 मार्च 2026 को समूह के खाते से 90,000 रुपये किरन देवी द्वारा अपने निजी खाते में ट्रांसफर कर निकाल लिए गए। आशा देवी ने यह भी आरोप लगाया है कि यह कोई एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि किरन देवी द्वारा अन्य स्वयं सहायता समूहों के साथ भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी की गई है। आरोप है कि उन्होंने अपनी सास, देवरानी और अन्य रिश्तेदारों के खातों में भी समूह का पैसा ट्रांसफर कराया है। पीड़ित महिलाओं का कहना है कि इस घटना से उन पर कर्ज का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है और वे मानसिक व आर्थिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी बैंक सखी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और समूह का पूरा पैसा वापस दिलाया जाए। इस संबंध में तहसील प्रशासन ने शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जांच का आश्वासन दिया है। एसडीएम रॉबर्ट्सगंज अश्वनी कुमार ने कहा मामला से एडीएम को अवगत करा दिया गया है और मामले की तह तक जाकर जांच की जाएगी, शिकायतकर्ता के साथ न्याय होगा। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी जल्द कार्रवाई करता है और पीड़ित महिलाओं को न्याय कब तक मिल पाता है।

वृद्धाश्रम में पहुंच कर लोगो को बाटे कपड़े

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जिले के लालपुर वृद्धाश्रम रह रही महिलाओं और पुरुषों के बीच आज पहुंचे पांडेयपुर निरीक्षक राजीव सिंह और उनकी पत्नी ने वृद्धा आश्रम पहुंचकर वृद्ध व असहाय लोगों को मिष्ठान, फल व वस्त्र आदि वितरित कर हालचाल लिया। साथ रह रहे लोगों की स्वास्थ की चिंता करते

हुए आगे से लगातार स्वास्थ विभाग द्वारा इन लोगों की जांच और उपचार कराने की भी बात करते हुए ,वृद्धजनों को हर संभव मदद दिलाने का भी भरोसा दिया ।उनके साथ उपस्थित रहे मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी बाबा ने कहा हम सभी का दुर्भाग्य है कि हमारे अभिभावक को वृद्धा आश्रम में रहना पड़ रहा हैं ।लेकिन हमसे जितना मददत हो सकता हैं हम उतना बीच बीच में आ कर करता रहता हूं ।साथ सभी लोगों से अपील भी किया कि अपने माता पिता को ही भगवान मान कर उनके सेवा करे ।उनके साथ संगठन के अन्य सदस्यों के साथ क्षेत्रीय लोग शामिल रहे।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बडागांव में आर जे शंकरा आई हॉस्पिटल एवं बजाज परिवार रविन्द्रपुरी द्वारा स्वर्गीय कैसर चन्द्र बजाज के जयंती के अवसर पर जिला अंधता निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत निःशुल्क

नेत्र परिक्षण एवं मोतियाबिन्द जांच का शिविर आयोजित किया गया । परीक्षण में लिए कुल 29 मरीज शिविर में आये जिसमें से 8 लोगों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चुना गया, 5 लोग शुगर और बी.पी.की समस्या से ग्रसित थे, उन्हें अगले शिविर में आने के लिए कहा गया है। मरीजों को शंकरा हॉस्पिटल बस द्वारा ले जाया जायेगा, अस्पताल में उनके रहने और आपरेशन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल से पंकज त्रिपाठी एवं उनकी टीम ने मरीजों की जांच-पड़ताल की ।नेत्र शिविर में बजाज परिवार ने शिविर की पूरी व्यवस्था संभाली। उपरोक्त जानकारी कैंप आर्गनाइजर संदीप कुमार सिंह ने दी।

डालिम्स सनबीम स्कूल गांधीनगर में श्रमिक दिवस का हर्षोल्लास के साथ आयोजन

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर में श्रमिक दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक हर्ष राय,

प्रधानाचार्य एवं अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती के पूजन के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत छात्रों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई, जिसने पूरे माहौल को उल्लासपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर केजी कक्षा के नन्हे बच्चों ने विद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए, जो सभी के लिए भावुक और प्रेरणादायक क्षण रहा।

निदेशक हर्ष राय ने अपने संबोधन में सभी कर्मचारियों का स्वागत करते हुए श्रम की गरिमा के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी के योगदान की सराहना की। इसके बाद केक काटकर इस विशेष दिन को मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और खूब आनंद उठाया। अंत में सभी ने मिलकर इस दिन को यादगार बनाया।

विषम परिस्थितियों में मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है : टी0 राम

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी विषम परिस्थितियों में मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है।

उक्त बातें शमीर्ला इंटरमीडिएट कालेज पुआरी खुर्द में टॉप टेन में सफलता प्राप्त करने वाले मेघावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक त्रिभुवन राम ने सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर टॉप टेन में जगह बनाने वाले बच्चों को पुरस्कृत करने के बाद अपने सम्बोधन में व्यक्त किया।

विशिष्ट अतिथि एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि जीवन मे सफलता कठिन परिश्रम से ही मिलती है।

यू0पी0 बोर्ड हाईस्कूल जिले में टॉप टेन में टॉपर छात्र शिवम कुमार 95.83%तीसरा स्थान को साइकिल ,शालिनी सिंह 94.50% नौंवा स्थान,राजनन्दिनी पटेल 94.33% दसवां स्थान को फरार्टा फैन देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया ।तथा विद्यालय में प्रतिभशाली राहुल कुमार पटेल 92%,हेमंत वर्मा 91.50,अनुराग कुमार 90.50%, व स्नेहा90.50% इंटरमीडिएट रिजल्ट में स्मृति प्रजापति86.6% ,निशि पटेल85%, आर्यन पटेल 82.8%, पवन कुमार

सिंह 81.6% व खुशी पटेल 80.2% को टिफिन, बोतल सहित अन्य स्टेशनरी सामग्री प्रदान कर अतिथियों ने सम्मानित किया।

विद्यालय के प्रबन्धक व प्रधानाचार्य ने अतिथियों को अंगवस्त्र ,स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर अभिभावक आर0बी0 यादव, जवाहर प्रजापति, कमलेश पटेल ,अभय प्रजापति ,रामाश्रय पटेल,राजू राम व प्रधान विजय गौतम को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप खेल निदेशक उ0प्र0 सरकार रिटायर्ड एल0 आर0 पटेल ने किया। शिक्षक रामानन्द प्रजापति ,शिवशंकर ,रामअधार, प्रमोदकुमार ,राहुल ,रेनू ,सुनीता , हिमांशु,कोच हेमंत व श्री नाथ पटेल को भी सम्मानित किया गया।

धन्यवाद ज्ञापित प्यारे लाल व संचालन डॉ0 सदानन्द प्रजापति ने किया।

सुख ,समृद्धि ,शांति की कामना को लेकर हनुमान मंदिर पर अखंड रामायण शुरू

हरहुआ हनुमान मंदिर पर प्रसाद में बंटा खिचड़ी।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग के किनारे स्थित हनुमान मंदिर(उड़िया बाबा,ध्रुवेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण) पर क्षेत्र में सुख -शांति ,एकता व समृद्धि को लेकर विजय सिंह द्वारा अखंड रामायण का पाठ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। क्षेत्रीय भक्तजनों ने इस संगीतमयी अखंड रामायण में शामिल होकर हनुमान ,शंकर व मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम का दर्शन कर कृतार्थ हुए। वहीं हर शनिवार को हनुमान मंदिर पर 'खिचड़ी प्रसाद' भक्तजनों ने लेकर ग्रहण किया।

ज्ञातव्य हो कि हर शनिवार को 'जय श्री राम सेवा समिति संस्थान हरहुआ' द्वारा खिचड़ी प्रसाद वितरण का कार्य शाम 6 बजे से रात्रि 8बजे तक 6 माह से निरंतर जारी है।

समिति के व्यापार मंडल हरहुआ के महामंत्री व उ0प्र0 व्यापार मंडल के महामन्त्री वीरेंद्र गुप्ता, अभय मौर्य,सचिन दुबे व विशाल पटेल के अनुसार श्री रामचन्द्र जी के सेवक हनुमान जी का पंचकोशी मार्ग के किनारे पगधुली इस जगह को पवित्र बना दिया जहाँ लोग अपनी कामना ,मन्नते लेकर पहुंचते

हैं दर्शन पूजन करते हैं उनका दुःख दूर हो जाता है। शनिवार को दीन दुखियों ,असहायों ,व्यवसायियों सहित आस पास गाँवों के महिला पुरुष बड़ी संख्या में पधारते हैं। उनको प्रसाद के रूप में खिचड़ी खिलाकर पुण्य कार्य को शुरू किया गया है।

समिति के सभी सदस्य पुण्य प्राप्त करने के कामना से हनुमान जी की महती कृपा को लेकर उनके श्री चरणों मे सेवा का कार्य कर धन्य हो रहे हैं।

हनुमान मंदिर पर सुंदर कांड पाठ से लेकर अखंड रामायण ,श्री सत्यनारायण ब्रत कथा ,मंगल कार्य को लेकर पूजन होता रहता है। शनिवार को यदि कोई ब्रत की तिथि होती है तो फलाहार प्रसाद वितरित भक्तों में किया जाता है।

कल अखंड रामायण की पूणार्हुति के उपरांत भंडारे से प्रसाद वितरित भक्तजन कराकर मंगल कामना का संकल्प लेंगे।

श्रमिकों के हाथों में जगत नियंता भगवान विश्वकर्मा का चमत्कार होता है- डॉक्टर प्रीति सिंह

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल गाजीपुर में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर विद्यालय की प्रातःकालीन सभा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो श्रमिकों के परिश्रम, समर्पण और योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक अनूठा संदेश दे रहा था।

कार्यक्रम की शुरूआत मॉर्निंग असेंबली से हुई, जो पूरे वातावरण को शांत एवं प्रेरणादायक बना दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा एक मधुर समूह गीत प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्रम की महत्ता और एकता का संदेश दिया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने एक सुंदर नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें श्रमिकों के जीवन, उनके संघर्ष और उनकी मेहनत को प्रभावशाली ढंग से दशार्या गया। इस प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को

भावुक कर दिया। तत्पश्चात सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल की प्रबंधक डॉक्टर प्रीति सिंह तथा प्रधानाचार्य चंद्रसेन तिवारी ने सभी शिक्षणेत्तर कर्मचारी गण के ऊपर पुष्प वर्षा करके उनका सम्मान पूर्वक तिलक लगाकर उनको अंग वस्त्रम तथा आकर्षक उपहार भेंट किए।

कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक डॉ० प्रीति सिंह ने अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रम ही सफलता की असली कुंजी है। हर छोटा-बड़ा कार्य समान रूप से महत्वपूर्ण है। हमें हर उस व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए, जो अपने परिश्रम से समाज को आगे बढ़ाने में योगदान देता है। श्रमिक हमारे समाज की रीढ़ हैं उनके हाथों में जगत नियंता भगवान विश्वकर्मा का चमत्कार होता है

इसके बाद विद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार के प्रति आभार प्रकट किया। उनके सरल एवं

सच्चे शब्दों ने सभी के मन को छू लिया।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य महोदय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मेहनतकश इंसानह्व विषय पर अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा, मेहनतकश इंसान वह है, जो अपने पसीने से सपनों को साकार करता है। उसका हर प्रयास समाज की मजबूती की नींव रखता है।

इसके साथ ही उन्होंने अपनी स्वयं रचित कविता की पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं–

मैं कर्म का पुजारी हूं एहसान नहीं कमाता धरती मां सिर्फ साक्षी हैं हां कभी पहचान नहीं कमाता
मेरे कंधों पर बैठकर कोई चांद चूम लेता है
मैं तपती गर्मी में भी कोई आराम नहीं कमाता"

इस प्रेरणादायक प्रस्तुति ने सभी कर्मचारी गण को गदगद कर दिया।

अलका राय तथा चंदन तिवारी के द्वारा प्रभावशाली संचालन का कार्य किया गया। इसी क्रम में विद्यालय में हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें तीन अलग-अलग श्रेणियों के लिए तीन विषय निर्धारित किए गए थे। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी श्रेणी के अनुसार बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।

यह आयोजन न केवल श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि विद्यार्थियों में श्रम के प्रति आदर, संवेदना और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को भी सुदृढ़ किया। इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के अवसर पर दिग्विजय उपाध्याय, अमित रघुवंशी, आवेश कुमार ,अमित कुमार सिंह, अवनीश राय, प्रतिमा सिंह, अभिमन्यु यादव, विनय, राम जी, वीरेंद्र,विक्रम समेत सभी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

ननिहाल आए युवक का मुरलिया जंगल में पेड़ से लटकता मिला शव

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के महोगढ़ी गांव स्थित मुरलिया जंगल के पहाड़ पर शनिवार सुबह पलाश के पेड़ में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक शव लटकता मिलने पर ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। जंगल में मवेशियों को चराने गए चरवाहों ने युवक का पेड़ से लटकता शव दिखाई देने पर ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना पर सुबह 11 बजे के करीब जंगल में पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन एसआई विनोद सिंह, एसआई शिवाकांत पांडेय,पुनीत गुप्ता ने घटना की जांच करते हुए पेड़ पर लटकते शव को नीचे उतरवाया। युवक का शव पलाश के पेड़ पर जमीन से करीब दस फीट ऊपर नायलान की रस्सी से लटक रहा था। मृतक युवक की शिनाख्त पंचराज उर्फ निरहू निवासी अंतरी सिकटा थाना हलिया के रूप में हुई ।पलाश के पेड़ के नीचे पुलिस को एक बैग मिला जिसमें मृतक ने अपने कपड़े रखे थे ।हलिया क्षेत्र के सिकटा ग्राम पंचायत के अंतरी गांव निवासी राजू वर्मा का 22 वर्षीय पुत्र पंचराज उर्फ निरहू शुक्रवार शाम को बाइक से अपने ननिहाल महोगढ़ी गांव आया था। जहां कुछ देर रूकने के बाद ननिहाल में अपनी बाइक

खड़ी कर अपने मामा भगवादास से यह कहकर निकला कि आर्केस्ट्रा में काम करने जा रहे हैं। शनिवार सुबह ननिहाल से तीन किलोमीटर दूर मुरलिया पहाड़ के जंगल में पेड़ से लटकता शव मिलने की सूचना पर ननिहाल में कोहराम मच गया। युवक ने जंगल में पहुंचकर गले में फंदा लगाकर जान क्यों दी ननिहाल पक्ष के लोग भी कुछ समझ नही पा रहे हैं। बेटे की मौत की खबर पाकर पिता राजू और मां अमरावती देवी रोते-बिलखते हुए महुगढ़ी गांव पहुंच गई। मृतक पांच बहनों में सबसे बड़ा और इकलौता पुत्र था। परिजनों ने बताया कि मृतक अविवाहित था और आर्केस्ट्रा में नर्तक का कार्य करता था। वहीं महोगढ़ी गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर जंगल में फंदे से लटका शव मिलने पर तरह तरह की चचाएं हो रही हैं। थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि ननिहाल में आए युवक ने जंगल में पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। प्रथम द्दष्टया मामला आत्म हत्या का प्रतीत हो रहा है। युवक ने पलाश के पेड़ की डाली में नायलान की रस्सी से गले में फंदा लगाकर जान दे दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।घटना की बारीकी से जांच की जा रही है।

-दो माह पूर्व देवहट के हरदी जंगल में अधेड़ का पेड़ से लटकता हुआ मिला था शव

क्षेत्र के देवहट गांव के हरदी जंगल में बीते 1 फरवरी को देवहट गांव के खरका बस्ती निवासी दुलारमनि कोल का भी संदिग्ध परिस्थितियों में पलाश के पेड़ से लटकता शव मिला था। लेकिन आज तक इस मामले का पदार्फाश नही हो सका।

दो बाइको की आमने सामने भिड़ंत होने से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल रेफर

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के समौती गांव में शनिवार की सुबह दो बाइको की आमने सामने भिड़ंत होने से एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुँची एम्बुलेंस 108 के कर्मियों द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सिर में गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है थाना क्षेत्र के छतरिहा गांव निवासी 30 वर्षीय अख्तर अली बाइक से केवटान बस्ती में गया था वापस लौटते समय समौती नहर पर पहुँचे की सामने से आ रहे बाइक सवार की बाइक से भिड़ंत होने से बाइक चालक अख्तर गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने एम्बुलेंस 108 पर सूचना दिया मौके पर पहुँचे एम्बुलेंस चालक विनोद कुमार व ईएमटी उमेश ने घायल बाइक चालक को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बाइक चालक के सिर में गंभीर चोट को देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है

गैस आपूर्ति ठप होने पर उपभोक्ताओं का हंगामा, सड़क को किया जाम, जाम से आधे घंटे तक खड़ी रही रोडवेज बस

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया ब्लॉक रोड़ स्थित विंध्य भारत गैस एजेंसी के सामने शनिवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई ।जब गैस सिलेंडर की आपूर्ति न होने से नाराज उपभोक्ताओं ने सड़क जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। उपभोक्ताओं का आरोप था कि पर्ची कटने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा है। जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आक्रोशित लोगों ने एजेंसी के सामने हलिया-भटवारी मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। जिससे करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। इस दौरान रोडवेज बसों, सवारी गाड़ियों और अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते

ही हलिया थाने में तैनात उपनिरीक्षक श्यामलाल मौके पर पहुंचे और गैस वितरक से वार्ता कर लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। काफी समझाने के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ और जाम समाप्त कराया गया ।गैस वितरक मंटू सिंह ने बताया कि बीते दो दिनों से डिपो से गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं मिल पा रही है जिससे वितरण प्रभावित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवकाश के कारण सप्लाई नहीं हो सकी। यदि शनिवार को डिपो से आपूर्ति मिलती है तो तत्काल वितरण शुरू कर दिया जाएगा। उपनिरीक्षक श्यामलाल ने बताया कि सप्लाई बाधित होने के कारण उपभोक्ताओं को परेशानी हुई लेकिन स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। पुलिस ने आश्वस्त किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। करीब आधे घंटे बाद जाम खुलवाकर आवागमन सामान्य कराया गया।

अतंर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 के आयोजन से 50 दिन पहले 6,000 लोगों ने भुजंगासन कर एशिया रिकॉर्ड बनाया

मोतियों की नगरी हैदराबाद में योग महोत्सव के उपलक्ष्य में एक भव्य आयोजन हुआ जिसमें हजारों उत्साही लोग एकत्रित हुए। यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के मुख्य आयोजन से 50 दिन पहले के कार्यक्रम से जुड़ा था। आयुष मंत्रालय के अधीन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शांत आध्यात्मिक केंद्र, कान्हा शांति वनम में हुआ। कान्हा शांति वनम में 6000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास किया जिससे एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना और यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई क्योंकि इस आयोजन को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एक साथ आसन करने वाले सबसे बड़े समूह के रूप में दर्ज किया गया। यह योग के माध्यम से प्रचारित सामूहिक भागीदारी और साझा कल्याण की भावना को दशार्ता है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी उपस्थित थे। श्री रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, योग केवल भारत की प्राचीन विरासत ही नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक अनमोल उपहार है। आज विश्वभर में नेता, पेशेवर और आम लोग योग का अभ्यास करते हैं और इससे लाभ उठाते हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में योग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, भारत को 2047 तक विकसित भारत बनने के लिए एक स्वस्थ, शांतिपूर्ण और अनुशासित समाज का निर्माण करना होगा। योग तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली और प्रदूषण जैसी आधुनिक चुनौतियों का व्यावहारिक और किफायती समाधान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद, पहले से ही नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है और अब उसे योग और समग्र स्वास्थ्य के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भी उभरना चाहिए। आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग समग्र कल्याण के लिए एक वैश्विक आंदोलन के रूप में विकसित हुआ है जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है ।ह्व स्वास्थ्य और कल्याण पर्यटन में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि योग ने समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की पहचान को मजबूत किया है।

उन्होंने हाल ही में शुरू की गई 'योग 365' पहल पर प्रकाश डालते हुए कहा, "योग 365 अभियान के माध्यम से आयुष मंत्रालय, हबील्ड और एमडीएनआईवाई के सहयोग से नागरिकों को योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।" 21 जून तक चलने वाला 100 दिवसीय निःशुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम एक लाख से अधिक व्यक्तियों की भागीदारी के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है और इसमें योग मित्र प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि आई डी वाई 2026 की उलटी गिनती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाला अगला योग महोत्सव मध्य प्रदेश के खजुराहो में आयोजित किया जाएगा जो भारत की सांस्कृतिक विरासत, वास्तुकला और स्वास्थ्य संबंधी परंपराओं के संगम का प्रतीक है। श्री जाधव ने जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 के दौरान छह महीने तक योग सत्र आयोजित करने के लिए हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूशन और योग प्रमाणन बोर्ड के प्रयासों की भी सराहना की।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा दास ने हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा, ह्लकान्हा शांति वनम योग द्वारा विकसित की जाने वाली शांति और संतुलन को प्रतिबिंबित करता है। इस सम्मेलन का उद्देश्य स्वास्थ्य और एकता की दिशा में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को प्रज्वलित करना है।

इस कार्यक्रम में हार्टफुलनेस के अध्यक्ष श्री कमलेश दी पटेल (दाजी), लोकसभा सांसद श्रीमती डीके अरुणा, आयुष मंत्रालय के सचिव पद्म श्री वैद्य राजेश कोटेचा और आयुष मंत्रालय, राज्य प्रशासन तथा प्रमुख योग संस्थानों के अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

योग महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण सामान्य योग प्रणाली (सीवाईपी) का सामूहिक प्रदर्शन था। सत्र का नेतृत्व एमडीएनआईवाई के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समागंडी ने एमडीएनआईवाई के योग प्रशिक्षकों के साथ मिलकर किया।

तिरुलडीह में अवैध बालू उत्खनन पर प्रशासन का शिकंजा, दो ट्रैक्टर जब्त

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

ईचागढ़: तिरुलडीह थाना क्षेत्र में अवैध बालू उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार सख्ती बरती जा रही है। इसी कड़ी में आज दिनांक 02 मई 2026 को थाना पुलिस द्वारा विशेष छापामारी अभियान चलाया गया, जिसमें अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के ग्राम सपादा में अवैध रूप से बालू का उत्खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापामारी की। छापामारी के दौरान पुलिस ने अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया। जांच के दौरान दोनों ट्रैक्टरों में करीब 200 CFT बालू लदा हुआ पाया गया, जिसके संबंध में कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया जा सका। पुलिस द्वारा दोनों ट्रैक्टरों को जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। साथ ही इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इसके साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार के अवैध कार्य की सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उस पर रोक लगाई जा सके।

ईचागढ़ में अवैध बालू खनन पर प्रशासन सख्त, औचक निरीक्षण अभियान जारी

समाज जागरण, संवाददाता

ईचागढ़: जिला प्रशासन द्वारा अवैध बालू खनन के खिलाफ सख्ती लगातार जारी है। उपायुक्त सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर जिला खनन विभाग एवं ईचागढ़ थाना की संयुक्त टीम ने ईचागढ़ थाना क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाया।

यह अभियान स्वर्णरेखा नदी के सोड़ो, जारगोडीह, पुरानडीह एवं वीरडीह बालू घाटों में संचालित किया गया, जहां अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन से जुड़ी गतिविधियों की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान किसी भी घाट पर तत्काल अवैध उत्खनन गतिविधि नहीं पाई गई, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली।

हालांकि, सोड़ो, जारगोडीह एवं वीरडीह घाटों में ट्रैक्टर वाहनों के टायर के निशान मिलने के बाद प्रशासन सतर्क हो गया। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर संभावित अवैध परिवहन मार्गों की पहचान करते हुए कई स्थानों पर अवरोध गर्त (ट्रेंच) बनाकर रास्तों को अवरुद्ध कर दिया गया है, ताकि भविष्य में अवैध बालू परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिले में किसी भी प्रकार का अवैध खनन, भंडारण या परिवहन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया है।

प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया है।

मजदूर दिवस पर उठी आवाज : संकुल व प्रखंड साधन सेवियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करें तेज:- सुलेमान जहांगीर

समाज जागरण

गोड्डा महागामा अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग में कार्यरत संकुल साधन सेवी (CRP) एवं प्रखंड साधन सेवी (BRP) की समस्याओं को लेकर गोड्डा जिले में आवाज बुलंद हुई। इस अवसर पर पूर्व जिला महासचिव सीआरपी/बीआरपी महासंघ गोड्डा के मो सुलेमान जहांगीर आजाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा विभाग की रीढ़ माने जाने वाले यह कर्मी लंबे समय से उपेक्षा और अनिश्चितताओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि अपने अधिकारों और सम्मानों के लिए संघर्ष का प्रतीक है ।संकुल और प्रखंड साधन सेवियों की भूमिका शिक्षा के गुणवत्ता सुधारने में अत्यंत महत्वपूर्ण है फिर भी उनकी समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हो पाया है ।आजाद ने प्रमुख समस्याओं को रेखांकित करते हुए मानदेय में विसंगति, सेवा स्थायित्व की कमी, कार्यभार की अधिकता और प्रशासनिक उपेक्षा को गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने मांग कि के सरकार इन कर्मियों के लिए स्पष्ट सेवा शर्तें तय करें। मानदेय में वृद्धि करें और उन्हें स्थाई सुरक्षा प्रदान करें ।मजदूर दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह दिन हमें 1886 के शिकागो आंदोलन की याद दिलाता है जब मजदूरों ने 8 घंटे कार्य दिवस के लिए संघर्ष किया था। उसी भावना को आगे बढ़ते हुए आज भी श्रमिक वर्ग अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत है। मजदूर दिवस के इस अवसर पर यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हर कर्मी का सम्मान एवं अधिकार सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है। सरकार यथाशीघ्र राज्य हित में सीआरपी बीआरपी की सेवा स्थाई करे।

डोड्डाबल्लापुर में 100 बेड वाले ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे डॉ. मनसुख मांडविया

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 3 मई 2026 को कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर में नवनिर्मित 100 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे और डोड्डाबल्लापुर से ही, कर्नाटक के बेल्लारी में 100 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल की आधारशिला वर्चुअल माध्यम से रखेंगे। ये स्वास्थ्य सुविधाएं इस क्षेत्र में कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं।

एक विशेष पहल के रूप में, डॉ. मांडविया अस्पताल के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों को सम्मानित करेंगे और इस अवसर पर ईएसआई लाभार्थियों को नकद राशि भी वितरित करेंगे। डोड्डाबल्लापुर स्थित इस अस्पताल में 1,42,037 से अधिक बीमित श्रमिकों और उनके परिवारों को चिकित्सा सेवा मिलेगा, जिससे बेंगलुरु ग्रामीण, चिक्काबल्लापुर, तुमकुरु और कोलार जिलों में लगभग 55 लाख लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। बेल्लारी स्थित यह अस्पताल पूरा होने पर बेल्लारी डिवीजन में लगभग 64,000 श्रमिकों और उनके परिवारों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इससे लगभग 2 लाख लाभार्थियों को लाभ मिलेगा।

कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण क्षेत्र के डोड्डाबल्लापुर में स्थित ईएसआईसी अस्पताल 100 बिस्तरों वाला एक बहु-विशेषज्ञता माध्यमिक चिकित्सा अस्पताल है। यह 5 एकड़ भूमि पर 101.14 करोड़ रुपये की लागत से बना है। इस अस्पताल में 32 स्टाफ क्वार्टर बने हैं और इसमें सामान्य चिकित्सा, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल रोग, अस्थि रोग, आपातकालीन देखभाल और रेडियोलॉजी, प्रयोगशाला और रक्त बैंक सहित व्यापक निदान सुविधाएं जैसी प्रमुख सेवाएं मिलेंगी। बेल्लारी में प्रस्तावित ईएसआईसी अस्पताल 5.21 एकड़ भूमि पर 150 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जाएगा और ईएसआई योजना के तहत बीमित लोगों और उनके परिवारों को आधुनिक, अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा।

कर्नाटक में कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना 1958 में बेंगलुरु से शुरू हुई और अब इसके अंतर्गत सभी 31 जिले आते हैं। 31 मार्च 2025 तक, इस योजना में 2,01,749 नियोक्ता और 35,33,300 बीमित व्यक्ति (जिनमें 11,22,118 महिलाएं शामिल हैं) शामिल हैं, जिससे कुल 1,37,09,204 लोगों को लाभ मिलता है। राज्य में बेंगलुरु के बिन्नीपेठ में एक क्षेत्रीय कार्यालय और छह उप-क्षेत्रीय कार्यालय हैं। नकद लाभ 48 शाखा कार्यालयों और 6 औषधालय-सह-शाखा कार्यालयों (डीसीबीओ) के माध्यम से दिए जाते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा 125 ईएसआई औषधालयों, डीसीबीओ और नियोक्ताओं द्वारा संचालित औषधालयों के माध्यम से प्रदान की जाती है। द्वितीयक स्वास्थ्य सेवा राजाजीनगर, इंदिरा नगर और गुलबर्गा में स्थित 3 ईएसआई अस्पताल और सात राज्य-संचालित ईएसआई अस्पतालों के माध्यम से प्रदान की जाती है। द्वितीयक स्वास्थ्य सेवा के लिए 143 अस्पतालों और सुपर-स्पेशियलिटी उपचार के लिए 123 अस्पतालों के साथ सूचीबद्ध होने से इन्हें और सहायता मिलती है। इन तीन ईएसआईसी अस्पतालों में से, बेंगलुरु के राजाजीनगर स्थित अस्पताल मेडिकल कॉलेज और स्नातकोत्तर (पीजी) संस्थान के रूप में भी कार्य करता है। गुलबर्गा स्थित ईएसआईसी अस्पताल मेडिकल कॉलेज और डेंटल कॉलेज के रूप में संचालित होता है, जबकि इंदिरा नगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल नर्सिंग कॉलेज के रूप में कार्य करता है। ये संस्थान प्रतिवर्ष बीमित लोगों के बच्चों के लिए आरक्षित सीटें प्रदान करते हैं, जिनमें 136 एमबीबीएस सीटें, 28 डेंटल सीटें, 60 नर्सिंग सीटें और 96 पैरामेडिकल सीटें शामिल हैं।

जमशेदपुर में पत्रकारों का जोरदार विरोध प्रदर्शन, मंत्री से माफी और कार्रवाई की मांग

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर में शनिवार को पत्रकारों ने एकजुट होकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के समर्थकों पर लगे दुर्व्यवहार और मारपीट के आरोपों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के बैनर तले आयोजित किया गया, जिसमें शहर के बड़ी संख्या में पत्रकार और मीडिया कर्मी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने शहर के उपायुक्त कार्यालय तक मार्च किया और राज्य सरकार के प्रति अपनी नाराजगी दर्ज कराई। इस दौरान पत्रकारों ने स्पष्ट रूप से मांग रखी कि मंत्री इरफान अंसारी इस पूरे प्रकरण को लेकर पत्रकार समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदर्शन में शामिल पत्रकारों का कहना था कि यदि जल्द ही माफी नहीं मांगी गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को राज्यव्यापी रूप दिया जाएगा।

प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के अध्यक्ष मनोज सिंह ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और उन्हें चौथा स्तंभ माना जाता है। ऐसे में पत्रकारों के साथ इस तरह का व्यवहार न केवल निंदनीय है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारीबाग में जब पत्रकारों ने मंत्री से सवाल पूछने की कोशिश की, तो उनके समर्थकों ने अभद्र व्यवहार किया और कुछ मामलों में मारपीट तक की गई।

मनोज सिंह ने कहा कि यह घटना केवल किसी एक पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार नहीं है, बल्कि यह पूरी पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। उन्होंने राज्य सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि घटना के बाद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे पत्रकारों में गहरी नाराजगी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई और मंत्री की ओर से माफी नहीं आई, तो प्रेस क्लब राज्यभर के अन्य पत्रकार संगठनों के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर इसे और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन में प्रेस क्लब के महामंत्री विनय पूर्ति, कोषाध्यक्ष अजय महतो समेत शहर के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े कई पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने एकजुटता दिखाते हुए पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की और कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कानून लागू होना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पत्रकारों ने यह भी स्पष्ट किया कि मीडिया लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है और इसकी स्वतंत्रता किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पत्रकारों की आवाज को दबाने या उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की जाती है, तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने संकेत दिया है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक और तेज किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि पत्रकार समुदाय अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट है और किसी भी प्रकार के दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है।

लाइव इवेंट्स सेक्टर रोजगार, पर्यटन और संबद्ध क्षेत्रों में आर्थिक विकास का प्रमुख चालक बनने को तैयार है

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के सचिव श्री चंचल कुमार की अध्यक्षता में लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल (एलईडीसी) की चौथी बैठक 30 अप्रैल 2026 को विज्ञान भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में 9 केंद्रीय मंत्रालयों, 6 राज्यों और 12 उद्योग सदस्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार, 2025 में 145 अरब रुपयों के साथ भारत का संगठित लाइव इवेंट्स क्षेत्र मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बनकर उभरा है। इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के

लिए, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण सचिव की अध्यक्षता में एक लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल (एलईडीसी) की स्थापना की है। इसमें केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, उद्योग निकायों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

एलईडीसी का लक्ष्य संगीत समारोह अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय विकास के प्रमुख चालकों में से एक के रूप में स्थापित करना और वर्ष 2030 तक भारत को लाइव इवेंट्स का वैश्विक केंद्र बनाना है। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में 15-20 मिलियन अतिरिक्त रोजगार सृजित करना है। अनुमान है कि यह क्षेत्र वर्ष 2028 तक 10 प्रतिशत की दर से बढ़कर 196 अरब रुपये तक पहुंच जाएगा।

बैठक के दौरान, सचिव (एमआईबी) ने भारत के लाइव इवेंट उद्योग के विकास के लिए एक समन्वित रोडमैप तैयार करने में एलईडीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लाइव इवेंट क्षेत्र मीडिया और मनोरंजन उद्योग के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है, जो रोजगार सृजन, पर्यटन संवर्धन और संबद्ध क्षेत्रों में आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

एलईडीसी की शुरू की गई विभिन्न पहलों की प्रगति को एमआईबी के संयुक्त सचिव (प्रसारण) श्री पृथुल कुमार ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि लाइव इवेंट की अनुमति के लिए इंडिया सिने हब (आईसीएच) पोर्टल पर एक सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम विकसित किया गया है। राज्यों द्वारा आईसीएच पोर्टल को अपनाने से लाइव इवेंट की अनुमति प्रक्रिया को डिजिटल बनाने में मदद मिलेगी और समय पर, पारदर्शी और कुशल अनुमोदन सुनिश्चित होंगे। इसके अतिरिक्त, भारत में लाइव इवेंट्स के लिए लाइसेंसिंग और परमिशन को सुव्यवस्थित करने हेतु "मॉडल एग्जीक्यूटिव ऑर्डर, 2026" को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसकी लक्ष्य समयसीमा 31 मई, 2026 निर्धारित की गई थी और जिसे 13 मार्च, 2026 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया गया था। इस ढांचे का उद्देश्य भारत में लाइव इवेंट्स उद्योग के लिए एक सरलीकृत और मानकीकृत नियामक प्रणाली स्थापित करना है।

एलईडीसी ने "ग्रीनफील्ड वेन्यू डेवलपमेंट" और लाइव इवेंट्स सेगमेंट के लिए कौशल विकास पहलों पर मसौदा अवधारणा नोट पर भी चर्चा की। यह जानकारी दी गई कि भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी), एमईएससी और ईईएमए के सहयोग से जल्द ही लाइव इवेंट्स में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा। इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण सचिव श्री चंचल कुमार ने कहा, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की ओर से मैं आश्वस्त करता हूं कि लाइव कार्यक्रमों के आयोजन की प्रक्रियाओं को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा, एलईडीसी के सभी सदस्यों का उद्देश्य एक ही है, अब ध्यान प्रभावी कार्यान्वयन पर केंद्रित होना चाहिए।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय देश में लाइव इवेंट्स सेक्टर के लिए एक सहायक और विकासोन्मुखी परितंत्र को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

मंत्री ने वर्तमान समय में संचार के बढ़ते महत्व पर जोर दिया, इसे एक प्रमुख प्रशासनिक कौशल बताया

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि शासन के तेजी से ऊभरते क्षेत्र में त्वरित अनुकूलनशीलता और निरंतर सीखने की क्षमता प्रभावी लोक प्रशासन के लिए आवश्यक है, क्योंकि आज अर्जित ज्ञान तकनीकी प्रगति के सामने जल्दी ही अप्रासंगिक हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ. जितेंद्र सिंह भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) में 51वें लोक प्रशासन उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। 1975 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम आईआईपीए की एक प्रमुख क्षमता-विकास पहल है, जिसके तहत पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से लोक प्रशासन और लोक नीति में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की जाती है।

इस कार्यक्रम में आईआईपीए के महानिदेशक डॉ. परगड़े, प्रोफेसर सुरभि पांडे, डॉ. सचिन चौधरी, प्रोफेसर रवि सकलानी और अखिल भारतीय तथा केंद्रीय सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सशस्त्र बलों और अन्य क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शासन के बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आज प्रशासन तेजी से प्रौद्योगिकी-आधारित होता जा रहा है, जबकि नागरिकों की अपेक्षाएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन को न केवल संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से बल्कि अधिकारियों की मानसिकता में निरंतर परिवर्तन लाकर भी अप्रत्याशित और गतिशील चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्पर रहना होगा।

शासन के बदलते स्वरूप का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ध्यान "सरकार" से हटकर "शासन" और फिर "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" की ओर स्थानांतरित हो गया है, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण पर अधिक जोर दिया गया है।

क्षमता विकास की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एपीपीपीए कार्यक्रम ने दशकों से वरिष्ठ अधिकारियों को नीति कार्यान्वयन के लिए आवश्यक विषयगत ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य अमृत काल में उत्तरदायी और भविष्य के लिए तैयार शासन के लिए सिविल सेवकों में दक्षता का विकास करना है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उभरती जरूरतों के अनुरूप विकसित होना चाहिए। उन्होंने भाग लेने वाले अधिकारियों की अपेक्षाओं के साथ पाठ्यक्रम के डिजाइन को बेहतर ढंग से संरेखित करने के लिए गुमनाम प्रतिक्रिया तंत्र सहित संवादात्मक और प्रतिक्रिया-संचालित दृष्टिकोणों के अधिक उपयोग का सुझाव दिया।

केंद्रीय मंत्री ने वर्तमान समय में प्रभावी संचार के बढ़ते महत्व की ओर भी इशारा किया। उन्होंने इसे एक प्रमुख प्रशासनिक कौशल बताते हुए कहा कि आधुनिक शासन के लिए अधिकारियों को तेजी से जुड़ते हुए वातावरण में नागरिकों, मीडिया और कई हितधारकों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने की जरूरत है।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम जैसे शासन संबंधी नवाचारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी, डेटा-संचालित मॉडल ने सभी क्षेत्रों में मापने योग्य सुधार प्रदर्शित किए हैं और अब यह अधिक प्रौद्योगिकी-एकीकृत अगले चरण की ओर बढ़ रहा है, जिससे परिणाम-आधारित शासन को और मजबूती मिलेगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि अपनी स्थापना के बाद से, एपीपीपीए कार्यक्रम ने अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं के 1,700 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। इनमें सशस्त्र बलों, राज्य सेवाओं और यहां तक कि विदेशी देशों के प्रतिभागी भी शामिल हैं, जिनमें से कई सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हुए हैं।

प्रतिभागियों, शिक्षकों और आयोजकों को बधाई देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि एपीपीपीए जैसे कार्यक्रम न केवल प्रशासनिक क्षमता को बढ़ाते हैं बल्कि अधिकारियों को तेजी से जटिल होते शासन परिवेश में राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए भी तैयार करते हैं।

भगवान बुद्ध द्वारा दिया गया ज्ञान आज 2500 वर्षों बाद भी पूरी दुनिया के लिए उतना ही प्रासंगिक है

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज लेह में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के प्रदर्शन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लद्दाख के उपराज्यपाल श्री वी के सक्सेना और केन्द्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज की बुद्ध पूर्णिमा लद्दाख के निवासियों के लिए मणिकांचन अवसर है। उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर 75 साल बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष यहां आने से बौद्ध धर्म के साथ ही अन्य मतों के अनुयायी इनसे ऊर्जा प्राप्त करेंगे।

श्री अमित शाह ने कहा कि भगवान बुद्ध की तरह शायद ही किसी के जीवन में ऐसा होगा कि जन्म, ज्ञानप्राप्ति और महापरिनिर्वाण एक ही दिन हुए हों, इसीलिए आज का दिन हम सबके लिए बहुत शुभ और प्रेरणादायक दिन है।

नवोन्मेषण और समावेशिता पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन संपन्न, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर

नवोन्मेषण और समावेशिताः भारत के स्वास्थ्य भविष्य को आकार देने वाली सर्वोत्तम कार्यप्रणालियांह्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दूसरे और समापन दिवस पर 17वें सामान्य समीक्षा मिशन (सीआरएम) के निष्कर्षों पर केंद्रित गहन तकनीकी विचार-विमर्श हुआ, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वतंत्र, साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन के लिए एक आधारभूत तंत्र है।

शिखर सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और नवोन्मेषी उपायों के प्रस्तुतीकरण और प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन सत्रों ने सहपाठियों के बीच सीखने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ीकरण, डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और गैर-संक्रामक रोग प्रबंधन सहित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में लागू करने योग्य और अनुकरणीय मॉडल प्रदर्शित किए गए।

इसके अतिरिक्त, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में जागरूकता बढ़ाने और बेहतर समझ विकसित करने के लिए मंत्रालय की नई और जारी पहलों पर कई प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। इन सत्रों ने हितधारकों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ कार्यक्रम संबंधी रणनीतियों को संयोजित करने में सक्षम बनाया, साथ ही जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन में भी सहायता प्रदान की।

शिखर सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत 17वें संयुक्त समीक्षा मिशन (सीआरएम) के निष्कर्षों पर केंद्रित व्यापक तकनीकी विचार-विमर्श हुआ। मंत्रालय द्वारा समन्वित संरचित प्रस्तुतियों में 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सीआरएम दौरों से प्राप्त प्रमुख निष्कर्षों को रेखांकित किया गया, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली के प्रदर्शन, सेवा वितरण तंत्र और शासन कार्यप्रणालियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

सीआरएम के निष्कर्षों से कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति देखी गई, जिनमें आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का संचालन, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों के अंगीकरण में वृद्धि शामिल है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण, गैर-संक्रामक रोगों की जांच और प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए टेलीकंसल्टेशन प्लेटफॉर्म के उपयोग में उल्लेखनीय सुधार देखे गए।

विचार-विमर्श से उन क्षेत्रों की पहचान करने का अवसर भी मिला जहां और अधिक सुदृढ़ीकरण से सेवा वितरण परिणामों में सुधार हो सकता है। चचाओं में मानव संसाधन तैनाती को अनुकूलित करने, आवश्यक दवाओं और निदान उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दूरस्थ एवं निम्न सुविधा प्राप्त क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

डेटा की गुणवत्ता में सुधार और वास्तविक समय की निगरानी तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करने पर भी जोर दिया गया। रेफरल प्रणालियों को मजबूत करना, सहायक पर्यवेक्षण को बढ़ाना और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना, प्राप्त लाभों को बनाए रखने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए प्रमुख कारक माने गए।

मंत्रालय ने संचार प्रबंधन (सीआरएम) दौरों के दौरान अवलोकित सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के दस्तावेजीकरण और विस्तार पर जोर दिया, जिसमें अनुकूलनशीलता और प्रासंगिक संदर्भ पर विशेष बल दिया गया। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नवीन, डेटा-आधारित दृष्टिकोण अपनाने और अंतर-राज्यीय और अंतर-राज्यीय ज्ञान साझाकरण को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अपने समापन भाषण में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अपर सचिव और मिशन निदेशक, श्रीमती आराधना पटनायक ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत अल्पकालिक प्राथमिकताओं को प्राप्त करने में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना की। साथ ही मध्यम और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रणाली लक्ष्यों की ओर प्रयासों को धीरे-धीरे निर्देशित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लक्ष्यों के साथ चल रहे उपायों को संयोजित करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जिन्हें 2030 तक प्राप्त किया जाना है और निरंतर, परिणाम-उन्मुख योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यद्यपि डिजिटल स्वास्थ्य पहल सेवा वितरण को बदल रही हैं, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि डिजिटलीकरण के कारण किसी भी लाभार्थी—विशेष रूप से सबसे निर्बल वर्ग—को असुविधा न हो। इस संबंध में, उन्होंने समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के निरंतर संवेदीकरण और क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।

विभिन्न राज्यों में देखी जा रही परिचालन संबंधी चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, उन्होंने सुरक्षित और अनुपालनपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व को भी रेखांकित किया, जिस पर एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।उन्होंने शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू की गई प्रमुख पहलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से जमीनी स्तर पर इनके प्रभाव को अधिकतम करने के लिए इन उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया। भावी परिदृश्य पर बल देते हुए, उन्होंने निरंतर सीखने को बढ़ावा देने, अंतर-राज्यीय सहयोग को मजबूत करने और संदर्भ-विशिष्ट और टिकाऊ तरीके से सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को व्यापक स्तर पर लागू करने के द्वारा शिखर सम्मेलन के माध्यम से उत्पन्न गति को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

मौलाना तौसीफ रजा को इंसाफ दिलाने के लिए छत्तरगाछ में विशाल मार्च व धरना

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

पोठिया निवासी मौलाना तौसीफ रजा की ट्रेन में हुई हत्या के विरोध में शनिवार को छत्तरगाछ बाजार स्थित बैंक चौक पर विशाल इंसाफ मार्च एवं धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और उलेमा-ए-किराम शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की।

इंसाफ मार्च के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए किशनगंज विधानसभा विधायक कमरूल हुदा ने घटना को अत्यंत दुखद और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि वे पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं और प्रशासन से मांग करते हैं कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इंसाफ में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोलथा पंचायत के मुखिया अब्दुत तव्वाब ने कहा कि मौलाना तौसीफ रजा एक नेक और समाजसेवी व्यक्ति थे और उनकी हत्या पूरे समाज के लिए गहरा सदमा है। उन्होंने कहा कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, संघर्ष जारी रहेगा।

भोटा थाना पंचायत के मुखिया मरगूब आलम ने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि इंसानियत पर हमला है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की।

भोटा थाना पंचायत के सरपंच रमजान अली ने कहा कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को आगे बढ़ाते रहेंगे।

जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि डॉ. इनामुल हक ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मजलिस उलमाए मिल्लत के बानी व मुहर्रिक मौलाना शमीम रियाज नदवी ने कहा कि मजलूम को इंसाफ दिलाना हम सबका फर्ज है और इसके लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। मजलिसे अहरार इस्लाम, सूबा बिहार के जनरल सेक्रेटरी मौलाना आफताब अजर सिद्दीकी ने कहा कि यह समय एकजुट होकर आवाज बुलंद करने का है और इंसाफ हर हाल में होना चाहिए।

जमीयत अहले हदीस के जिला जनरल सेक्रेटरी मौलाना जैनुल आबिदीन सनाबली ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जानी चाहिए, तभी समाज में विश्वास कायम रहेगा।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने शांति बनाए रखते हुए इंसाफ की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। आयोजकों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

सम्मानजनक देखभाल से सुरक्षित मातृत्व की ओर: टेढ़ागाछ में बदल रही सोच

वीरेंद्रचौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

2 मई: मातृत्व एक महिला के जीवन का अत्यंत संवेदनशील और भावनात्मक चरण होता है। ऐसे समय में यदि उसे बेहतर इलाज के साथ सम्मानजनक व्यवहार, संवाद और सहानुभूति मिले, तो उसका अनुभव पूरी तरह सकारात्मक बन जाता है। कभी ग्रामीण क्षेत्रों में यह धारणा प्रचलित थी कि अस्पतालों में महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता, जिसके कारण कई परिवार घर पर ही प्रसव को प्राथमिकता देते थे। लेकिन अब टेढ़ागाछ प्रखंड में रेस्पेक्टफुल मैटरनिटी केयर पहल ने इस सोच को बदलना शुरू कर दिया है।

संकोच से आत्मविश्वास तक की यात्रा

टेढ़ागाछ की शबनम खातून (परिवर्तित नाम) पहले अस्पताल में प्रसव कराने से हिचकिचाती थीं। परिवार में यह धारणा थी कि घर पर प्रसव ही सुरक्षित है। हालांकि आशा कार्यकर्ता की लगातार सलाह और सहयोग के बाद उन्होंने सरकारी अस्पताल का रुख किया। शबनम बताती हैं कि अस्पताल में उन्हें सम्मानजनक व्यवहार मिला, हर प्रक्रिया को समझाया गया और उनकी बात ध्यान से सुनी गई। इस अनुभव ने न केवल उनका, बल्कि उनके परिवार और आसपास की महिलाओं का भी नजरिया बदल दिया।

संवेदनशील नेतृत्व का असर

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार का कहना है कि प्रसव के दौरान महिला को केवल चिकित्सकीय सेवा ही नहीं, बल्कि एक सहज और सम्मानजनक माहौल भी चाहिए। उनके अनुसार, जब महिला मानसिक रूप से सहज होती है, तो इसका सकारात्मक प्रभाव जच्चा और बच्चा दोनों पर पड़ता है। इसी सोच के साथ स्वास्थ्यकर्मियों को व्यवहार में संवेदनशीलता अपनाने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

जमीनी स्तर पर बदलाव की कहानी

स्थानीय आशा कार्यकताओं के अनुसार, पहले महिलाओं को अस्पताल ले जाना चुनौतीपूर्ण था। उन्हें डर रहता था कि वहां डांट-फटकार मिलेगी या उनकी बात नहीं सुनी जाएगी। लेकिन अब स्थिति बदल रही है—महिलाएं खुद आगे आकर संस्थागत प्रसव के लिए तैयार हो रही हैं।

ब्लॉक हेल्थ मैनेजर अजय कुमार साह बताते हैं कि अब हर महिला को धैर्यपूर्वक सुना जाता है और उसे पूरी जानकारी दी जाती है। इससे महिलाएं खुलकर अपनी समस्याएं बताने लगी हैं और देखभाल की गुणवत्ता में भी सुधार आया है।

डर से विश्वास की ओर बढ़ता समाज

टेढ़ागाछ में अब अस्पतालों को लेकर लोगों की धारणा सकारात्मक हो रही है। महिलाएं मानने लगी हैं कि यहां उन्हें सम्मान, सुरक्षा और बेहतर देखभाल मिलती है।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि यह पहल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि जब महिला को सम्मान मिलता है, तो उसका डर खत्म होता है और विश्वास बढ़ता है—और यही विश्वास सुरक्षित मातृत्व की दिशा में सबसे बड़ी ताकत बनता है।

किशनगंज में 24 घंटे के भीतर अपहृत युवक सकुशल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंजः आदर्श थाना क्षेत्र में अपहरण के एक मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल 2026 को अफसाना खातून ने थाना में लिखित आवेदन देकर बताया कि उनके पति अनीसुर रहमान (32 वर्ष), निवासी बोचागाड़ी, थाना अनगढ़, जिला पूर्णिया (वर्तमान पता–उत्तरपाली, सुल्तान कॉलोनी, वार्ड संख्या 01, किशनगंज) का तीन नंबर रेलवे गुमटी के पास से अपहरण कर लिया गया है। अपहरणकताओं द्वारा परिजनों से फिरौती की मांग की जा रही थी तथा पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए किशनगंज थाना में कांड संख्या 461/26, दिनांक 30.04.2026, धारा 140(2)/3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत अनीसुर रहमान को सकुशल बरामद कर लिया। इस दौरान पुलिस ने दो आरोपियों–मो. जाहिर हुसैन (पिताः अब्दुर रहीम, निवासी नोनिया टोली, किशनगंज) तथा मंजर आलम (पिताः नजरूल इस्लाम उर्फ भोला, निवासी चकला बेलवा कदुबारी, किशनगंज)–को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब 3 लाख 50 हजार रुपये के बकाया लेन-देन के विवाद में अपहरण की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। इस अभियान में अंचल पुलिस निरीक्षक, थानाध्यक्ष, जिला आसूचना इकाई की टीम तथा अन्य पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पटना में सेल्फी के चक्कर में रणक्षेत्र बना शादी समारोह, पुलिस की मौजूदगी में हुए सात फेरे

समाज जागरण पटना जिला स्मादददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ अनुमंडल स्थित प्रसिद्ध उमानाथ मंदिर परिसर में बीती रात एक शादी समारोह उस समय हंगामे की भेंट चढ़ गया, जब फोटो और सेल्फी लेने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। देखते ही देखते विवाह स्थल रणक्षेत्र बन गया, जिससे अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना उस समय की है जब वरमाला की रस्म संपन्न हो चुकी थी और परिवार के लोग सात फेरों की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच मेहमानों के बीच फोटो खिंचवाने की होड़ में कहासुनी शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। इस मारपीट में दूल्हा और दुल्हन पक्ष के कई लोग घायल हो गए। स्थिति को बिगड़ता देख सुरक्षा के लिहाज से दूल्हा-दुल्हन को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस की कड़ी निगरानी में ही शादी की शेष रस्में और सात फेरे संपन्न कराए गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है, जहाँ उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और मंदिर परिसर में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर एक छोटी सी बात ने इतना बड़ा रूप कैसे ले लिया। खुशी के मौके पर हुई इस हिंसा ने सामाजिक व्यवहार और संयम पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटना में अतिक्रमण के खिलाफ महाअभियान शुरू

30 मई तक चलेगा प्रशासन का 'हंटर'

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी को जाम और अव्यवस्था से मुक्ति दिलाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू किया है। यह विशेष अभियान आज से 30 मई तक लगातार चलेगा, जिसमें सड़कों पर अवैध कब्जे करने वालों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई गई है। प्रशासन ने इस महाअभियान के लिए नूतन राजधानी, कंकड़बाग, पाटलिपुत्र, बांकीपुर, पटना सिटी और दानापुर जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को चिन्हित किया है। इन इलाकों में सड़कों के किनारे लगे अवैध ठेलों, अस्थायी दुकानों और अवैध पक्के निमार्णों को बुलडोजर के जरिए हटाया जाएगा। अभियान को निष्पक्ष और

प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने कुल *नौ विशेष प्रवर्तन दलों* का गठन किया है। इन टीमों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कार्रवाई के दौरान किसी भी राजनैतिक या स्थानीय दबाव को स्वीकार न करें। वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन अभियान की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस बार प्रशासन का रुख पहले से कहीं अधिक सख्त है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण हटाने के बाद यदि किसी ने उसी स्थान पर दोबारा कब्जा करने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ सीधे प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 30 अप्रैल को भी विधायक आवास के पीछे से करीब 150 अवैध दुकानें हटाई गई थीं। विशेषज्ञों का मानना है कि शहर की सूरत बदलने और आपातकालीन सेवाओं को सुचारु बनाने के लिए यह कदम अनिवार्य है, हालांकि इसके साथ ही छोटे दुकानदारों के पुनर्वास पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा।

पटना में घर में घुसकर दंपति पर चाकू से हमला

पति की मौत, पत्नी की हालत नाजुक

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी के अशोक राजपथ स्थित लालबाग इलाके में शनिवार सुबह अपराधियों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक दंपति पर उनके घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में 30 वर्षीय मोहम्मद नवाज आलम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी नाजिया परवीन गंभीर रूप से घायल हैं। नवाज एक निजी मॉल में सेल्समैन

थे। घटना सुबह करीब 7 बजे की है। पड़ोसियों ने जब घर के बाहर खून फैला देखा और दरवाजा खुला पाया, तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। अंदर जाने पर नवाज मृत मिले, जबकि नाजिया लहूलुहान अवस्था में पड़ी थीं। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल (FSL) की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पीड़िता की मां के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति मोबाइल चोरी के इरादे से घर में घुसा था और विरोध करने पर उसने हमला कर दिया। हालांकि, पुलिस आपसी रंजिश समेत अन्य सभी पहलुओं पर भी जांच कर रही है।उपनिरीक्षक मोहम्मद इजहार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों से पूछताछ जारी है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से स्थानीय लोगों में आक्रोश और सुरक्षा को लेकर दहशत का माहौल है। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना मेट्रो का जू के पास बनेगा सबसे लंबा अंडरग्राउंड स्टेशन, 3 साल तक गेट नंबर-1 पर रहेगी परेशानी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी में मेट्रो परियोजना का विस्तार अब शहर के पर्यटन स्थलों को भी प्रभावित करने लगा है। पटना जू (संजय गांधी जैविक उद्यान) के पास मेट्रो नेटवर्क का सबसे लंबा भूमिगत स्टेशन बनने जा रहा है। लगभग 355 मीटर लंबे और 17 मीटर गहरे इस स्टेशन के निर्माण के कारण अगले तीन वर्षों तक पर्यटकों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। मेट्रो निर्माण का सबसे अधिक प्रभाव जू के गेट नंबर-1 पर पड़ेगा। वर्तमान में यहाँ 38 मीटर क्षेत्र में तीन टिकट काउंटर संचालित हैं, लेकिन निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह स्थान घटकर मात्र 4 मीटर रह जाएगा। जगह की कमी के कारण टिकट के लिए कतार लगाने और प्रवेश में असुविधा होगी। इसे देखते हुए जू प्रशासन ने गेट नंबर-2 को मुख्य प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जहाँ टिकट काउंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी और डिजाइन में भी बदलाव होगा। निर्माण अवधि के दौरान बेली

रोड पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, गेट नंबर-1 के पास एकतरफा (डल्ली-way) ट्रैफिक लागू किया जा सकता है और एयरपोर्ट की ओर से आने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ा जा सकता है। प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन दो मंजिला होगा। पहले तल पर टिकट काउंटर, एस्केलेटर और लिफ्ट जैसी सुविधाएं होंगी, जबकि दूसरे तल पर प्लेटफॉर्म होगा। जू प्रशासन और मेट्रो निर्माण कंपनी के बीच हुई बैठक के बाद दोनों गेटों के नवीनीकरण की योजना तैयार की गई है, ताकि निर्माण के दौरान भी पर्यटकों को न्यूनतम असुविधा हो। दीर्घकाल में यह परियोजना शहर के परिवहन ढांचे के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से ठेला चालक की मौत, लोगो ने किया सड़क जाम

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर बस स्टैंड के समीप शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आने से 28 वर्षीय ठेला चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान भावनोखाप गांव निवासी विश्वनाथ राम के पुत्र जितेंद्र राम के रूप में हुई है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर पुनपुन पुल चौराहे को जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार जितेंद्र राम ठेला चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। रोज की तरह शनिवार को भी वह पटना से नबीनगर आने वाली मंटू बस से सामान उतारने पहुंचा था। सामान उतारने के लिए जितेंद्र राम बस की छत पर चढ़ा। इसी दौरान ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने हादसे के लिए बस चालक को जिम्मेदार ठहराया है। लोगों का कहना है कि चालक रोजाना उसी जगह हाईटेंशन तार के नीचे बस खड़ी करता है। कई बार मना करने के बावजूद वह लापरवाही से बस लगाता था। वहीं बिजली विभाग की भी घोर लापरवाही बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार हाई वोल्टेज कवर तार कई जगहों से कटे होने के कारण ठेला चालक बिजली की चपेट में आ गया ।आज उसी लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली।

एक सप्ताह पहले हुई थी शादी, पत्नी ने की खुदकुशी की कोशिश

सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि मृतक जितेंद्र राम की शादी महज एक सप्ताह पहले ही हुई थी। पति की मौत की खबर सुनकर नई नवेली दुल्हन सुनीता देवी ने सदमे में आकर जान देने की कोशिश की। परिजन उसे गंभीर हालत में रेफरल अस्पताल नबीनगर ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर कर दिया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।घटना से गुस्साए लोगों ने शव को सड़क पर रख दिया और पुनपुन पुल चौराहे को बांस-बल्ला लगाकर घेर दिया। टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया गया। सूचना पर नबीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस लोगों को समझाने और जाम हटवाने का प्रयास कर रही है। ग्रामीण मुआवजे और दोषी बस चालक पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पटना के होटल में ले जाकर छात्रा से दुष्कर्म

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी के कदमकुआं थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मुंगेर की रहने वाली पीड़िता भिखना पहाड़ी स्थित एक बालिका छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। आरोपी की पहचान दानापुर निवासी प्रतीक कुमार के रूप में हुई है। पीड़िता के अनुसार, प्रतीक कुमार ने स्नैपचैट के जरिए उससे संपर्क किया था। करीब छह दिनों की बातचीत के बाद 11 अप्रैल को आरोपी ने उसे मिलने के बहाने बुलाया और गांधी मैदान स्थित एक होटल ले गया। आरोप है कि वहां उसने छात्रा के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। घटना के बाद छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर उसकी मां पटना पहुंचीं, जिसके बाद पीड़िता ने आपबीती सुनाई। पहले निजी अस्पताल और फिर पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में उसका इलाज कराया गया। टाउन डीएसपी-1 राजेश रंजन ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर कदमकुआं थाने में पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, छात्रा स्वेच्छा से होटल गई थी, लेकिन वहां उसके साथ जबरदस्ती की गई। फिलहाल आरोपी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

बतख पालन योजना के तहत 23 लाभुकों के बीच चूजों का वितरण

पंकज कुमार पाठक, दैनिक समाज जागरण

पदमा–ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं पशुपालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से चलायी जा रही बतख पालन योजना के तहत शनिवार को पशुपालन विभाग पदमा द्वारा 23 लाभुकों के बीच बतख के चूजों का वितरण किया गया। योजना के अंतर्गत लाभुकों को अनुदानित दर पर चूजे उपलब्ध कराए गए।

जानकारी के अनुसार, पचास प्रतिशत सब्सिडी पर लाभुकों को 15-15 बतख के चूजे तथा नब्बे प्रतिशत सब्सिडी पर 30-30 चूजे वितरित किए गए। इस दौरान पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रिंस राज ने लाभुकों को बतख पालन की उपयोगिता, देखभाल, खानपान एवं रोगों से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बतख पालन कम लागत में अतिरिक्त आय का अच्छा माध्यम बन सकता है तथा ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार सृजन में सहायक है।

मौके पर पशु चिकित्सा कर्मी ललन कुमार उर्फ लालू, छोटन कुमार, परमेश्वर कुमार, राजू कुमार सहित योजना के लाभुक उपस्थित थे।

कुटुंबा के सुही गांव में टूटे बिजली तार की चपेट में आने से 10 वर्षीय किशोर की मौत

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

कुटुंबा (बिहार) औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र के सुही गांव में बिजली विभाग की लापरवाही ने एक मासूम की जान ले ली। घर के पास खेल रहे 10 वर्षीय किशोर की खेत में गिरे बिजली तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सुही गांव निवासी गुप्ता पासवान के इकलौते पुत्र पीयूष कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। मिली जानकारी के अनुसार पीयूष अपने दोस्तों के साथ घर के पास खेल रहा था। खेलते-खेलते वह घर के बगल वाले खेत की तरफ चला गया। उसी खेत में बिजली का एलटी तार पहले से टूटकर गिरा हुआ था। खेल के दौरान अनजाने में पीयूष का पैर उसी खुले तार पर पड़ गया। करंट लगते ही वह जमीन पर गिरकर छटपटाने लगा। बच्चों का शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े। लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए बांस की मदद से तार को हटाया और बच्चे को करंट से अलग किया। परिजन तुरंत उसे कुटुंबा रेफरल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।पीयूष अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। घर का चिराग बुझने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही कुटुंबा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तार कई दिनों से टूटकर खेत में गिरा था। शिकायत के बावजूद विभाग ने उसे ठीक नहीं किया। अगर समय रहते तार हटाया जाता तो मासूम की जान बच सकती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो।